Postal Regn No.Jaipur City/007/2018-20 || पश्चिमी राजस्थान की आवाज || मूल्य : दो रुपये

चौखी बात

इस संसार में यदि आप किसी चीज पर पूर्ण रुप से विश्वास कर सकते हैं तो वह केवल आपका मन है।

चाणक्य

दैनिक जलते दीप

संस्थापक स्व. माणक मेहता

।। दसवां वेद ।।

कम्मा उगरसेन का,
तो जननी बलिदार।
चंवर न झल्ले शाह पर,
तूं झल्लै तलवार।।

(अर्थ व कथा पेज चार पर)

www.dainikjaltedeep.com | वर्ष: 22 | अंक: 337 | जयपुर, शनिवार 04 जनवरी, 2020 | कुल पृष्ठ: 8 | Email : news@dainikjaltedeep.com

एक नजर

अमेरिकी हवाई हमले में मारा गया सुलेमानी

एजेंसी, तेहरान। इराक की राजधानी बगदाद में हवाई अड्डे के पास हुए अमेरिकी हवाई हमलों में ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की मौत हो गई। सुलेमानी की मौत के बाद शुक्रवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामनेई ने सुलेमानी के डिप्टी कमांडर इस्माइल कनी को कुद्स बल का नया कमांडर नियुक्त कर दिया है। खामनेई के एक बयान के हवाले से कहा कि कुद्स फोर्स का कार्यक्रम पहले की ही तरह चलता रहेगा। गौरवशाली जनरल कासिम सुलेमानी की शहादत के बाद, मैं ब्रिगेडियर जनरल इस्माइल कनी का नाम इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कुद्स बल के कमांडर के रूप में नियुक्त करता हूं। अमेरिकी हवाई हमलों में ईरानी कासिम सुलेमानी समेत छह अन्य लोग मारे गए हैं।

चिदंबरम फिर मुश्किल में, ईडी ने फिर की पूछताछ

एजेंसी, नई दिल्ली। ईएनएक्स मीडिया घूसखोरी मामले में 105 दिन तक तिहाड़ जेल में रहने के बाद जमानत पर बाहर आए पूर्व

वित्त मंत्री पी चिदंबरम फिर मुश्किल में घिरते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस की अगुवाई वाले यूपीए कार्यकाल के दौरान एयर इंडिया के लिए एयरबस और बोइंग विमान खरीद में करोड़ों रुपये की वित्तीय अनियमितता और इससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चिदंबरम से शुक्रवार को तकरीबन छह घंटे तक पूछताछ की है।

3.0 डिग्री के साथ फतेहपुर राज्य में सबसे ठंडा

जलतेदीप, कासं जयपुर। राज्य में तेज ठंड का दौर जारी है। हालांकि बीती रात तापमान में उतार-चढ़ाव आया, लेकिन ज्यादातर स्थानों पर तापमान में गिरावट आई। फतेहपुर में तापमान 3.4 से लुढ़ककर 3.0 डिग्री पर आ गया। वहीं माउंटआबू में तापमान 4.0 डिग्री से 3.5 डिग्री पर आ गया। वनस्थली का तापमान करीब 4 डिग्री बढ़कर 7.7 डिग्री आ गया। वहीं तापमान में तीन डिग्री तक की गिरावट आई। जोबनेर में पारा 4.5 डिग्री से बढ़कर 5 डिग्री पर आ गया। वहीं अलवर, सीकर, बारां, झुंझुनूं सहित कई इलाकों में घना कोहरा छाया रहा।

चांदी से बना दुनिया का सबसे बड़ा दीपक

जलतेदीप, नसं बीकानेर। जिले के देशनोक कस्बे में करणी माता मंदिर में सबसे बड़े अखंड दीपक की स्थापना की गई। दावा किया जा रहा है कि चांदी का बना यह दीपक दुनिया में सबसे बड़ा है। जिसमें करीब 450 से 500 किलो घी डाला जाता है। जो करीब डेढ़ साल तक जलता रहेगा। जिसे करणी माता के भक्त मोनी बाबा द्वारा मंदिर को भेंट किया गया है। करणी मंदिर निजी प्रन्यास के अध्यक्ष गिरिराज सिंह बारहठ ने ने बताया कि यह अखंड दीपक चांदी का बना हुआ है। जिसे माता के भक्त मोनी बाबा द्वारा करणी माता मंदिर को भेंट किया गया है।

फटकारो...

सीएए पर पीछे नहीं हटेगी सरकार : शाह

■ जलतेदीप विसं, जोधपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को जोधपुर में नागरिकता संशोधन कानून के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि सरकार इस मसले पर एक इंच भी पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी ने नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ कुप्रचार किया है। विपक्ष देश को गुमराह कर रहा, लेकिन सीएए पर सरकार एक इंच पीछे नहीं हटेगी चाहे सारा विपक्ष एकजुट हो जाए। शाह यहां भारतीय जनता पार्टी के जनजागरण अभियान में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत मारवाड़ की वीर भूमि को नमन करते हुए की. उन्होंने कहा, 'मारवाड़ की भूमि दुश्मनों के सामने कभी नहीं झुकी' शाह ने मंच से कहा, नागरिकता संशोधित कानून के समर्थन में देश में जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। वोटबैंक की राजनीति करने वाले ही विरोध कर रहे हैं। हम देश की जनता के सामने अपना पक्ष रख रहे हैं. विरोध करने वाली सभी पार्टियों को चुनौती देता हूं, कानून पढ़ा है तो कहीं भी चर्चा करने आ जाएं, कानून में कहीं भी किसी की नागरिकता लेने का प्रावधान नहीं है, विरोध करने वाले दल गुमराह कर रहे हैं। शाह ने कहा कि यह कानून किसी की नागरिकता लेने के लिए नहीं है यह प्रताड़ित शरणार्थियों को नागरिकता देने के लिए है।

गहलोत और राहुल पर साधा निशाना

अमित शाह ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आज मौसम बेईमान है। मुख्यमंत्री कॉलेज का फीता काट रहे है। लेकिन दूसरी ओर शाह आए है। कोटा में मासूमों की जीवन डोर कट रही है, लेकिन आवाज उठाने वालों पर डण्डा चलाते हो। अशोक गहलोत किस मुंह से आपके बीच आते हैं। रोजगार की मांग, किसानों की मांग पूरी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जनघोषणा पत्र दिखाया और कहा इसमें लिखा है, खुद ने कार्यक्रम बना लिए, टोल पर परेशान किया। राहुल बाबा विदेश में हो ये आवाज सुनाई देनी चाहिए। मारवाड़ की वीर भूमि को हाथ जोड़ता हूं, वो भी जो देश के दुश्मनों के सामने नहीं झुकी।

धर्म के आधार पर बंटवारा कांग्रेस ने किया था। राहुल बाबा और ममता दीदी को पूछना चाहता हूं कि पड़ोसी देशों में जो प्रताड़ना हुई, उनका मानवाधिकार कहा गया था। शरणार्थियो की किसी ने चिंता नहीं की। 56 इंच की छाती वाला मोदी आया। उसने कहा इन लोगों की चिंता में करुंगा। शरणार्थियों को कहता हूं आपके अच्छे दिन आ गए। जो शरणार्थी आए उनका भारत है, जितना मेरा अधिकार उतना ही आपका। अमित शाह ने कहा कि मेरा आप सबसे करबद्ध निवेदन है कि राहुल बाबा, ममता दीदी, केजरीवाल की टोली को जवाब देने के लिए अपने मोबाइल से 88662-88662 पर मिस्ड कॉल देकर नरेन्द्र मोदी को नागरिकता संशोधन कानून के लिए अपना समर्थन दीजिए।

शाह के भाषण के मुख्य बिन्दू

- धर्म के आधार पर देश का बंटवारा नहीं होना चाहिए था, कांग्रेस पार्टी ने धर्म के आधार पर बंटवारा किया। पाकिस्तान, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक तेजी से घट रहे हैं, प्रताड़ना की पराकाष्ठा के शिकार बने शरणार्थियों की किसी ने चिंता नहीं की।
- 56 इंच के सीने वाले आदमी ने दिखाई हिम्मत, शरणार्थियों के मानवाधिकारों की चिंता की। मैं डंके की चोट पर कहता हूं, भारत आए शरणार्थियों के लिए भारत अपना है।
- मोदी सरकार वोट बैंक की राजनीति नहीं करती, भारत ने अल्पसंख्यकों को बहुत मान सम्मान से रखा, अफगानिस्तान में तो महज 500 अल्पसंख्यक ही बचे हैं।
- कांग्रेस नेताओं के वचन का पालन कांग्रेस ने नहीं किया, लेकिन हम करेंगे।? देश में आए विस्थापितों में से 70 फीसदी दलित। सपा और बसपा पर साधा निशाना। नागरिकता संशोधित कानून का विरोध कर दलितों का विरोध कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का दो दिवसीय जोधपुर दौरा

धर्म के नाम पर बने मुल्क कभी एकजुट नहीं रह पाएं : गहलोत

■ जलतेदीप विसं, जोधपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को जोधपुर पहुंचते ही नागरिकता संशोधन कानून(सीएए) और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर(एनसीआर) पर अपने आक्रामक अंदाज के साथ केन्द्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर बने मुल्क कभी एकजुट नहीं रह पाए। हिन्दू राष्ट्र की बात करना और उसके एजेंडे को आगे बढ़ाना आसान है, लेकिन इसके नतीजे बहुत घातक साबित होंगे। ऐसा करने से देश के टुकड़े हो जाएंगे। पूरा देश इसका विरोध कर रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी व गृह मंत्री अमित शाह को इन्हें वापस लेने पर विचार करना चाहिए।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जनजागरण सभा से पहले दो दिवसीय प्रवास पर जोधपुर पहुंचे गहलोत ने एयरपोर्ट से बाहर निकलते समय कहा कि इस देश को सीएए और एनआरसी की आवश्यकता ही नहीं है। अटल बिहार वाजपेयी के प्रधानमंत्री रहने के कार्यकाल में नागरिकता कानून में संशोधन किया गया था, लेकिन कोई हल्ला नहीं मचा। अब आखिरकार इसका पूरे देश में विरोध क्यो हो रहा है। हमें देखना पड़ेगा कि इस विरोध का क्या कारण है? देश में ध्रुवीकरण की कोशिश की जा रही है। इससे देश टूट जाएगा। धर्म के नाम पर बने देश कभी एकजुट नहीं रह पाए।

रूस और पाकिस्तान का उदाहरण हमारे सामने है। कुछ फिरकापरस्त लोगों ने पाकिस्तान को मुस्लिम राष्ट्र बना दिया। नतीजा सबके सामने है। पाकिस्तान के दो टुकड़े हो चुके है। पूरा पाकिस्तान बर्बाद हो चुका है और एक बार फिर बिखरने की कगार पर है।

हमारे देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने की कोशिशों के नतीजे बहुत विनाशकारी साबित होंगे। इस देश के टुकड़े हो जाएंगे। हर धर्म के लोग अपने लिए अलग देश की मांग करने लग जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह के पास इसका कोई जवाब नहीं है। देश के नौ राज्य इसका विरोध करते हुए कह रहे है कि हम इसे लागू नहीं करेंगे। लोकतंत्र सिर्फ बहुमत के आधार पर नहीं चलता है। अवाम की सोच के आधार पर देश चलता है। ऐस कानून लाने से पहले न तो विपक्ष को विश्वास में लिया गया और न ही देश में इसकी चर्चा की गई।

सरकार दे रही प्रदेश में खेलों को बढ़ावा

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को जोधपुर में ओसवाल महिला छात्रावास का भूमि पूजन किया तथा सरदार स्पोर्ट्स एकेडमी का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने उद्घाटन समारोह में खेलों की महत्ता बताते हुए कहा कि छात्र जीवन से ही खेलों की ओर विद्यार्थियों का रूझान बढ़ाकर हम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक उद्यमी एक खेल को गोद लेकर प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के राज्य सरकार के प्रयासों मंक सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए कृत संकल्पित है। पहली बार राज्य खेलों की शुरूआत हुई है। खिलाड़ियों के लिए हर जिले में प्रतिभा खोज शिविर लगाए जाएंगे। गहलोत ने कहा कि महावीर कॉम्पलेक्स की भूमि से मेरे बचपन की गहन यादें जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जीयो और जीने दो के सिद्धांत को अपनाते हुए ही जीवन जीना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में हमारे संविधान की विशेषता अनेकता में एकता की बात भी कही।

कोटा : 2 और बच्चों की मौत, 106 तक पहुंचा मौतों का आंकड़ा

■ जलतेदीप नसं, कोटा

शहर के जेके लॉन अस्पताल में बच्चों की मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अस्पताल में शुक्रवार को फिर 2 और बच्चों की मौत हो गई। इसके साथ ही दिसंबर से अब तक बच्चों की मौतों का आंकड़ा अब 106 पर पहुंच गया है। बच्चों की लगातार मौतों पर राष्ट्रीय स्तर पर मचे बवाल के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया है। आयोग ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है।

मंत्रियों के सामने जमकर हुआ हंगामा : वहीं प्रदेश सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा और कोटा के प्रभारी परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास भी शुक्रवार को जेके लॉन अस्पताल पहुंचे। इस दौरान वहां जमकर हंगामा हुआ। वहां मंत्रियों को भाजपा कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों के लगातार दौरे के बाद अब शनिवार को डिप्टी सीएम सचिन पायलट द्वारा भी जेके लॉन अस्पताल का दौरा करने की संभावना जताई जा रही है। केन्द्रीय उच्च स्तरीय टीम भी कोटा पहुंच रही है। यह टीम जेके लोन अस्पताल में बच्चों की मौतों को लेकर समीक्षा करेगी।

जलवायु परिवर्तन से बदला टिड्डियों का व्यवहार, किसानों पर आफत

- जलवायु परिवर्तन से खेती पर विपरीत असर, कृषि वैज्ञानिक 21 दिन करेंगे मंथन
- दुर्गापुरा कृषि अनुसंधान केंद्र में 8 राज्यों के कृषि वैज्ञानिक जुटे, 21 दिन तक चलेगी ट्रैनिंग
- जोबनेर कृषि यूनिवर्सिटी के कुलपति जेएस संधू ने कहा, जलवायु परिवर्तन का खेती पर असर पड़ रह है, कृषि वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटेंगे
- मौसम विभाग के पूर्व डीजी डॉ. एलएस राठौड़ ने कहा, पहली बार सर्दियों में टिड्डी आ रही है, जलवायु परिवर्तन से जीव जंतुओं का व्यवहार बदल रहा है

■ जलतेदीप विसं, जयपुर

जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर खेती और किसान पर पड़ रहा है। ग्रीन हाउस गैसों के बढ़ते उत्सर्जन ने जहां पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया है वहीं खेती और किसान के सामने चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। जलवायु परिवर्तन से जीव जंतुओं का व्यवहार बदल रहा है। पश्चिमी राजस्थान में भरी सर्दियों में भी टिड्डी के प्रकोप को जलवायु परिवर्तन का ही कारण माना जा रहा है। जलवायु परिवर्तन के चलते टिड्डियों का व्यवहार बदल रहा है, आम तौर पर अक्टूबर-नवबंर के बाद टिड्डी नहीं आती थी लेकिन अब कड़ाके की ठंड में भी टिड्डी आ रही है। टिड्डियों के इस बदलते व्यवहार का कृषि वैज्ञानिक अध्ययन करेंगे। दुर्गापुरा कृषि अनुसंधान केंद्र में जलवायु परिवर्तन से खेती के सामने आ रही चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए आठ राज्यों के कृषि वैज्ञानिक जुटे हैं, शुक्रवार से शुरु हुई इन वैज्ञानिकों की ट्रैनिंग 21 दिनों तक चलेगी। इस दौरान कृषि वैज्ञानिक टिड्डी प्रभावित इलाकों का दौरा कर अनसंधान के प्रूफ जुटाएंगे, वहीं अत्यधिक पाला पड़ने से खराब हुई फसलों का भी अध्ययन करेंगे। जलवायु परिवर्तन से खेती पर कई तरह के दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं। आने वाले दिनो में इसके नतीजे औरी भयावह रूप से सामने आ सकते हैं। वैज्ञानिक इन्हीं का तोड़ निकालने में जुटे हैं। जोबनेर कृषि यूनिवर्सिटी के कुलपति जेएस संधू ने कहा, जलवायु परिवर्तन का खेती पर असर पड़ रह है, कृषि वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटेंगे।

पश्चिमी राजस्थान के जिलों में फिर मंडराया टिड्डी का खतरा

पाकिस्तान से सटे जिलों में फिर टिड्डी का खतरा मंडरा रहा है। पाकिस्तान के सीमावर्ती ज़िलों में बड़ा टिड्डी दल देखा गया है, यह टिड्डी दल करीब 50 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में अभी पाकिस्तान में है। यह टिड्डी दल हवा के साथ कभी भी पश्चिमी जिलों में आ सकता है। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया के मुताबिक पाकिस्तान में बड़ा टिड्डी दल देखा गया है,इसके खतरे से निपटने के लिए टीमों को सतर्क कर दिया है, कृषि आयुक्त को बॉर्डर एरिया में भेजा गया है।

बसपा के सभी 6 विधायक कांग्रेस में शामिल, सोनिया ने दी शुभकामनाएं

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

बीते वर्ष सितंबर माह में अपनी पार्टी का दामन छोड़कर कांग्रेस का हाथ थामने वाले राजस्थान के बीएसपी के सभी छह विधायकों ने शुक्रवार को दिल्ली में कांग्रेस जॉइन कर ली। इन विधायकों ने कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे के चेंबर में पहुंचकर कांग्रेस जॉइन की। पार्टी के राज्य प्रभारी अविनाश पांडे ने इन सभी विधायकों को कांग्रेस के प्रतीक चिह्न वाला दुपट्टा पहनाकर पार्टी में शामिल करवाया।

सभी विधायकों को औपचारिक सदस्यता दी गई : बसपा को छोड़कर आए इन सभी विधायकों को कांग्रेस में शामिल होने के लिए पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सितंबर में ही अनुमति दे दी थी। उसके बाद शुक्रवार को सभी विधायकों को औपचारिक सदस्यता दी गई। सोनिया गांधी ने सभी विधायकों को शुभकामनाएं दी है।

ये विधायक हैं शामिल : कांग्रेस ज्वॉइन करने वाले विधायकों में झुंझुनूं के उदयपुरवाटी विधायक राजेंद्र गुढ़ा, भरतपुर के नगर विधायक वाजिब अली, नदबई विधायक जोगिंदर अवाना, अलवर के तिजारा विधायक संदीप यादव, किशनगढ़बास विधायक दीपचंद खेरिया और करौली विधायक लाखन सिंह शामिल हैं।

ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर पथराव, तोड़ने की धमकी दी, श्रद्धालु फंसे

■ एजेंसी, इस्लामाबाद

लाहौर में शुक्रवार को उग्र भीड़ ने गुरुद्वारा ननकाना साहिब को घेर कर पथराव किया। पाकिस्तान से आ रही खबरों के मुताबिक, कुछ सिख श्रद्धालु भीतर फंसे हुए हैं। शुक्रवार को करीब 7 बजे भीड़ ने गुरुद्वारे को घेर लिया और इसे तोड़ने की धमकी दी।

गुरुद्वारा ननकाना साहिब पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में लाहौर के करीब स्थित है। मान्यता है कि इसी स्थान पर 1469 में सिख धर्म के संस्थापक गुरुनानक देव का जन्म हुआ था। इस जगह को पहले राय भोई की तलवंडी कहा जाता था, लेकिन गुरु नानक के सम्मान में इस जगह का नाम बदल दिया गया। गुरुवार को यहां सिख श्रद्धालुओं ने गुरु गोविंद सिंह जयंती मनाई थी।

भीड़ ने गुरुद्वारे का नाम बदलने के नारे लगाए

पाक मीडिया में दिखाए जा रहे एक वीडियो में भीड़ यह कहती दिख रही है कि वह इस इलाके में गुरुद्वारा नहीं चाहती। नारे लगाए जा रहे थे कि जल्द ही इस जगह का नाम गुरुद्वारा ननकाना साहिब से बदलकर गुलमान-ए-मुस्तफा कर दिया जाएगा और यहां एक भी सिख नहीं रहेगा।

सिख लड़की के धर्म परिवर्तन का मामला

रिपोर्ट्स के मुताबिक, भीड़ का नेतृत्व मोहम्मद हसन का परिवार कर रहा था। बताया जा रहा है कि हसन ने एक सिख लड़की को अगवाकर उसका धर्म परिवर्तन करवाया। यह लड़की गुरुद्वारे के पंथी की बेटी थी। धर्मपरिवर्तन के बाद हसन को अधिकारियों ने बेरहमी से पीटा। हसन के परिवार का दावा है कि लड़की ने अपनी मर्जी से कानूनी तौर पर विवाह किया। दबाव डालने के बाद भी वह दोबारा सिख धर्म अपनाना नहीं चाहती है।

107वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन | **पीएम मोदी ने वैज्ञानिकों से की अपील**

पराली जलाने और प्लास्टिक का समाधान खोजें

■ एजेंसी, बेंगलुरू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को टेक सिटी बेंगलुरू में 107वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी भारत में 2024 तक 50 खरब डॉलर डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने इसके साथ ही दोनों क्षेत्रों में क्रांति का आह्वान किया।

पीएम ने आगे कहा, हमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी में क्रांति की आवश्यकता है, क्योंकि वे 2024 तक भारत को 50 खरब (5 ट्रिलियन) डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। खेती में सहायता करने वाली प्रौद्योगिकियों में क्रांति का आह्वान करते हुए, मोदी ने वैज्ञानिक समुदाय से पराली जलाने की समस्या का समाधान खोजने को कहा।प्रधानमंत्री ने इस मौके पर कहा, इसी तरह, क्या हमारे वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीविद उत्सर्जन को कम करने और ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए ईंट-भट्टों को फिर से डिजाइन कर सकते हैं। हमें ऊर्जा भंडारण के तरीके खोजने होंगे। प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल ग्रामीण विकास के लिए किया जाना चाहिए और किसानों को अपनी उपज को सीधे बाजार में बेचने में सक्षम बनाना चाहिए। इस बात का जिक्र करते हुए कि देश के विकास और तरक्की में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है, मोदी ने कहा कि आपूर्ति श्रंखला में अड़चनों के कारण किसानों को होने वाली हानि को प्रौद्योगिकी का उपयोग लागू करके निपटा जाना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, ई-कॉमर्स, मोबाइल बैंकिंग सेवाएं किसानों की प्रभावी ढंग से मदद कर रही हैं। प्रौद्योगिकी ने गरीबों के लिए दो करोड़ घर बनाना संभव बना दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रशासन और शासन में लालफीताशाही को कम करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। मोदी ने कहा, जैसा कि वायु प्रदूषण और अपशिष्ट प्रबंधन देश के लिए एक चुनौती बन रहा है, हमें कचरे को धन में बदलने के तरीके खोजने चाहिए।

अयोध्या : मंदिर निर्माण के लिए 18 साल बाद ट्रेजरी से बाहर आएंगी राम शिलाएं

■ एजेंसी, नई दिल्ली

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर सरकार, संतों, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विहिप के पदाधिकारियों की सक्रियता तेज हो गई है। इसी के साथ दो पूजित राम शिलाओं के 18 साल बाद ट्रेजरी से बाहर आने की उल्टी गिनती भी शुरू हो गई है।

इन राम शिलाओं को 15 मार्च 2002 को राम जन्मभूमि न्यास के तत्कालीन अध्यक्ष और अयोध्या आंदोलन के प्रमुख किरदार दिगंबर अखाड़ा के प्रमुख रामचंद्र परमहंस और विहिप के तत्कालीन अध्यक्ष अशोक सिंहल ने केंद्र की तत्कालीन अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में गठित अयोध्या प्रकोष्ठ के प्रभारी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को सौंपी थी।

स्व. परमहंस व सिंहल की इच्छा इन पूजित शिलाओं को मंदिर के गर्भगृह में लगाने की थी, इसलिए मंदिर निर्माण शुरू होने से पहले ही संतों व विहिप की कोशिश इसे ट्रेजरी से बाहर लाने की है। प्रयागराज में इसी माह माघ मेले में संतों की केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक में किसी शुभ मुहूर्त पर इन शिलाओं को ट्रेजरी से बाहर लाने के बारे में भी निर्णय होगा।

भेदियापंथी का इनाम!

राष्ट्र में महाराष्ट्र और महाराष्ट्र में जो कुछ हो रहा है उसे राष्ट्र के साथ-साथ महाराष्ट्र वाले भी देख रहे है। एक तो घमासान और दूसरा भेदियागिरी का इनाम। हम ने तब कहा था। कई बार कहा था। चीख-चीख के कहा था। आज वह अक्षरस सच्चा और खरा साबित हो रहा है। शहर की एक हथाई पर आज इसी के चर्चे हो रहे थे।

जो है वह सब के सामने है। राष्ट्र में महाराष्ट्र आज-कल का तो है नहीं। शायद ऐसा भी नहीं कि पहले कोई दूसरा नाम हो फिर बदलकर दूसरा कर दिया गया हो। राष्ट्र में महाराष्ट्र कल भी था आरज भी है और भविष्य में भी रहेगा। अगर किसी ने महा से प्रेरणा ली होती तो कई स्थानों पर महा नजर आते। सिर्फ किसी के आगे महा लगाने भर से किसी का रूप-सिणगार नहीं बदल जाता। अगर कोई अपनी मरजी से ऐसा कर ले या मस्ती-मजाक में महा चस्पा कर ले, उसका तो कोई इलाज नहीं। हमने ऐसे-ऐसे येडे देख रखे है जिन्हें सूथण संभालना तक नहीं आता मगर नाम ज्ञानचंद। इमने धनीराम को भंगार लेते देखा। हमने धनराज को भीख मांगते देखा। बिग बी को सदी का महानायक यूं ही नही कहा जाता। उन्होने बॉलीवुड में पचास साल सेवाएं दी और आज भी सक्रिय है। नंदा-महानंदा यूं ही नहीं बनी। भारत में महाभारत यूं ही नहीं हुआ। नदी-महानदी खामखा नहीं बनी। हर महा के पीछे कोई ना कोई सॉलिड कारण रहा होगा वरना यहां-वहां भतेरे। कहां और जहां को भी ढूंढने की जरूरत नहीं। महा तेरी महिमा न्यारी। राष्ट्र

में महाराष्ट्र है तो भी राज्य है और महाराष्ट्र राष्ट्र ममें है तो भी स्टेट है। वहां इन दिनों जो राजनीति हो रही है। देश देख रहा है। वहां पिछले दिनों जिस तरह की सियासत हुई। आखे देश ने देखा।

हथाईबाजों ने तब भी कहा था कि चाचा-भतीजा मिलीभगत की राजनीति कर रहे है। लिखा भी था कि वहां जो कुछ हुआ, वह चाचा की लिखी पटकथा है जिस पर भतीज बादशाह मंचन का रहे है। अब वह लिखावट सौ फीसदी खरी उतरती नजर आ रही है। भेदियापंथी का इनाम उस लिखाई को पुख्ता कर रहा है।

भेदियापंथी का इनाम के बारे में पढ़-सुन कर हैरत हो रही होगी। ऐसा होना स्वाभाविक भी है। इसके अपने कारण है। अपने यहां भांत-भांत के इनाम, जिन की गिनती करना मुहाल है। एक-एक की गिनती करने बैठ गए तो पखवाड़ा गुजर जाएगा मगर खास-खास को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। इनाम क्यूं दिए जाते है, इस पर ज्यादा पत्रवाचन करने की जरूरत नहीं। पहला इनाम किसने दिया। किस को दिया। किस बात पर दिया इसका अधिकृत लेखाजोखा तो किसी के पास नहीं। इत्ता जरूर है कि इसकी शुरूआत हजारों-हजार साल पहले हुई थी और आज भी जारी है। आने वाले समय में भी चलती रहणी है।

इनाम अच्छे कार्यो के लिए प्रदान किए जात है। जितने भी क्षेत्र है उनमें जो बंदे उल्लेखनीय कार्य करते हैं उन्हें इनाम देकर नवाजा जाता है। उन्हें पुरस्कृत किया जाता है। शिक्षा से लेकर खेल के क्षेत्र में। चिकित्सा से लेकर सफाई के क्षेत्र में। वीरता से लेकर शूरवीरता के क्षेत्र में। सामाजिक क्षेत्र से लेकर आर्थिक क्षेत्र में। साहित्य से लेकर रंगमंच के क्षेत्र में। हालीवुड से लेकर बॉलीवुड में। ज्ञान से लेकर विज्ञान के क्षेत्र में। ज्योतिष क्षेत्र से लेकर अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में। कानून के क्षेत्र से लेकर पुलिस और सैन्य क्षेत्र में। कुल जमा अपने यहां हर क्षेत्र में अच्छे और गौरतलब कार्य करने वालों को पुरस्कृत करने की परंपरा रही है। सियासी क्षेत्र में भी ऐसा होता है। फलांचंदजी को साल का सर्वश्रेष्ठ विधायक घोषित किया गया। ढीमकाचंदजी साल के सर्वश्रेष्ठ सांसद पुरस्कार के लिए चुने गए। यहां तो ठीक है। इसके आगे जहान और भी है। आज अपने सर्वश्रेष्ठ हुजूरचंदसा को पद देकर पुरस्कृत करते है। आलाकमान की चमचागिरी करने वालों को संगठन या सरकार में धांसू पद देकर नवाजा जाता है। अव्वल दर्जे के हाजरियों और कुलसेवकों को ओहदे प्रदान कर सम्मानित किया जाता रहा है। अब उसमें भेदियागिरी पुरस्कार भी शुमार हो गया लगता है। लगता क्या है शुमार हो ही गया। महाराष्ट्र में उसका लोकार्पण होते सबने देखा।

महाराष्ट्र में पिछले दिनों क्या हुआ और इन दिनों क्या हो रहा है उसे आखा देश देख रहा है। वहां पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनावों में किसी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला, हां भाजपा-शिवसेना गठबंधन को सरकार बनाने लायक सीटें जरूर मिल गई मगर शिवसेना द्वारा सीएम पद देने की जिद पर गठबंधन में दरार पड गई। इसका फायदा उठाकर एनसीपी और कांग्रेस ने शिवसेना को सीएम पद देकर भाजपा को सत्ता में आने से रोक दिया। इस से पहले हुए एक नाटकीय घटनाक्रम में एनसीपी नेता और शरद पवार के भतीजे अजित पवार भाजपा खेमे में चले गए। उनके बहकावे में आकर देवेन्द्र फडणवीस ने सीएम और अजित ने डीसीएम पद की शपथ भी ले ली। मगर जादुई आंकड़ा नहीं जुटा सके। नाटक दर नाटक के बाद फडणवीस को इस्तीफा देना पड़ गया उसके बाद एनसीपी और कांग्रेस की बैसाखी क सहारे शिवसेना के उद्धव ठाकरे सीएम बने।

अब वहां मंत्री पद और विभागों को लेकर जो सिर फुडाई हो रही है उसे राष्ट्र और महाराष्ट्र दोनों देख रहे है। वहां अजित पवार को डीसीएम का पद फिर दिए जाने से साफ है कि उनका भाजपा के साथ जाना पूर्व नियोजित था। अजित ने भेदियापंथी दिखाई उसका पुरस्कार मिल गया। इस भेदियागिरी को भी राष्ट्र और महाराष्ट्र दोनों देख रहे है। वाह री राजनीति... वाह रे राजनेता..!

मुख्य शासन सचिव अग्रवाल ने किया ट्रीमेंट प्लांटों का निरीक्षण

पाली, 3 जनवरी (निसं)। उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य शासन सचिव डॉ सुबोध अग्रवाल ने कहा कि सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने की पक्षधर है परन्तु र्प्यावरण संतुलन भी आवश्यक है।

एसीएस अग्रवाल शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एनजीटी के समक्ष विचाराधीन याचिका में पारित आदेश की अनुपालना में अब तक हुई प्रगति के संबंध में बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पाली में जल प्रदूषण की समस्या है प्रदूषित पानी सही मानक पर उपचारित होना जरूरी हैं ताकि नदी व बांध में प्रदूषित पानी न जाए और किसानों को नुकसान न हो। उन्होंने कहा कि उद्योग व पर्यावरण के संतुलन के लिए एनजीटी के दिशा निर्देशा अनुरूप कार्य करते हुए कमियों को दूर करना होगा इसके लिए सभी स्तर पर ईमानदारी व गंभीरता से प्रयास करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि पाली में औद्योगिक क्षेत्रों के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में वेन्डर द्वारा अवैध रूप से कपड़ा धुलाई का कार्य किया जा रहा है। जिसका प्रदूषित पानी नालियों एवं जमीन में डाला जा रहा है। उन पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। सीईटीपी को भी चाहिए कि ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर प्रशासन को अवगत करावें ताकि उनके विरूद्ध कार्यवाही अमल में लाई जा सकें।

उन्होंने कहा कि पाली में जांच सैम्पल लगातार

मानक पर खरे नहीं उतरें है। सीईटीपी को तकनीकी विशेषज्ञों की सलाह लेकर इसमें निरंतर सुधार लाना होगा तभी पाली में उद्योग जिन्दा रह पाएगा। उन्होंने सीईटीपी व उद्यमियों को एक्सन प्लान बनाकर उसके अनुरूप चरणबद्ध एवं समयबद्ध तरीके से कार्य करने के साथ ही आर्थिक, तकनीकी, पेशवर एवं कानूनी सलाहकार की भी सेवाएं लेने को कहां।

बैठक में जिला कलक्टर दिनेशचन्द जैन ने पाली में जल प्रदूषण की समस्या के निधान के लिए अब तक की गई कार्यवाही की जानकारी देते हुए कहा कि एनजीटी के निर्देशों की पालना के लिए समय-समय पर समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देशित किया जा रहा है।

बांड़ी नदी में धौरे बनाकर प्रदूषित पानी को नेहडा बांध में जाने से रोका गया है। परिवहन विभाग की और से भी टैंकरों की भी जांच की जा रही है। अवैध इकाईयों की रोकथाम के संबंध में कार्यवाही की गई है। साथ ही प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के अधिकारियों द्वारा सीईटीपी प्लांट एवं औद्योगिक इकाईयों की जांच कर कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए है। सीईटीपी के पदाधिकारियों ने एनजीटी के निर्देशानुसार एक्सन प्लान के तहत करवाए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर वीरेन्द्रसिंह चैधरी, डॉ विजय सिंघल, एस.के.सिंह, राजेन्द्र शर्मा, प्रहलाद सहाय नागा, देशलदान, रोहिताश्वसिंह तोमर, दिनेश पुरोहित, अमित शर्मा, सीईटीपी के पदाधिकारी अनिल गुलेच्छा, अरूण जैन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी व उद्यमी मौजूद रहे।

इससे पूर्व एसीएस ने मण्डिया रोड स्थित जल परिशोधन संयंत्रों का निरीक्षण कर प्रदूषित पानी को उपचारित करने की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया साथ ही स्काडा मीटर की ऑनलाईन व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने औद्योगिक इकाई में लगी जल परिशोधन की एमबीआर तकनीक का भी निरीक्षण कर उसकी प्रक्रिया की जानकारी ली।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक आयोजन

बाडमेर, 3 जनवरी (निसं)। जिला मुख्यालय पर गणतंत्र दिवस 2020 उत्साह, उमंग एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिला स्तरीय समारोह आदर्श स्टेडियम में गरिमामय ढ़ग से मनाया जाएगा। जिसमे अधिकाधिक आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। जिला कलक्टर अंशदीप ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कांफ्रेस हाल में गणतंत्र दिवस की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

इस मौके पर जिला कलक्टर अंशदीप ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर संबंधित अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियों का समय पर निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि मुख्य कार्यक्रम स्थल पर बैठक, पेयजल, बिजली, माइक, बेरिकेटिंग तथा यातायात के साथ समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। जिला कलक्टर ने बताया कि इस बार जिला मुख्यालय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर किया जाए। इसमें उत्कृष्ठ तथा पुरस्कृत कार्यक्रम को अगले दिन मुख्य समारोह में भी प्रदर्शित किया जाए।

इस बार गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय स्टेशन रोड पर 25 जनवरी को सांय 7 बजे से 9:30 बजे तक सांस्कृति कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने उत्कृष्ठ एवं विशिष्ट कार्य करने वाले लोगों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करने के लिए प्रस्ताव सम्पूर्ण के जांच पश्चात् निर्धारित समय पर भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वतन्त्रता सैनानियों तथा शहीदों के परिजनों को व्यक्तिगत रूप रूप से आमन्त्रण पत्र देकर आमंत्रित किया जाए। उन्होने सेना, वायुसेना, बीएसएफ, पुलिस एवं सिविल सेवा के सेवानिवृत अधिकारियों तथा गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित करने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने मुख्य समारोह के दौरान राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं एवं उल्लेखनीय कार्यो की झांकियां प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। इन्हें विशेषकर बाड़मेर जिले पर फोकस करने को कहा तथा स्थानीय योजनाओं व कार्यक्रमों पर आधारित झांकियां प्रदर्शित करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त जिला कलक्टर राकेश कुमार शर्मा ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह में अधिकाधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ राजकीय कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों में 26 जनवरी को प्रातः 8 बजे ध्वजारोहण किया जाए। उन्होंने बताया कि आदर्श स्टेडियम में 26 जनवरी को प्रातः 9 बजे मुख्य अतिथि ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देंगे। सामूहिक गान, परेड एवं व्यायाम का रिहर्सल 13 जनवरी से रासीमावि स्टेशन रोड़ एवं सामूहिक परेड की तैयारी आदर्श स्टेडियम में 17 जनवरी से प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि मुख्य समारोह से पहले कार्यक्रम का अंतिम रिहर्सल 24 जनवरी को किया जाए। उन्होंने 26 जनवरी की पूर्व संध्या एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर समस्त राजकीय कार्यालयों एवं संस्थाओं के भवनों, जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक आवास तथा शहर के चौराहों पर लाइटिंग करने के निर्देश नगर परिषद के आयुक्त को दिए। गणतंत्र दिवस समारोह के प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार अपर कलक्टर राज्यपाल के संदेश का पठन करेंगे। इसके बाद पुलिस बैंड धुन का प्रसारण, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 2000 छात्र-छात्राएं व्यायाम प्रदर्शन कर सामूहिक गान की प्रस्तुति देंगे। इस दौरान बालचर पिरामिड प्रदर्शन करेंगे। इसके उपरांत प्रशस्ति पत्रों का वितरण, देश भक्ति गीत, सामूहिक लोक नृत्य, गैर दलों की प्रस्तुति के साथ झांकियों का प्रदर्शन होगा। मुख्य समारोह के पश्चात दोपहर 2 बजे जिला प्रशासन एवं जिला क्रिकेट संघ के मध्य आदर्श स्टेडियम में क्रिकेट मैच आयोजित होगा। मुख्य समारोह के दौरान उत्कृष्ट एवं विशिष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित करवाने के लिए प्रस्ताव 20 जनवरी तक अपर कलक्टर को भिजवाए जा सकते है।

थार महोत्सव के सम्बन्ध में बैठक सोमवार को

बाड़मेर, 3 जनवरी (निसं)। जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने तथा थार महोत्सव आयोजन की पूर्व तैयारियों के संबंध में जिला कलक्टर अंशदीप की अध्यक्षता में सोमवार 6 जनवरी को दोपहर 3 बजे कलक्टर कार्यालय में बैठक का आयोजन किया जाएगा।

जिला कलक्टर अंशदीप ने बताया कि पर्यटन को बढ़ावा देने तथा थार महोत्सव आयोजन किये जाने के संबंध में आवश्यक तैयारियों व व्यवस्थाओं के क्रम में उक्त बैठक का आयोजन किया जाएगा। उन्होन संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय व तिथि पर बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए है।

जिला कलक्टर अंशदीप ने आदेश जारी कर जिले में पर्यटन को बढावा देन व थार महोत्सव का आयोजन किये जाने हेतु राज्य सरकार द्वारा गठित पर्यटन विकास स्थाई समिति में ग्रामीण विकास एवं चेतना संस्थान बाड़मेर, महिला मण्डल बाड़मेर आगोर, श्योर संस्था बाड़मेर के सचिव, लायन्स क्लब बाड़मेर के अध्यक्ष, इन्टेक संस्था बाड़मेर के संयोजक, होटल गुडाल के प्रबंधक पुरूषोतमदास खत्री तथा सेवानिवृत कॉलेज व्याख्याता एवं उद्घोषक बंशीधर तातेड को विशेष आमंत्रित सदस्यों के रूप में मनोनीत किया है।

अंतरराष्ट्रीय जैन सामायिक फेस्टिवल 5 को

जसोल, 3 जनवरी (निसं)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा 5 जनवरी को जैन सामायिक फेस्टिवल का आयोजन होगा। जैन धर्म के सिद्धांतों अनुसार 48 मिनट तक मन-वचन-काया से किसी की प्रकार की पापकारी प्रवृति का त्यागकर अपनी आत्मा में रमण करना ही समायिक करना है। अभातेयुप राष्टीय अध्यक्ष संदीप कोठारी मुम्बई ने कहा कि फेस्टिवल के माध्यम जैन धर्म के सभी संप्रदायों के श्रावक समाज साथ मिलकर एक समायिक की आराधना करेंगे। आचार्य महाश्रमण, आचार्य डा. शिवमुनि म.सा, आचार्य विजयश्री अभयदेवसुरी म.सा, आचार्य ललितप्रभ सागर म.सा, सौभाग्य मुनि म.सा आदि ाचार्यो-मुनि प्रवर, साधु साध्वियों ने अनुमोदना की है। कार्यक्रम में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के साथ श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेस, अखिल भारतीय खतरगच्छ युवा परिषद, अखिल भारतीय श्री प्राज्ञ जैन युवा मंडल, भारतीय जैन संगठना आदि विभिन्न संगठनों ने सहभागिता दर्ज करने हेतु समर्थन दिया है। जैन एकता में मील का पत्थर सिद्ध होनेवाले कार्यक्रम को पूरे देशभर में आयोजन करवाने हेतु अनेकों संघीय संस्थाएं सज्ज बन चुकी है। महामंत्री मनीष दफ्तरी ने बताया कि अभातेयुप की 346 शाखाओं में इस कार्यक्रम को लेकर अपूर्व उत्साह है और जैन समाज के सभी युवा इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे यही विश्वास है। जैन तीर्थ नाकोड़ाजी मंदिर एवं आस पास के क्षेत्रों प्रचार-प्रसार किया गया। तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में 5 जनवरी को प्रातः 9 बजे स्थानीय राजा चौक, नया ओसवाल भवन में आयोजन करेगी।

अभिभावक संवाद संगम कार्यक्रम आयोजित

बालोतरा, 3 जनवरी (निसं)। डीआरजे राजकीय कन्या महाविद्यालय बालोतरा में शुक्रवार को अभिभावक संवाद संगम कार्यक्रम आयोजित किया गया। संयोजक डॉ गुलाब दास वैष्णव ने कहा कि विद्यार्थी के भविष्य के लिए शिक्षक और अभिभावक को मिलकर कार्य करने की जरूरत है प्रत्येक माता.पिता यह अपेक्षा करते हैं कि उनका बच्चा अच्छी शिक्षा व संस्कार ग्रहण करें लेकिन संस्कारों की वास्तविक प्रयोगशाला तो घर एवं परिवार है ऐसे में अभिभावकों की भूमिका और अधिक बढ़ जाती है वैसे तो सभी शिक्षक विद्यार्थियों के प्रति समर्पित होते हैं लेकिन अभिभावकों का सहयोग मिलने से और अधिक श्रेष्ठ परिणाम मिल सकते हैं।

प्राचार्य अर्जुन राम पूनिया ने अभिभावकों को इस सत्र में महाविद्यालय के विकास के लिए किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से बताया साथ ही हाल ही में मुख्यमंत्री युवा कौशल योजना के अंतर्गत प्रारंभ किए गए अंग्रेजी बोलचाल एवं संवाद व लेखा एवं कर सहायक विषयों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी।

बैठक में अभिभावकों द्वारा दिए गए सुझावों को सूचीबद्ध किया गया साथ ही इन सुझावों को किस प्रकार क्रियान्वित किया जाए इसकी रूपरेखा भी तैयार की गई बैठक में विद्यार्थियों के अनुशासन, स्वच्छता व विश्वविद्यालय परीक्षा से पूर्व पाठ्यक्रम को पूरा करवाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में सह आचार्य उम्मेदसिंह इंदा, डा संजय माथुर, डा. राजकुमारी रूपचंदानी, सहायक आचार्य विजय अरोड़ा, मदनलाल, पिंकी खोईवाल, ओमप्रकाश व खगेन्द्र कुमार ने सहयोग प्रदान किया।

तश्तरी फेंक में खेताराम का चयन

बायतू, 3 जनवरी (निसं)। ग्राम पंचायत खारड़ा भारतसिंह निवासी खेताराम माचरा का कर्नाटक में आयोजित 80 वीं आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2019-20,राजीव गांधी विश्व विद्यालय मे अयोजित जिसमें जेआरएनआरवी विश्वविद्यालय उदयपुर की ओर से राज्य एथलेटिक्स टीम में तश्तरी फेंक प्रतियोगिता में राष्टीय स्तर पर चयन हुआ।खेताराम वर्तमान में बी.एड प्रथम वर्ष अध्ययनरत हैं तथा 2 से6 जनवरी के मध्य बंगलोर में राजस्थान राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अमेरिका के प्रवासी राजस्थानियों के बच्चों ने चुना शादी के लिए अपनी मातृभूमि व अपनी संस्कृति को

अमित-प्रियंका बंधे राजस्थानी रीति रिवाज के साथ विवाह बंधन में

■ दैनिक जलतेदीप, विशेष संवाददाता, जयपुर

सात समुंदर पार अमेरिका में जन्में प्रवासी राजस्थानियों के बच्चों ने अपने विवाह के लिए अपनी माटी और अपनी संस्कृति को चुना। ये दर्शाता है कि इन प्रवासी राजस्थानियों ने आज भी अपने बच्चों में वहीं संस्कार संजोय रखे हैं जो उन्हें अपनी मातृभूमि से हमेशा जोड़े रखते हैं। वे कितने भी आधुनिक और धनी क्यों न हो जाए। उनका मन इसी संस्कृति और रीति रिवाजों से यानि अपनी जमीन से हमेशा जुड़ा रहना चाहता है।

जोधपुर में जन्में, अमेरिका के ख्याति प्राप्त डॉ. अजय लोढ़ा जो कि अमेरिका में भारतीय डॉक्टर्स की एसोसिएशन आपी व राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका-राना के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं, उनकी धर्मपत्नि डॉ स्मिता लोढ़ा के पुत्र अमित लोढ़ा ने राना के ही एक कार्यक्रम में प्रियंका चौरड़िया से मिले। प्रियंका अमेरिका में ही प्रवासी राजस्थानी और सुप्रसिद्ध जैम्स व ज्वैलरी व्यवसायी संजय

चौरड़िया व प्रीति चौरड़िया की पुत्री है।

दोनों की मुलाकात आगे बढ़ी। दोस्ती हुई। फिर पेरेंट्स के आर्शीवाद व इच्छा के अनुरूप अपनी मातृभूमि राजस्थान आ कर शादी की। दोनों परिवारों को मिलाने व शादी में अहम भूमिका प्रवासी राजस्थानी कनक गोलिया सहित राना के पदाधिकारियों ने भी निभाई।

जयपुर में राजस्थानी रीति रिवाज से हुई शाही शादी

जयपुर के जेडब्ल्यू मैरियट में हुई इस शाही शादी में की राजस्थानी रीति रिवाज से मेहमानों का स्वागत हुआ। दुल्हा व दुल्हन सहित मेहमानों ने मेंहदी रचाई। राजस्थानी सूट, लेहंगे, कुर्ते पजामें व साफे से सतरंगी संस्कृति उभर आई। कई विदेशी राजस्थानी पोशाकों में नजर आये। शादी के एक दिन पहले महिला संगीत में भी पूरे परिवार ने जोश खरोश के साथ नृत्य में भाग लिया। भोजन में भी राजस्थानी हलवे, मालपुए, गुलाब जामुन सहित राजस्थानी सब्जियां व पकवान शामिल थे।

देश-विदेश से आये मेहमान

इस भव्य शादी में शामिल होने देश-विदेश से कई नामी हस्तियां जयपुर पहुंची। जयपुर फुट यूएसए के चेयरमैन प्रेम भंडारी, राना अमेरिका

के वर्तमान अध्यक्ष हरिदास कोटावाला, अमेरिका के सुप्रसिद्ध परफ्यूम व्यवसायी कनक गोलिया, सीपीए व होटल व्यवसायी के.के.मेहता, राना के कोषाध्यक्ष चंद्र सुखवाल, राना के कई पूर्व अध्यक्ष, सपत्नी मौजूद रहे। हास्य कवि व तारक मेहता फेम शैलेष लोढ़ा, पूर्व गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया, कई मंत्री, कई आईएएस, कई नामी डॉक्टर्स, व्यवसायी, उद्योगपति, ज्वैलर्स आदि भी शादी में शामिल हुए।

रिटर्निंग अधिकारियों व पीठासीन अधिकारियों का प्रथम प्रशिक्षण आज से

बाडमेर, 3 जनवरी (निसं)। पंचायत आम चुनाव 2020 के लिए नियुक्त रिटर्निंग अधिकारियों एवं पीठासीन अधिकारियों का प्रथम प्रशिक्षण 4 एवं 5 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी अंशदीप ने बताया कि पंचायत आम चुनाव के प्रथम चरण में नियुक्त रिटर्निंग अधिकारियों एवं पीठासीन अधिकारियों का प्रथम प्रशिक्षण 4 जनवरी एवं 5 जनवरी को प्रातः 9.30 से सायं 5.30 बजे तक राजकीय इंजिनियरिंग महाविद्यालय बाडमेर में आयोजित किया जाएगा, इसमें क्रमशः 740 एवं 820 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण लेंगे। उन्होने नियुक्त कार्मिकों को निर्धारित समय पर प्रशिक्षण स्थल पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

मुख्यमंत्री की प्रस्तावित यात्रा के तहत आवश्यक व्यवस्था के निर्देश

पाली, 3 जनवरी (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जिले में 5 जनवरी को गिरी की प्रस्तावित यात्रा को देखते हुए आदर्श आचार संहिता की पालना करते हुए अतिरिक्त जिला कलक्टर वीरेन्द्रसिंह चैधरी ने आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, भीड नियंत्रण, सामान की जांच, वाहन पार्किंग एवं प्रोटोकोल के अनुसार पुलिस व्यवस्था करने के साथ ही सार्वजनिक निर्माण को हैलीपेड, बेरिकेटिंग व्यवस्था, नगर पालिका को फायर ब्रिगेड की व्यवस्था के निर्देश दिए। विकास अधिकारी रायपुर को साफ-सफाई व्यवस्था, डिस्कॉम को निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने, जलदाय को पेयजल आपूर्ति, सीएमएचों को मेडिकल टीम, एम्बुलेंस एवं दवाईयों की व्यवस्था एवं खाद्य पदार्थों की जांच की व्यवस्था के निर्देश दिए है।

गुरू के गुण का गुणानुवाद जीवन के दुर्गुण दूर करते हैं : मुनि चारित्ररत्न विजय

भीनमाल, 3 जनवरी (निसं)। गुजरात के पाटण नगर में सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ पाटण द्वारा चारित्र रत्न विजय म.सा एवं मुनिराज निपुण रत्न विजय म.सा आदि ठाणा की पावन निश्रा में विश्व पूज्य गुरुदेव राजेन्द्र सूरीश्वरजी म.सा की 193 वीं जन्म तिथि एवं 113 वीं पूण्य तिथि पर गुरु सप्तमी महोत्सव आयोजन त्रिस्तुतिक जैन उपाश्रय के राज राजेन्द्र जयन्तसेन सूरि ज्ञान मंदिर में आयोजित किया गया। इस प्रसंग पर गुणानुवाद करते हुए मुनिराज ने कहा कि गुरू जीवन के अज्ञान को दूर कर ज्ञान का प्रकाश करते हैं। गुरू के गुणों का गुणानुवाद करने से अपने दुर्गुण दुर होते हैं। भगवान महावीर स्वामी ने जैसे रत्नत्रयी प्ररूपित की, वैसे ही देव-गुरु और धर्म स्वरूप तत्वत्रयी भी प्रकाशित की। स्थूल द्रष्टि से देखे तो इसमें जो प्ररूरक है वह देवतत्व, जो प्ररूपित है वह धर्मतत्व एवं जो इन दौनों का सम्यग् बोध करवाकर मोक्षमार्ग में प्रवृत करें वह गुरूतत्व। गुरूतत्व की गरिमा इस बात से स्पष्ट होती है कि गणधरों द्वारा रचित आवश्यक सूत्रों में पंचपरमेष्ठी नमस्कार सूत्र के तुरन्त बाद गुरु की पहचान कराने वाले सूत्र को रखा गया क्योंकि इस कलिकाल में भव्यजीवों में सम्यग् ज्ञान द्वारा सम्यकत्व का बीजारोपण, देव-धर्म की पहचान और प्रवृतिकारक गुरूतत्व ही है। सभा में राजेंद्र सूरीश्वर महाराज के जीवन में किये शासन प्रभावना के कार्य एवं विशेष रूप से अभिधान राजेंद्र कोष पर गुणानुवाद किया गया। अनेक गुरु भक्तों ने भी गुरुदेव के उपकार को याद कर गुणानुवाद किये। गुणानुवाद सभा में पाटण मूर्तिपूजक संघ के विभिन्न समुदायों एवं तेरापंथ ओर स्थानक वासी समुदाय के श्रावक श्राविकाओं की विशाल संख्या में उपस्थित रहे। पाटण नगर में प्रथम बार शायद ऐसा हुआ होगा कि किसी गुरू के गुणानुवाद इतने समुदाय की उपस्थिति रही हो। मीडिया प्रभारी माणकमल भंडारी ने बताया कि गुरू सप्तमी महोत्सव में गुरुपद पूजन, आयंबिल तप एवं गुणानुवाद सभा सहित संपुर्ण गुरू सप्तमी का लाभ जोधपुर निवासी कनकराज हंजारीमल परिवार चैन्नई ने लिया। गुरू सप्तमी के पावन प्रसंग पर भारत के विभिन्न नगरो से विशाल संख्या में श्रावक श्राविका उपस्थिति रहे।

स्पोर्ट्स अकादमी का उद्घाटन, सर्व समाज नववर्ष स्नेह मिलन में गहलोत का स्वागत तथा केएन हॉल छात्र संघ कार्यालय का शुभारंभ। जलतेदीप

सरकार प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने में पीछे नहीं : गहलोत

सरदार स्पोर्ट्स एकेडमी का उद्घाटन व ओसवाल महिला छात्रावास का भूमि पूजन

जोधपुर, 3 जनवरी (कासं)। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को यहां ओसवाल महिला छात्रावास का भूमि पूजन तथा सरदार स्पोर्ट्स एकेडमी का उदघाटन किया।

मुख्यमंत्री ने उद्घाटन समारोह में खेलों की महत्ता बताते हुए कहा कि छात्र जीवन से ही खेलों की ओर विद्यार्थियों का रूझान बढ़ाकर हम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि एक उद्यमी एक खेल को गोद लेकर प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के राज्य सरकार के प्रयासों में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए कृत संकल्पित है। पहली बार राज्य खेलों की शुरूआत हुई है। खिलाड़ियों के लिए हर जिले में प्रतिभा खोज शिविर लगाए जाएंगे।

श्री गहलोत ने कहा कि महावीर कॉम्प्लेक्स की भूमि से मेरे बचपन की गहन यादें जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जीयो और जीने दो के सिद्धांत को अपनाते हुए ही जीवन जीना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में हमारे संविधान की विशेषता अनेकता में एकता की बात भी कही।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गीत से हुआ। ओसवाल सिंह सभा के अध्यक्ष केएन भंडारी ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि छात्रावास में 200 महिलाओं के रहने की व्यवस्था जाएगी। साथ ही सरदार स्पोर्ट्स एकेडमी में 22 विभिन्न खेलों के साथ स्विमिंग पूल की सुविधा भी विकसित की गई है।

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री भंवर सिंह भाटी, विधायक मनीषा पंवार, किसनाराम विश्नोई, हीराराम मेघवाल, महेन्द्रसिंह विश्नोई, जेडीए के पूर्व चेयरमेन राजेन्द्रसिंह सोलंकी सहित ओसवाल सिंह सभा समिति के प्रदीप गांग, गौतम सांड, घेवरचंद कानूनगो, चंपालाल धारीवाल सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

7.77 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण : मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गणेश मंदिर परिसर स्थित तालाब के सौन्दर्यकरण, म्यूजिकल फाउंटेन, विकसित उद्यान तथा पार्किंग निर्माण आदि कार्यों का लोकार्पण किया। जोधपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त मेघराज रतनू ने बताया कि रातानाड़ा गणेश मन्दिर परिसर स्थित तालाब के सौन्दर्यकरण, तालाब में म्यूजिकल फाउंटेन लगाने, उद्यान विकसित करने, पार्किंग निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों में लगभग 568 लाख व्यय किए गए है। प्राधिकरण द्वारा ही लगभग 58 लाख रुपए की लागत से गौशाला मैदान पर हाइड्रोथैरेपी पुल का निर्माण कार्य, 34 लाख की लागत से जेडीए चौराहें का विकास एवं सौन्दर्यकरण का कार्य, रूपए 42 लाख की लागत से सूचना केन्द्र में कॉन्फ्रेन्स रूम व प्रथम तल पर आर्ट गैलेरी में सिविल व विद्युतीकरण का कार्य, 37 लाख की राशि से मथुरादास माथुर चौराहें के विकास एवं सौन्दर्यकरण कार्यों का लोकार्पण मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। प्राधिकरण द्वारा राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार 25.53 करोड़ रुपए के विकास कार्य करवाए जा रहे है। इसके तहत अमृत योजना ग्रीन स्पेस के अन्तर्गत उम्मेद उद्यान का विकास कार्य, मानसागर पार्क में म्यूजिकल फाउंटेन, विभिन्न स्थानों पर सड़कों का निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण, सौन्दर्यकरण, विभिन्न स्थानों पर रखरखाव व मरम्मत कार्य, सीवरेज, सार्वजनिक पथ प्रकाश व्यवस्था सहित लगभग 25 करोड 53 लाख के विभिन्न विकास कार्यों का विवरण प्राधिकरण द्वारा सभा में प्रदर्शित किया जाएगा।

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन

असहमति का भी सम्मान हो तभी सशक्त होगा लोकतंत्र

जोधपुर, 3 जनवरी (कासं)। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा है कि लोकतंत्र में जिंदाबाद और मुर्दाबाद दोनों साथ चलते हैं। जो दोनों को सहन करने की क्षमता रखते हैं वे ही लोकतंत्र के सच्चे सिपाही हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का सम्मान किया जाना चाहिए न कि बदले की भावना से कार्रवाई। उन्होंने कहा कि कई बार मांगे वाजिब नहीं होती लेकिन संवाद और समझाइश से हल निकल आता है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के छात्रसंघ कार्यालय के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार की स्वस्थ आलोचना करना देशद्रोह नहीं होता बल्कि हमें सकारात्मक सोच के साथ उसे स्वीकार करना चाहिए। इसी से लोकतंत्र सशक्त होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तीकरण के बिना देश सशक्त नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी महिला सशक्तीकरण के प्रबल समर्थक थे। श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री के रूप में देश का मान बढाया। उन्होंने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर हुए 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन से महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित हुई।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में महात्मा गांधी ई-लाइब्रेरी के लिए 5 लाख रूपये तथा छात्रावास में 16 और कमरे बनवाने के लिए 87 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सूरत में आयोजित वेस्ट जोन वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की छात्रसंघ अध्यक्ष प्रियंका सिंह नरूका एवं अम्बिका रतनू को सम्मानित किया। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री भंवरसिंह भाटी ने कहा कि राज्य सरकार बालिका शिक्षा को लेकर संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बजट में एक साथ 50 महाविद्यालय खोलने की घोषणा की है। साथ ही शिक्षा को रोजगारोन्मुखी बनाने के लिए राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम के साथ एमओयू कर 49 तरह के कोर्स प्रारम्भ किए गए हैं। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति डा. बीआर चौधरी ने स्वागत उद्बोधन दिया। समारोह में विधायक मनीषा पंवार, महेन्द्र विश्नोई, मीना कंवर, किशनाराम विश्नोई, हीराराम मेघवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं छात्राएं उपस्थित थीं।

जोधपुर से लिया जनसेवा का पहला अनुभव प्रदेश के काम आ रहा है : मुख्यमंत्री

सर्व समाज की ओर से धन्यवाद सभा

जोधपुर, 3 जनवरी (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जोधपुर की गलियों में घूम-घूमकर जनसेवा का जो पहला अनुभव मैंने हासिल किया, वह प्रदेश के लोगों के लिए काम आ रहा है। मेरा एकमात्र उद्देश्य राजस्थान की जनता की सेवा करना ही है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर जो योजनाएं और कार्यक्रम हमारी सरकार ने शुरू किए हैं, वे बेमिसाल हैं।

श्री गहलोत शुक्रवार को जोधपुर के मारवाड़ राजपूत सभा भवन में सर्व समाज स्नेह मिलन समारोह तथा ईडब्ल्यूएस आरक्षण के सरलीकरण के लिए आयोजित धन्यवाद सभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब व्यक्ति किसी भी समाज में हो सकता है। उसे भी अधिकार है कि सरकार उसे सामाजिक सुरक्षा दे। ईडब्ल्यूएस आरक्षण का सरलीकरण इसी मंशा के साथ किया गया फैसला था। यह एक ऐसा निर्णय था, जिससे मुझे आत्मिक संतोष मिला है और सभी वर्गों ने आभार व्यक्त कर सरकार के इस फैसले पर मुहर लगाई है। चाहे सामाजिक सुरक्षा की पेंशन योजना हो या निःशुल्क दवा एवं जांच योजना। आमजन के हित के लिए हमारी सरकार ने हमेशा फैसले लिए हैं।

श्री गहलोत ने कहा कि पारदर्शिता के लिए राजस्थान सूचना का अधिकार लागू करने वाला पहला राज्य था। इस तरह के फैसले करने के पीछे मेरी कलम में ताकत जमीन से जुड़े रहने के लंबे अनुभव के कारण आ पाई है। मैं जोधपुर से 5 बार सांसद, 3 बार केन्द्रीय मंत्री और अब तीसरी बार मुख्यमंत्री बना हूं। अनेक पदों की जिम्मेदारी के बाद जो अनुभव मैंने प्राप्त किए उसी के कारण मैं अपनी जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में हर क्षेत्र की चुनौतियां अलग-अलग है। मेवाड, मारवाड़ हो या ढूंढाड हो पर मूल समस्या को समझकर मानव मात्र की सेवा करना ही हमारा प्रमुख कर्तव्य है। हमने मूलभूत जरूरतों पानी, बिजली व स्वास्थ्य सभी क्षेत्रों में कार्य किया है। उन्होंने जोधपुर के चहुंमुखी विकास की चर्चा करते हुए कहा कि यहां आईआईटी, एनएलयू, पुलिस विश्वविद्यालय, आयुर्वेद विश्वविद्यालय, निफ्ट, एफ्डीडीआई व एम्स जैसी संस्थाएं स्थापित हुई हैं, जिससे पूरे देश में जोधपुर का गौरव बढ़ा है। मुख्यमंत्री का इस अवसर पर 51-51 किलो की माला पहनाकर विभिन्न समाज एवं संगठनों की ओर से अभिनंदन किया गया। समारोह में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री भंवरसिंह भाटी, विधायक मनीषा पंवार, विधायक हीरालाल मेघवाल, विधायक महेन्द्र विश्नोई, विधायक मीना कंवर, विधायक किसनाराम विश्नोई, पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मारवाड़ राजपूत समाज के अध्यक्ष हनुमानसिंह खांगटा ने आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री आज 10 हजार दिव्यांगों को वितरित करेंगे अंग उपकरण

जोधपुर, 3 जनवरी (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 4 जनवरी को दोपहर साढ़े बारह बजे उम्मेद राजकीय स्टेडियम में लगभग 10 हजार दिव्यांगजनों को अंग उपकरण वितरित करेंगे।

एडीएम प्रथम मदनलाल नेहरा ने बताया कि जिला प्रशासन व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के माध्यम से होने वाले इस कार्यक्रम में राज्य सरकार द्वारा स्थानीय विधयक कोष व सीएसआर मद से लगभग 3.50 करोड़ रूपये की राशि द्वारा दिव्यांगजनों के लिए उपकरण व्यवस्था की गई है जिसमें विधायक मनीषा पंवार व मीना कंवर की अभिशंषा से 25-25 लाख रुपए, विधायक दिव्या मदेरणा, महेन्द्र विश्नोई, हीराराम मेघवाल व किशनाराम विश्नोई की अभिशंषा से 20-20 लाख रुपए की राशि के साथ अन्य संस्थाओं के सहयोग से लगभग 3 करोड 50 लाख रुपए की राशि द्वारा क्रय उपकरण वितरित किए जाएंगे। इसमें लोको मोटर दिव्यांगों के लिए 300 मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, 250 व्हील चेयर्स, 100 रोलकेयर, 300 ट्राईसाइकिल 250 नी ब्रेसकीट वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि श्रवण बाधितों के लिए एक हजार श्रवण यंत्र, लेप्रोसी से ग्रसित दिव्यांगों के लिए 500 एडीएल किट्स, एमआर दिव्यांगों के लिए 100 व्हील चेयर व 50 मल्टी सेन्सरींग इन्क्लूसिव एज्यूकेशन किट दृष्टि बाधितों के लिए स्मार्ट फोन के साथ वरिष्ठ नागरिकों के लिए 1500 चश्मे, 2650 छड़ी व 1200 ट्राइपोडस वितरित कर लाभान्वित किया जाएगा। साथ ही जिन निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव कार्यक्रम है उन निर्वाचन क्षेत्रों के लाभार्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया के बाद उपकरण वितरित किए जाएंगे।

शीतलाष्टमी व बाबा रामदेव मेले पर दो स्थानीय अवकाश घोषित

जोधपुर, 3 जनवरी (कासं)। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट प्रकाश राजपुरोहित ने एक आदेश जारी कर जोधपुर जिले में इस वर्ष शीतलाष्टमी एवं बाबा रामदेव मेला (मसूरिया) के दो स्थानीय सार्वजनिक अवकाश घोषित किए है। आदेश के तहत जिले में 16 मार्च को शीतलाष्टमी तथा 20 अगस्त गुरूवार बाबा रामदेव मेला का स्थानीय सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

मामाजी का थान क्षेत्र में वृद्ध का शव मिला, हत्या का संदेह

जोधपुर, 3 जनवरी (कासं)। निकटवर्ती बोरानाडा स्थित मामाजी का थान के पास गुरुवार रात को एक वृद्ध का शव मिला। वह शाम को अपने घर से पंछियों को चुग्गा डालने निकला था। उसके शरीर पर चोटों के निशान मिले है। साथ ही मौके पर शराब पार्टी का संदेह है। बोरानाडा पुलिस इस बारे में अनुसंधान में जुटी है।

बोरानाडा थानाधिकारी सुनील चारण ने बताया कि भील बस्ती बोरानाडा निवासी बुधाराम (70) पुत्र गोरखाराम भील गुरुवार शाम को अपने घर से पंछियों को चुग्गा डालने निकला था। रात को सूचना मिली कि बोरानाडा स्थित मामाजी का थान खेतानाडी के समीप एक शव पड़ा है। इस पर पुलिस वहां पहुंची। तब उसकी पहचान बुधाराम भील के रूप में उसके पुत्र चुतराराम ने की। थानाधिकारी चारण के अनुसार शरीर पर चोटों के निशान मिले है।

मौके पर शराब पार्टी के आलामात मिले है। हो सकता है छह सात लोगों ने मिलकर यह पार्टी की है। हत्या की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। फिलहाल तफ्तीश की जा रही है।

केंद्रीय कर्मचारी 8 को हड़ताल पर

जोधपुर, 2 जनवरी (कासं)। राष्ट्रीय अभियान समिति के अध्यक्ष विजय मेहता तथा संयोजक मनोजकुमार परिहार ने बताया कि सरकार की कथित मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ मे 8 जनवरी को जालोरी गेट स्थित तात स्मारक से कर्मचारियों व श्रमिकों का संयुक्त जुलूस निकाला जाएगा। जो प्रात 10.30 बजे रवाना होगा। तैयारियां जोरों से चल रही है। उन्होंने बताया कि 8 जनवरी को बैंकों के अलावा केंद्रीय सरकार के अधिकांश कार्यालय में कर्मचारियों की हड़ताल रहेगी।

नैत्र चिकित्सा जांच शिविर संपन्न

जोधपुर, 2 जनवरी (कासं)। परमार्थ रिलीफ सोसायटी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा अंधता निवारण समिति के सहयोग से तथा भंवरलाल शांतिलाल श्रीश्री श्रीमाल चैन्नई के सौजन्य से आयोजित निशुल्क नैत्र चिकित्सा शिविर में 127 रोगियों के आंखों की जांच की गई। साथ ही ऑपरेशन योग्य 34 रोगियों का मोतियाबिंद ऑपरेशन लैंस प्रत्यारोपण मिश्रीमल बाफना परमार्थ अस्पताल में डॉ प्रज्ञा जैन व डॉ प्रदीप भटट द्वारा किए गए। शिविर में डॉ एनएम सुराणा, डॉ सुनील अरोड़ा, किशोर सुराणा, पुरूषोत्तमल सिंघवी, रामप्रसाद सिंघल, व तुलसीराम पंवार द्वारा मरीजों को दवाईयां व चश्में प्रदान किए गए।

क्रिकेट प्रतियोगिता छह से

जोधपुर, 3 जनवरी (कासं)। सिंधी सारस्वत समाज की दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 6 जनवरी से होगा।

आयोजन कमेटी के बीडी शर्मा ने बताया कि पंडित हीरानंद लोकुराम ट्रस्ट जोधपुर के तत्वावधान में होने वाली यह प्रतियोगिता वीरू क्रिकेट अकेडमी क्रिकेट ग्राउंड पाल सांगरिया रोड पर खेली जाएगी। उन्होंने बताया कि इसमें 10 टीमें हिस्सा लेंगी। देश के विभिन्न शहरों से खिलाड़ी अपना प्रदर्शन दिखाएंगे। वड़ोदरा, वेरावल, जयपुर, अजमेर, जूनागढ़, जेतपुर, कच्छ सहित कई शहरों के युवाओं को मौका मिलेगा। सभी मैच दिन के सत्र में होंगे। मैच के मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के रिटायर्ड न्यायाधीश गोपाल कृष्ण व्यास होंगे।

व्याख्याता भर्ती परीक्षा शुरू

जोधपुर, 3 जनवरी (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से व्याख्याता भर्ती परीक्षा शुक्रवार से शुरू हुई। परीक्षा 13 जनवरी तक चलेगी। पहले दिन आज सुबह की पारी में सामान्य ज्ञान का पेपर हुआ। परीक्षा के लिए जोधपुर में 64 केंद्र बनाए गए है। इसमें भी आधे अभ्यर्थी ही परीक्षा देने आए। परीक्षार्थियों की संख्या कम रहने का कारण दूसरे जिलों में परीक्षा केन्द्र आना और तेज सर्दी बताया जा रहा है। बता दे कि व्याख्याता भर्ती परीक्षा के लिए करीब 6 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। पहली बार इस परीक्षा के केन्द्र दूसरे संभाग में आए हैं। करीब 300 से 400 किलोमीटर दूर परीक्षा केन्द्र आने से परीक्षार्थी परेशान दिखाई दिए। कई विद्यार्थी तो ऐसे हैं, जिनकी परीक्षा में एक से दो दिन का गैप है। आज पहले दिन ही अभ्यर्थियों की संख्या परीक्षा में कम रहने का प्रमुख कारण दूसरे जिलों में परीक्षा केन्द्र आना रहा, इसकी वजह से बहुत सी महिला अभ्यर्थी तो परीक्षा देने ही नहीं आई। अभ्यर्थी गृह जिले में ही परीक्षा केन्द्र देने की राजस्थान लोक सेवा आयोग से मांग करते रहे। इसके साथ ही तेज सर्दी और भर्ती को लेकर पिछले एक महीने से चल रहा आंदोलन भी एक कारण रहा। आंदोलन परीक्षा से ठीक एक दिन पहले ही समाप्त हुआ। अभ्यर्थियों को अंत तक परीक्षा की तिथि बढ़ने की उम्मीद थी।

तीन ग्रुप में होगी परीक्षा : परीक्षा तीन ग्रुप में होगी। ग्रुप ए की परीक्षा आज हुई। साथ ही 4 जनवरी को भी होगी। आज सुबह की पारी में सामान्य ज्ञान का पेपर और दोपहर की पारी में हिंदी का पेपर हुआ। चार जनवरी को सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक संस्कृत विषय का और दूसरी पारी में दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक राजस्थानी का पेपर होगा। ग्रुप बी की परीक्षा 6 से 8 जनवरी तक होगी। पहले दिन 6 जनवरी को सुबह 9 से 10.30 बजे तक सामान्य ज्ञान का पेपर होगा। इसी दिन दोपहर दूसरी पारी में राजनीति विज्ञान का पेपर होगा। सात जनवरी को पहली पारी में भूगोल और म्यूजिक का पेपर होगा, दूसरी पारी में बायोलॉजी का पेपर होगा। आठ जनवरी को पहली पारी में अर्थशास्त्र का तथा दूसरी पारी में लोक प्रशासन और फिजिक्स का पेपर होगा। ग्रुप सी की परीक्षा 9 से 13 जनवरी तक होगी। नौ जनवरी को पहली पारी में जीके का पेपर और दूसरी पारी में इतिहास का पेपर होगा। 10 जनवरी को पहली पारी में अंग्रेजी का पेपर होगा, दूसरी पारी में कॉमर्स और एग्रीकल्चर के पेपर होंगे। 11 जनवरी को सुबह केमिस्ट्री का पेपर होगा और दूसरी पारी में सोशियोलॉजी का पेपर होगा। 12 जनवरी को पहली पारी में गणित और दूसरी में होम साइंस का पेपर होगा।

जवानों को बताए तनाव कम करने के टिप्स

जोधपुर, 3 जनवरी (कासं)। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पालड़ी खिंचियान स्थित नवआरक्षी प्रशिक्षण केन्द्र के प्रांगण में ब्रह्मकुमारी संस्था ने ध्यान द्वारा तनाव कम करने व आंतरिक शक्ति को बढ़ाने सम्बन्धी कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में पुलिस उप महानिरीक्षक/प्राचार्य महेन्द्र कुमार व अन्य अधिकारी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रह्मकुमारी संस्था की कर्त्तव्यनिष्ठ सदस्य बीके कमलेश द्वारा की गई। साथ ही संस्था के सदस्यों बीके मीनू, बीके सुशीला तथा बीके रामस्वरुप द्वारा कार्यक्रम को विस्तार दिया गया। इसमें लॉ एंड ऑर्डर रिफ्रेशर कोर्स के प्रशिक्षार्थी, नवआरक्षी प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षकों सहित कुल तीन सौ सदस्यों ने भाग लेकर ज्ञान व लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम में ब्रह्मकुमारी संस्था के सदस्यों द्वारा आत्मसशक्तिकरण, आपसी समरसता एवं एकता पर प्रकाश डाला गया। साथ ही बताया कि मानव को अपने आध्यात्मिक अस्तिव की पहचान को सुनिश्चित करना चाहिए व मानव होने के नाते अपनी आंतरिक अच्छाई, सभ्यता और महत्व को समझना चाहिए। ब्रह्मकुमारी के सदस्यों ने ध्यान (मेडिटेसन) द्वारा तनाव का उन्मूलन कर आंतरिक शक्ति को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में महेन्द्र कुमार ने ब्रह्मकुमारी संस्था के सदस्यों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी बल के कार्मिकों के लिए इस प्रकार के लाभकारी कार्यक्रमों का आयोजन करने का आग्रह किया। अन्त में ब्रह्मकुमारी संस्था की सदस्या बीके कमलेश द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया।

विभिन्न क्षेत्रों में जलापूर्ति बाधित रहेगी

जोधपुर, 3 जनवरी (कासं)। 6 जनवरी की रात्रि 12 बजे से 7 जनवरी की रात्रि 12 बजे तक चौपासनी फिल्टर हाउस एवं 7 जनवरी को प्रातः 8:00 बजे से 8 जनवरी की प्रातः 8 बजे तक झालामण्ड फिल्टर हाउस पर अति आवश्यक रखरखाव एव सफाई के कारण दोनो फिल्टर प्लान्टों से जुडे विभिन्न जोन एवं क्षेत्रों में जलापूर्ति बाधित एवं कम दबाव से होगी एवं 7 जनवरी को की जाने वाली सप्लाई 8 को एवं 8 को की जाने वाली जलापूर्ति 9 जनवरी को की जायेगी

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग नगर खण्ड तृतीय के अधिशाषी अभियंता सुनिल दत्त हर्ष ने बताया कि इससे ज्यूडिश्यिल एकेडमी हाईकोर्ट, सांगरिया फाटा क्षैत्र, जाटो की ढाणी के उच्च जलाशय से जुडे क्षेत्र रिको कृष्णा नगर, करणी नगर, मीरा नगर, झालामण्ड क्षेत्र के आस-पास के क्षेत्र, कुडी भगतासनी सैक्टर 1 से 9 से संबधित क्षेत्र, जनता कॉलोनी, रामेश्वर नगर मधुबन सरस्वती नगर, गंगा विहार, के.के.कॉलोनी, भगत की कोठी, रातानाडा पम्पिग स्टेश्न से जलापूर्ति होने वाले सभी क्षेत्र, रातानाडा पम्पिग स्टेशन से जलापूर्ति होने वाले सभी क्षेत्र, शिव मंदिर एस.आर, कमला नेहरू नगर जीएसआर सुथला जीएसआर से संबधित क्षेत्र, कमला नेहरू नगर सैक्टर ए,बी,सी,डी, एवं विस्तार, डिफेंस कॉलोनी, चांदणा भाखर, ज्योति नगर, राजीव गांधी कॉलोनी, सुथला, ज्वाला विहार, हिंगलाज नगर, डीआईजी फिरोजखां कॉलोनी, जोशी कॉलोनी, शिव कॉलोनी, हुडको क्वार्टर, गुरो का तालाब का कुछ क्षेत्र, चौपासनी फिल्टर हाउस से जुडे क्षेत्र, महावीर पुरम, शिक्षक कॉलोनी, पठानकोट, विजयनगर, चौपासनी हाउसिग बोर्ड सेक्टर 1 से 25, देवनगर, भटटी की बावडी, देवनगर चौकी से संबधित क्षेत्र, शास्त्री नगर समस्त सेक्टर, न्यू पॉवर हाउस रोड, हैवी इण्डस्ट्रीयल एरिया, हडडी मिल, मिल्कमैन कॉलोनी, सुभाष नगर, खेमे का कुआं, बासनी II फेस, पालरोड के आसपास का सम्पूर्ण क्षेत्र, डीपीएस चौराया, कनिष्का, आशापुर्णा, एम्स रोड कॉलोनियां रतन नगर, रूपरजत, रविनगर, कृष्णा नगर एसआर से जुडी कॉलोनियां वैष्णव नगर, शंकर नगर, पीएफआफिस के क्षेत्रों में जलापूर्ति बाधित एवं कम दबाव से की जाएगी।

राज्य खेल-2020 के लिए 107 खिलाड़ी रवाना

जोधपुर, 3 जनवरी (कासं)। राज्य सरकार एवं राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर में 6 जनवरी तक आयोजित हो रहे राज्य खेल 2020 में जोधपुर जिले के 107 खिलाड़ी दूसरे चरण में भाग लेने के लिए शुक्रवार को बस द्वारा जयपुर के लिए रवाना हुए ।

जिला खेल अधिकारी गोविन्दसिंह परिहार ने बताया कि जोधपुर के खिलाड़ी तीरंदाजी, टेनिस, तैराकी, बॉक्सिंग, एथलेटिक, बैडमिंटन, भारोतोलन, कुश्ती, जूड़ो (महिला एवं पुरूष) खेलों में भाग लेंगे। इन टीमों के साथ विष्णु कच्छवाहा, सुशीला चौधरी, रामकरण, वीणा चौहान एवं जयश्री चांगरा टीम मैनेजर होंगे।

जोधपुर क्वान किडो टीम जयपुर रवाना

जोधपुर, 3 जनवरी (कासं)। राज्य स्तरीय सब-जूनियर, जूनियर, व सीनियर क्वान-किडो प्रतियोगिता के लिए जोधपुर जिला संघ के तत्वावधान में जयपुर के लिए रवाना हुई। संघ के सचिव मोहम्मद आसिफ मोयल ने बताया कि टीम जयपुर में 4 व 5 जनवरी को होने वाली राजस्थान राज्य सब-जूनियर, जूनियर व सीनियर क्वान-किडो प्रतियोगिता में भाग लेगी। बालक वर्ग में विष्णु प्रजापत, अर्जुन सिंह भाटी, भाग्य भारद्धाज, अब्दुलाह अनस, रागव दुग्गर और बालिका वर्ग में निवेदी व मनीषा है। कोच अब्दुल वाजीद है।

फोटो प्रतियोगिता के परिणाम आज

जोधपुर, 3 जनवरी (कासं)। जोधाणा फोटो जर्नलिस्ट सोसायटी की ओर से प्रथम पीयूष स्मृति निःशुल्क राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता का निर्णय सोसायटी कार्यालय में शनिवार को होगा। सैलून सचिव मनीष व्यास ने बताया कि कलर, नेचर व ब्लैक एंड व्हाइट तीन वर्गो में आयोजित इस प्रतियोगिता के लिए 232 प्रतिभागियों के करीब ढाई हजार चित्र प्राप्त हुए है। प्रतियोगिता के निर्णायक इन्दौर के सुधीर सक्सेना, जोधपुर के शिवजी जोशी एवं मनोज बोहरा होंगे। चयनित व अवार्ड प्राप्त छायाचित्रों की 15 जनवरी को प्रदर्शनी लगाई जाएगी। पुरोहित की पुण्यतिथि पर जोधाणा फोटो जर्नलिस्ट सोसायटी, मारवाड़ सोशियल मीडिया के कार्यकर्ता, उनके परिजन व मित्रों ने पुरोहित के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी एवं जब्बरनाथ गौशाला में गौसेवा की।

व्यापार विस्तार पर सेमिनार कल

जोधपुर, 3 जनवरी (कासं)। विप्र चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज जोधपुर चैप्टर के तत्वावधान में 5 जनवरी को परंपरागत व्यापार एवं उद्योग के विस्तार के लिए नए रास्ते विषय पर सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। वीसीसीआई जोधपुर चैप्टर के अध्यक्ष नवीन जोशी तथा महासचिव कैलाश ओझा ने बताया कि यूनिकॉर्न इंडिया के संस्थापक, मैनेजिंग डायरेक्टर तथा देश के प्रसिद्ध स्टार्टअप इन्वेस्टर और मोटिवेशन एक्सपर्ट अनिल जोशी सेमिनार में शहर के युवाओं को परंपरागत व्यापार एवं उद्योग के विकास एवं विस्तार के नए रास्तों के बारे में टिप्पस देंगे। कार्यक्रम के दौरान युवा स्टार्टअप अपने आईडियाज के बारे में एक्सपर्ट अनिल जोशी से रूबरू बात कर उनका मार्गदर्शन भी प्राप्त कर सकेंगे। महावीर कॉम्पलेक्स के पास स्थित होटल सिक्ससेंस में आयोजित होने वाले इस एक दिवसीय सेमिनार में जोधपुर के नए युवा स्टार्टअप तथा परंपरागत व्यापार-व्यवसाय में संलग्न उद्यमी हिस्सा लेंगे।

दैनिक
जलते दीप

जयपुर, शनिवार 4 जनवरी 2020

नए साल के बच्चे

दुनिया के दूसरे कई समाजों की तरह भारत में भी यही माना जाता है कि किसी परिवार के लिए सबसे अच्छी खबर वह होती है, जब वहां संतान जन्म लेती है। इस लिहाज से देखें, तो 1 जनवरी को देश के जिन 67,385 परिवारों में किलकारी गूंजी, उनके लिए नया साल एक नई खुशी लेकर आया होगा। बेशक, इसने उन्हें नई जिम्मेदारियों का एहसास भी कराया होगा। लेकिन उन सब परिवारों की निजी खुशी से निकला यह संयुक्त आंकड़ा जब एक देश के रूप में हमारे सामने आता है, तो एक अलग ही कहानी बनती है। यूनीसेफ ने 1 जनवरी को जन्म लेने वाले बच्चों के जो आंकड़े जारी किए हैं, उनकी सबसे खास बात यह है कि उस दिन सबसे ज्यादा बच्चों ने भारत में ही जन्म लिया। चीन का नंबर दूसरा है, लेकिन इस मामले में वह भारत से पीछे ही नहीं, बहुत पीछे रह गया। हर उपलब्धि गर्व करने लायक नहीं होती। इतने पीछे चले जाने पर हो सकता है, चीन जरूर गर्व कर रहा हो। चीन की आबादी अभी भी भारत से अधिक है, लेकिन वह आबादी में वृद्धि की दर को भारत से लगभग आधा नीचे लाने में कामयाब रहा है। अगर हम दोनों देशों की आबादी में वृद्धि दर के ग्राफ को देखें, तो चीन की सफलता को आसानी से समझा जा सकता है। अगर हम 1970 के दशक से थोड़ा पहले देखें, तो चीन की जनसंख्या वृद्धि दर तीन फीसदी के आसपास पहुंच गई थी, जबकि भारत की वृद्धि दर दो फीसदी से कुछ ऊपर थी। लेकिन पिछली लगभग आधी सदी में चीन ने जनसंख्या वृद्धि दर को नियंत्रित करते हुए 0.6 फीसदी तक पहुंचा दिया, जबकि भारत के मामले में यह दर 1.1 फीसदी के आस-पास ही टिकी हुई है। दुनिया भर में हुए आबादी के अध्ययन बताते हैं कि हर समाज में जनसंख्या के बढ़ने का एक पैटर्न होता है। आबादी का ग्राफ एक समय तक लगातार उठने के बाद गिरना शुरू कर देता है। इस समय भारत और चीन, दोनों की ही आबादी गिरावट वाले दौर में है। फर्क इतना है कि भारत की जनसंख्या में यह गिरावट आबादी के गणित के हिसाब से हो रही है, इसलिए सुस्त और धीमी है, जबकि चीन में यह गिरावट के प्राकृतिक गणित को मात दे रही है, क्योंकि इसमें चीन की सरकारों के सघन प्रयास भी अपना असर डाल रहे हैं। इसे दूसरे शब्दों में कहा जाए, तो आबादी नियंत्रण के मामले में जहां चीन कामयाब रहा है, भारत की नाकामी उसे मुंह चिढ़ा रही है। यूनीसेफ ने जो आंकड़ा दिया है, वह एक दिन का है। इसे अगर हम औसत मान लें, तो इस साल देश में दो करोड़ 45 लाख बच्चे पैदा होंगे। यानी करीब ऑस्ट्रेलिया की कुलजमा आबादी के जितने। यह मामला सिर्फ करोड़ों बच्चों के जन्म का ही नहीं है, यह उनके लिए जरूरी संसाधन जुटाने की चुनौती का भी है।

स्टेट गेम्स 2020

यह उत्साहजनक है कि प्रदेश में आजादी के बाद पहली बार राज्य खेलों का आयोजन किया जा रहा है। चार दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में राज्य के कोने कोने से करीब 8 हजार खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक भाग ले रहे हैं। इस स्टेट गेम्स 2020 के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों का आधारभूत ढांचा तैयार करने और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने में कोई कमी नहीं रखेगी। राज्य में स्पोर्टस कल्चर को बढावा देने के लिए सभी प्रयास किये जाएंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री गहलोत ने औद्योगिक घरानों का आहवान किया कि वे आगे बढकर किसी एक खेल को गोद लें और प्रदेश में उसके लिए सुविधाएं विकसित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने में सहयोग करें। इसमें कोई संदेह नहीं कि इस तरह के आयोजन की शुरूआत करके राज्य सरकार ने खेलों की ओर उचित और अपेक्षित ध्यान देने का काम किया है। और इस तरह के आयोजन के माध्यम से प्रदेश में खिलाड़ियों की एक नई पीढी तैयार हो सकेगी। युवाओं को विभिन्न खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। प्रदेश में खेलों के प्रति रूचित रखने वालों की कमी नहीं है और खेल प्रतिभाओं की भी कोई कमी नहीं है और रही है तो खेलों को प्रोत्साहन देने की। विगत कई वर्षों से यही देखने में आ रहा है कि प्रदेश में खेलों को उचित एवं अपेक्षित प्रोत्साहन नहीं दिया जा रहा है। उसी का परिणाम है कि राजस्थान खेलों के मामले में पिछड़ा रहा है। स्कूलों और कॉलेजों में भी खेलों को जितना महत्व दिया जाना चाहिए, उतना नहीं दिया जाता रहा है। खेलों के लिए आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध नहीं कराये जाते रहे हैं। ऐसे में भला अच्छे खिलाड़ी बनकर कैसे तैयार हो सकते है? खेल प्रशिक्षकों की भी कमी देखी जाती है। आज के समय में प्रतिस्पर्धा के जबरदस्त युग में हर कोई नौकरियों के मददेनजर शिक्षा हासिल करने में लगे हैं। ऐसे समय में खिलाड़ी बनने का शॉक रखने वालों को भी यह डर रहता है कि खिलाडी बनने से होगा क्या? जब तक खिलाड़ियों को आगे का भविष्य सुरक्षित नजर नहीं आएगा, तब तक वे इसके प्रति समर्पित कैसे होंगे? यह बात किसी से छिपी नहीं है कि खिलाड़ी तैयार करने में प्रचुर मात्रा में संसाधन चाहिए। संसाधन उपलब्ध कराना राज्य सरकार का काम है। राज्य सरकार ही औद्योगिक घरानों को प्रेरित कर अपेक्षित संसाधन उपलब्ध करा सकती है। लेकिन विगत कई वर्षों से देखा यह जा रहा है कि सत्तारूढ सरकारें आकंठ राजनीति में डूबी रहती है और वे राजनीति पर ही ज्यादा ध्यान देती है। ऐसे में खेल तो उपेक्षित होने ही है। यह अच्छी बात है कि गहलोत सरकार ने इस बारे में गंभीर कदम उठाने की घोषणा की है। अतः उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले समय में प्रदेश में खेलों का विकास होगा और खेल संस्कृति विकसित होगी।

।। दसवां वेद ।।

-जुगल परिहार

दूहो दसमों वेद समझै तेनै सालै

8756. तूं झल्लै तलवार

कम्मा उगरसेन का, तो जननी बलिदार।
चंवर न झल्ले शाह पर, तूं झल्लै तलवार।।

हे उग्रसेन के पुत्र कर्मसेन। तुम्हारी जननी को बलिहारी है। तू बादशाह पर चंवर मत डुला, क्योंकि तू तो तलवार डुलाने वाला है।

(गतांक से आगे) घर के पास छुपे राजा ने यह दोहा सुना तो सुनते ही उसके दिल में हलचल मच गई। वह उसी वक्त लौट गया और सेवक को भेजकर उसने उस मनुष्य को बुलवाया। वह आदमी वही बनिया था, जो राजा की हत्या के समय बड़ पर छुपा बैठा था। बनिया भय के मारे कांपने लगा तो राजा ने उसे अभयदान देकर पूछा कि सारी बातें मुझे सत्य-सत्य बतलाओ। बनिये ने आंखों देखी सारी घटना सत्य सत्य सुना दी। राजा को रात भर नींद नहीं आई। सवेरा होते ही राजा ने मंत्री को बुलवा भेजा। मंत्री के आने में कुछ देर हुई। राजा को पल पल भारी हो रहा था। उसने दूसरा और तीसरा बुलावा भेजा। मंत्री जान गया कि आज राजा को अपने बाप की मृत्यु का भेद ज्ञात हो गया है। उसने अपने बेटों को बुलाकर सारी बात समझाई और उन्हें साथ लेकर वह राजा के पास पहुंचा। राजा के पूछने पर मंत्री सारी घटना सुनाने लगा। जब राजा की हत्या का प्रसंग आया तो मंत्री के बेटों ने कहा कि आरे हत्यारे, तूने यह क्या दुष्कर्म किया? ऐसे धर्मात्मा और न्यायी राजा को तूने अपने स्वार्थ के वशी भूत होकर मार डाला। जिस राजवंश का नमक खाते खाते अपनी पीढियां गुजर गई, उस राजवंश के राजा की तूने हत्या कर डाली। हमारा यह कलंक कैसे धुलेगा? तू हमारा बाप नहीं, कसाई है। हम ऐसे हत्यारे को जीवित देखना नहीं चाहते। यों कहकर मंत्री के बेटों ने अपने बाप को घुरों से वहीं मार डाला। राजा को विश्वास हो गया कि मंत्री के बेटे बहुत भले हैं, यह दुष्ट ही ऐसा था जिसे उसकी करनी का फल मिल गया। यों सोचकर राजा का क्रोध शांत हो गया और उसने मंत्री के बड़े लड़के को दीवान बना दिया। **(समाप्त)**

भिणाय का राजा कर्मसेन बादशाह अकबर का दरबारी था। अन्य दरबारियों के कहने सुनने और स्वयं बादशाह द्वारा एक बड़े राज्य का प्रलोभन दिये जाने पर कर्मसेन बादशाह के हाथी पर खवासगी पर बैठने और बादशाह को चंवर डुलाने के लिए राजी हो गया। राजपूत सरदारों को जब इस बातका पता चला तो उन्हें बड़ा क्षोभ हुआ, लेकिन वे वे कर भी क्या सकते थे, निरूपाय थे। सवारी तैयार हो गई और कर्मसेन चंवर लेकर हाथी पर बैठ गया। अभी बादशाह के आने देर थी। तभी एक चारण ने उसको संबोधित करके एक दोहा कहा। दोहा सुनते ही, कर्मसेन हाथी से कूद पड़ा और इस प्रकार उसने राजपूतों की शान को बचा लिया।

कुशल व प्रशिक्षित श्रम बल वक्त की जरूरत

भारत में विभिन्न रोगों के इलाज हेतु गुणवत्ता और वहन करने योग्य कीमत वाली दवाओं तक मरीजों की पहुंच की राह में अनेकानेक अड़चनें हैं। मरीज की देखभाल में लगभग 80 फीसदी खर्च अकेले दवाओं का होता है, तिस पर तुर्रा यह कि इनकी गुणवत्ता पर संशय है। इसलिए डॉक्टर द्वारा नामित दवाओं का अनुमोदन-बिक्री-इस्तेमाल और इनकी रोग निवारण क्षमता को लेकर सर्वेक्षण एवं समीक्षा लगातार करते रहना जरूरी है ताकि दवा का समुचित इस्तेमाल हो सके। ऐसा इल्जाम है कि दवा क्षेत्र देश में सबसे ताकतवर उद्योग है, जिसमें हरेक स्तर पर रिश्वत के बल पर दवा की स्वीकार्यता और बिक्री बढ़ाई जा सकती है। यहां तक कि कृत्रिम मांग पैदा करने के लिए उपभोक्ता को दवा विशेष के चमत्कारी असर वाले सब्जबाग तक दिखाए जाते हैं। दवा धंधेबाजों को लोगों की सेहत या जिंदगी या जेब से क्या मतलब, लिहाजा मरीज अक्सर असुरक्षित, घटिया या मिलावटी दवाएं लेता रहता है। गुणवत्तापूर्ण एवं वहन करने योग्य दवाएं उपलब्ध हो सकें, इसके लिए नियंत्रक विभाग को करने के लिए बहुत कुछ बाकी है।

प्रशासनिक और नियंत्रक असफलता वाले परिवेश के चलते अनेकानेक दवाएं या तो बहुत महंगी हैं या असरहीन। नुस्खे में लिखी दवाओं का बेरोकटोक बेजा या फालतू इस्तेमाल हो रहा है। भारतीय दवा महानियंत्रक (द ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया) के तत्वावधान में केंद्रीय दवा गुणवत्ता नियंत्रण संस्थान काम करता है, जिसके कार्यक्षेत्र में दवा स्वीकृति प्रक्रिया की निगरानी करना है। दवा एवं प्रसाधन कानून 1940 (ड्रग एंड कॉसमेटिक एक्ट) में समय-समय पर सुधार होता आया है। इसका मुख्य काम दवाओं के आयात, उत्पादन, विपणन और बिक्री का नियमन करना है, किंतु यह विभाग अपना मूल उद्देश्य पाने में असफल रहा है।

दवा मूल्य नियंत्रण आदेश, जिसे रसायन एवं खाद्य मंत्रालय ने आवश्यक वस्तु कानून 1955 की धारा 3 के अंतर्गत मिली शक्ति के आधार पर जारी किया था, यह कानून सरकार को आवश्यक दवाओं के अधिकतम मूल्य को घोषित करने की शक्ति प्रदान करता है ताकि आवश्यक दवाओं की उपलब्धता और इनका खरीद मूल्य मरीजों की पहुंच के अंदर बना रहे। राष्ट्रीय दवा मूल्य निर्धारण प्राधिकरण, जिसका अख्तियार कुल 18 प्रतिशत दवाओं तक ही है, इसके लिए तीन मुख्य काम रखे गए थे (अ) आवश्यक दवाओं की शिनाख्त, (ब) गैर-अनुसूचित दवाओं की कीमत बाजार-आधारित रखना ताकि दवा उद्योग का विकास हो सके, (स) कीमत नियंत्रण केवल फार्मूला आधारित हो, न कि जेनेरिक आधार पर। लेकिन ठीक इसी वक्त गैर-अनुसूचित दवाओं को बाजार में पहली बार उतारते समय उनकी कीमत पर कोई नियंत्रण तय नहीं किया गया है। इसी चोर-रास्ते का फायदा लेकर दवाएं इतनी मंहगी हैं। साथ ही दवा की प्रभावोत्पादकता या सुरक्षित होने की जिम्मेवारी किस पर लागू होगी,

- आर. कुमार

यह भी तय नहीं है। इसके अलावा दवा उत्पादक अपने उत्पाद के दुष्प्रभाव बताने की बाध्यता से मुक्त हैं।

13 दिसम्बर को राष्ट्रीय दवा मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने खुद को मिली शक्ति के आधार पर आवश्यक श्रेणी की 21 दवाओं की कीमत में 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी इस टिप्पणी के साथ की है : 'इन दवाओं का उत्पादन अलाभकारी होना कहीं ऐसे हालात न बना दे कि बाजार में इनकी अनउपलब्धता बन जाए और लोगों को महंगे विकल्प खरीदने पर बाध्य होना पड़े।'

जब कोई कंपनी नई दवा का फार्मूला विकसित करती है तो अक्सर इसके पीछे सालों का अनुसंधान कार्य होता है, उसके बाद वह इसको एक ब्रांड नाम देती है और पेटेंट लेती है, जिससे कोई अन्य कंपनी एक निर्धारित समय-सीमा तक इस फार्मूले विशेष को बना न सके। तत्पश्चात प्रचार और इसकी मार्केटिंग के जरिए वह उक्त ब्रांड को स्थापित करती है। अतएव अनुसंधान से लेकर ब्रांडिंग तक आने वाली लागत वसूलने के लिए ब्रांडेड दवाएं बाजार में महंगे दाम पर उतारी जाती हैं। अलबत्ता एक बार पेटेंट अवधि समाप्त होने के बाद अन्य निर्माता उक्त दवा के मूल फार्मूले की नकल करके अपने अलग स्वरूप अलहदा नाम से बनाकर बेच सकते हैं। इन्हें ब्रांडेड जेनेरिक दवा कहा जाता है। बतौर 'सुधारी गई' दवाएं बताकर ये भी काफी महंगे दामों वाली होती हैं।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक ने कहा, 'यहां पेच और चिंता का एक खास कारण यह है कि जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं की हू-ब-हू जैविक-समतुल्य गुणों वाली नहीं होतीं।' तो फिर क्यों नहीं सरकार ब्रांडेड दवाओं की गुणवत्ता के समकक्ष जेनेरिक दवाओं का स्तर और जैव-उपलब्धता को सुनिश्चित करती ताकि लोगों को वहन करने योग्य मूल्य पर उतनी ही बढ़िया दवाईयां मिल सकें? यह जनस्वास्थ्य और नैतिकता के आधार पर अत्यंत जरूरी विषय है।

कैथरीन ईबान की किताब : 'बैटल ऑफ लाइस' ने पर्दाफाश करते हुए कहा है, 'तथ्य यह है कि एक बीमार व्यक्ति की तीमारदारी में उसका परिवार जो खर्च वहन करता है, उसका लगभग 50 प्रतिशत गैर-जरूरी दवाओं और परीक्षणों के कारण है।' इस किताब ने यह भी साफ किया है कि अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के निरीक्षकों ने पाया है कि दीगर भारतीय दवा निर्माताओं के उत्पादन केंद्रों में रिकॉर्ड फर्जी होते हैं। जब कभी दवा का बैच परीक्षण में फेल हो जाए तो उसको नष्ट करने की बजाय ऐसी कंपनियां रिकॉर्ड में हेराफेरी करके उक्त दवाओं को बाजार में उतार देती हैं। भारत की आवश्यक दवा सूची-2019 में 860 दवाएं दर्ज हैं लेकिन परीक्षण के लिए 60,000 से 80,000 के बीच ब्रांड कतार में लगे हैं, जबकि परीक्षण की कुल क्षमता इनका 1 प्रतिशत से कम ही संभाल पाती है और बाकी बची 99 फीसदी दवाओं पर बिना यथेष्ट परीक्षण किए 'अच्छी गुणवत्ता' का ठप्पा जड़ दिया जाता है।

किसी दवा विशेष का अनुमोदन करने के बदले मिलने वाले प्रोत्साहनों पर ज्यादा निर्भर होने ने डॉक्टर-दवा निर्माता गठजोड़ बना दिया है, जो एक-दूसरे को फायदा पहुंचाने की गर्ज से है, आगे इसमें परीक्षण करने वाली लेबोरेटरियां अलग से जुड़ जाती हैं।

अतएव किसी दवा के खुदरा बाजार मूल्य में फर्क हैरानकुन 100 से 5,000 प्रतिशत के बीच हो सकता है। राष्ट्रीय दवा मूल्य प्राधिकरण की रिपोर्ट बताती है कि अग्रणी दवा कंपनियां किसी एक मात्रा और समान फार्मूले वाली दवाई को विभिन्न ब्रांड नामों से बेचती हैं और इनके दामों में जमीन-आसमान का अंतर होता है।

जेनेरिक दवाओं का मूल्य पत्ते या डिब्बी पर अंकित करते समय लगभग ब्रांडेड दवाओं के बराबर रखा जाता है लेकिन इन्हें बनाने का लागत ब्रांडेड के मुकाबले अंश मात्र ही आती है। जिस गोली को 1 रुपये में बेचने का लक्ष्य रखा जाता है, उसका दाम लेबल पर 20 रुपये लिखा होगा। इस तरह स्थानीय दवा विक्रेता के लिए हेराफेरी का बड़ा मौका मुहैया करवाया जाता है जो दिखावे के लिए ग्राहक को अंकित मूल्य पर मामूली छूट देने का नाटक करता है। ऊपर से रोगी को लगता है कि अगर दवा की कीमत कम है तो जरूर यह घटिया होगी! पीजीआई में काम चुके रंजीत रॉय की अध्यक्षता वाली कमेटी ने पाया था कि प्रतिबंधित और निष्प्रभावी दवाएं भी धड़ल्ले से बिक रही हैं, वह बिना डॉक्टर नुस्खे या परीक्षण हुए।

जल तरंग

ऑनलाइन दौर में बेज़ार बाज़ार

अब तो ऑनलाइन पर भी लाइन लगी हुई है। बड़े-बड़े शोरूमों में सन्नाटा पसरा पड़ा है। कुछ तो सर्दी ने ही हमें रजाई में दुबका दिया है और कुछ ऑनलाइन ने। शुभकामना सन्देशों से लेकर चिट्ठियां, बर्थडे केक, उपहार, फूल व रोजमर्रा का सामान तक सब ऑनलाइन हो गया है। और तो और, फल-फूलों के पौधे भी ऑनलाइन आने लगे हैं। लोग कच्छे-बनियान भी इंटरनेट पर लेते हैं। बाजार की परिभाषा को फिर से रचने का समय आ गया है क्योंकि वह दिन भी आने वाला है जब संक्रान्त या साम्मण की कोथली देने भी ऑनलाइन पर आर्डर मिलने के बाद जमेटो वाले आया करेंगे। आने वाली पीढ़ियां पूछा करेंगी कि ये बाजार किस बला का नाम है? आमतौर से दुकानदारों यानी मध्यम श्रेणी के व्यवसायियों के बच्चे अपना पुश्तैनी काम सम्भालते हैं। पर अब इन बच्चों का भविष्य धुंधलाता-सा नज़र आ रहा है क्योंकि बाजारों की भीड़ और चरमराती टैफ्रिक व्यवस्था से तंग आकर अब कोई बाजारों की तरफ मुंह नहीं करना चाहता। पर जितनी मर्जी ऑनलाइन शॉपिंग कर लो, नाई की दुकान पर तो जाना ही पड़ेगा क्योंकि ऑनलाइन बाल नहीं कट सकते। क्या ज़माना आ गया है कि नाई से भी फोन करके अपाइंटमेंट लेनी पड़ती है। ऑनलाइन विवाह हो रहे हैं और ऑनलाइन ही तलाक। हनीमून पता नहीं ऑनलाइन हो रहे हैं या कुल्लू-मनाली जाना पड़ता है। चैटिंग का प्रचलन बढ़ता ही जा रहा है। यह और बात है कि चैटिंग के माध्यम से हर तरह की चीटिंग हो रही है। इस पापी संसार में जीने के लिये सब अब इंटरनेट होना चाहिये। इंटरनेट है तो सांसें चलेंगी वरना दिल का धड़कना भी रुक सकता है।

मरीजों को दर्द बांटता दवा कारोबार

यकीनन नये वर्ष 2020 में नई पीढ़ी के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर सुनिश्चित करना और उसके लिए रणनीतिक कदम उठाना सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। हाल ही में भारतीय कंपनियों के मुख्य कार्याधिकारियों (सीईओ) के बीच किए गए एक सर्वेक्षण में 62 फीसदी सीईओ ने कहा है कि वर्ष 2020 में आर्थिक चुनौतियों के बीच भी मांग (डिमांड) में मौजूदा स्तर से तेजी आएगी और मांग बढ़ने से 2019 की तुलना में 2020 में रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। गौरतलब है कि इन दिनों पूरे देश और पूरी दुनिया के करोड़ों लोगों द्वारा नये वर्ष 2020 और आगामी वर्षों में भारत की नई पीढ़ी के रोजगार विश्वास और रोजगार की संभावनाओं से संबंधित दो तरह की महत्वपूर्ण रिपोर्टों को पढ़ा जा रहा है। भारत की नई पीढ़ी में रोजगार विश्वास से संबंधित रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत के अधिकांश युवाओं का विश्वास है कि उन्हें अच्छा रोजगार अवश्य मिलेगा। खासतौर से पिछले वर्ष 2019 में विकास दर महज 5 फीसदी रहने के कारण रोजगार नहीं बढ़े, लेकिन अब 2020 में विकास दर के 6 से 6.5 फीसदी रहने की संभावना के कारण रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। विभिन्न रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि वर्ष 2020 में रोजगार के मौके खासतौर से कृषि, छोटे उद्योग, स्वास्थ्य क्षेत्र, सर्विस सेक्टर, आईटी सेक्टर और पर्यटन क्षेत्र में बढ़ते हुए दिखाई देंगे। साथ ही सरकार के द्वारा 5 लाख से अधिक सरकारी नौकरियों की भर्ती की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ेगी।

नये वर्ष 2020 में रोजगार मिलने की संभावनाएं अन्य देशों की तुलना में भारतीय युवाओं की नजरों में अधिक दिखाई देने की अध्ययन रिपोर्टें प्रकाशित हुई हैं। जापान के निप्पो फाउंडेशन की वैश्विक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के 78 फीसदी युवाओं को विश्वास है कि उनका भविष्य चमकीला है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान जैसे कई विकसित और विकासशील देशों के युवाओं की तुलना में भारत के युवाओं की आंखों में अच्छे रोजगार का विश्वास ऊंचाइयों पर है।

उल्लेखनीय है कि भारत की नई पीढ़ी की चमकीली रोजगार संभावनाओं से संबंधित रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि वर्ष 2020 से शुरू होकर आगामी एक दशक तक नई विश्व अर्थव्यवस्था में भारतीय प्रतिभाओं और भारतीय प्रवासियों की भूमिका अहम होती हुई दिखाई देगी। दुनिया के प्रसिद्ध ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्रियों ने गहन शोध अध्ययन के बाद अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दुनिया में अगले दस वर्षों में प्रतिभाशाली वर्ग (टैलेंट पूल) में 7.3 फीसदी वृद्धि के साथ भारत दुनिया में पहले क्रम पर होगा। अमेरिकी सरकार के राष्ट्रीय खुफिया निदेशक कार्यालय की ग्लोबल ट्रेंड 2030 रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत प्रोफेशनल्स के सहारे वर्ष 2030 तक विश्व की बड़ी आर्थिक ताकत बनकर उभर सकता है।

- जयंतीलाल भंडारी

इसी तरह मानव संसाधन परामर्श संगठन कॉर्न फेरी की रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां दुनिया में 2030 तक कुशल कामगारों का संकट होगा, वहीं भारत के पास 24.5 करोड़ अतिरिक्त कुशल कामगार होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2030 तक दुनिया के 19 विकसित और विकासशील देशों में 8.52 करोड़ कुशल श्रमशक्ति की कमी होगी। ऐसे में दुनिया में भारत इकलौता देश होगा, जिसके पास 2030 तक जरूरत से ज्यादा कुशल कामगार होंगे। भारत ऐसे में विश्व के तमाम देशों में कुशल कामगारों को भेजकर फायदा उठा सकेगा।

जहां भारत की प्रतिभाएं अच्छे रोजगार के साथ देश को आर्थिक मजबूती देगी, वहीं विदेशों में भी भारत की प्रतिभाओं को प्रवासी भारतीयों का साथ बढ़ता जाएगा। ज्ञातव्य है कि प्रवासी भारतीय दुनिया के कोने-कोने में अपनी पहचान को ऊंचाई पर पहुंचाते हुए भारत का मान बढ़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि विदेशों में रह रहे भारतीय कारोबारियों, वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और उद्योगपतियों की प्रभावी भूमिका दुनिया के विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं में सराही जा रही है।

गौरतलब है कि नये वर्ष 2020 में नई पीढ़ी को प्रवासियों से सहयोग की संभावनाएं इसलिए साकार हो सकती हैं, क्योंकि प्रवासियों का भारत के प्रति स्नेह व सहयोग का भाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ज्ञातव्य है कि भारतीय प्रवासी भारत के विकास में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएनओ) की संस्था इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आयओएम) की रिपोर्ट 2019 के मुताबिक विदेश से अपने देश में धन भेजने के मामले में भारतीय प्रवासी एक बार फिर सबसे आगे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले वर्ष 2018 में प्रवासी भारतीयों ने 79 अरब डॉलर (करीब 5.5 लाख करोड़ रुपए) की राशि स्वदेश भेजी है। भारत के बाद चीन का नंबर आता है। वर्ष 2020 में प्रवासी भारतीयों से बीते हुए वर्ष 2019 की तुलना में अधिक विदेशी मुद्रा भारत भेजे जाने की संभावना बताई जा रही है और इससे देश में रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे।

निश्चित रूप से वर्ष 2020 की शुरुआत से सरकार द्वारा एक ओर अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ाकर रोजगार के अवसर बढ़ाए जाने होंगे, वहीं दूसरी ओर भारत की नई पीढ़ी को नये दौर के कौशल विकास से प्रशिक्षित करके देश और दुनिया के लिए उपयोगी बनाया जाना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में यह उल्लेखनीय है कि हाल ही में सूचना प्रौद्योगिक मंत्रालय पहली बार फ्यूचर स्किल्स प्राइम कार्यक्रम की डगर पर आगे बढ़ा है। इसके तहत केंद्र सरकार ने अगले तीन साल में कृत्रिम मेधा (एआई), ब्लॉकचेन और साइबर सुरक्षा जैसे भविष्य के रोजगार के क्षेत्रों में चार लाख पेशेवरों को कुशल बनाने के लिए 436 करोड़ रुपए खर्च करने की भी घोषणा की है। यदि हम चाहते हैं कि भारत नए वर्ष 2020 की शुरुआत से ही अपनी प्रतिभाओं और अपने कुशल व प्रशिक्षित श्रमबल से देश और दुनिया में आर्थिक व औद्योगिक विकास की नई इबारत लिखे और यदि हम चाहते हैं कि भारतीय प्रतिभाएं देश की मिट्टी को सोना बना दें तो हमें युवाओं को नये दौर के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल युक्त पेशेवर योग्यता से सुसज्जित करना होगा।

निश्चित रूप से ऐसा होने पर ही अगले एक दशक में भारत देश और विश्व में बड़े पैमाने पर प्रशिक्षित पेशेवर और कौशल प्रशिक्षित युवाओं की चमकीली मानव संसाधन आर्थिक शक्ति वाले देश के रूप में चमकता हुआ दिखाई देगा। यदि हम चाहते हैं कि 2020 में देश में रोजगार की नई संभावनाएं साकार हों तो कृषि विकास, निर्यात वृद्धि, पर्यटन विकास, स्वास्थ्य क्षेत्रों तथा छोटे उद्योगों को अधिकतम सुविधाओं और प्रोत्साहन के साथ आगे बढ़ाया जाए ताकि इन क्षेत्रों में मौजूद बड़े पैमाने पर रोजगार के मौके देश की नई पीढ़ी की मुट्ठियों में आ सकें।

कैरियर के रास्ते

आईपीआर मैनेजमेंट में करियर

करियर की नई विधाओं में आईपीआर मैनेजमेंट का नाम आजकल बहुत चर्चा में है। यहां आईपीआर से आशय है इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स दुनिया भर में इस प्रकार के प्रोफेशनल्स की मांग अत्यंत तेजी से हाल के वर्षों में बढ़ी है। इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी का अर्थ है ऐसी क्रिएशंस जिनकी उत्पत्ति मानव बुद्धि के जरिए हुई है। इनमें आविष्कार, साहित्य और कलात्मक कृतियां, चिह्न, व्यापार एवं बिजनेस में इस्तेमाल होने वाले नाम एवं डिजाइन आदि का जिक्र किया जा सकता है। इन सर्जनाओं के उपयोग का विशिष्ट उपयोग करने का अधिकार ही आईपीआर के नाम से जाना जाता है। यह अधिकार संबंधित देश की सरकार के माध्यम से प्रदान किया जाता है। इसके लिए बाकायदा अलग एजेंसी सरकारी तौर पर काम करती है। इनमें रजिस्ट्रेशन और अन्य कार्रवाइयां प्रायः एक्सपर्ट्स के माध्यम से ही होती हैं। ये एक्सपर्ट्स इंजीनियरिंग और लॉ की बैकग्राउंड वाले ट्रेंड लोग होते हैं। आईपीआर की दो शाखाएं हैं, इंडस्ट्रियल प्रॉपर्टी राइट्स और कॉपीराइट इंडस्ट्रियल प्रॉपर्टी राइट्स के तहत पेटेंट्स, ट्रेडमार्क, इंडस्ट्रियल डिजाइन और जियोग्राफिकल इंडिकेशन का नाम शामिल है। दूसरी ओर कॉपीराइट में साहित्य एवं कलाकृतियां, फिल्म, संगीत, फोटोग्राफ्स, परफॉर्मिंग आर्ट्स, रेडियो और टेलीविजन प्रोग्राम तथा आर्किटेक्चरल डिजाइंस शुमार किए जाते हैं। इन बौद्धिक कृतियों का कोई और व्यावसायिक दुरुपयोग न करे इसीलिए इनका समय रहते आईपीआर में रजिस्ट्रेशन करवाना जरूरी होता है। इसके बावजूद चोरी-छिपे उपयोग करने वालों के लिए सजा और जुर्माना दोनों का ही प्रावधान है। यही कारण है कि बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने आरएनडी पर इतना निवेश करने के बाद विकसित आविष्कारों या अन्य प्रोडक्ट्स के उपयोग के अधिकार को सुरक्षित रखने के लिए आईपीआर मैनेजमेंट के एक्सपर्ट्स को नियुक्त करती हैं। कुछ कंपनियों में कंसलटेंट के तौर पर भी इनकी सेवाएं ली जाती हैं। इन आईपीआर मैनेजमेंट के प्रोफेशनल लोगों की मेन ड्यूटीज हैं क्रिएटिव लोगों को नई क्रिएशंस विकसित करने के लिए उपयुक्त वातावरण प्रदान करवाने में प्रभावी भूमिका निभाना, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर में मार्गदर्शन देना, सृजन करने वालों के हितों की सुरक्षा, पेटेंट के डेटाबेस का रखरखाव, इस प्रकार की सूचनाओं का आदान-प्रदान और इस प्रोफेशन के लिए योग्य लोगों को ट्रेनिंग देना आदि है।

इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट

सुरक्षा प्रबंधन में शानदार करियर

{ ऑपर्च्युनिटी

करियर को सुरक्षित बनाना चाहते हैं तो सेफ्टी मैनेजमेंट से जुड़ा डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। }

तेजी से बढ़ते इंडस्ट्रियलाइजेशन के साथ ही उसकी और उसमें काम करने वाले लोगों की सुरक्षा को सुनिश्चित करना एक चुनौती है। इसी महत्वपूर्ण दायित्व को निभाता है इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजर। अगर आप भी इससे जुड़कर अपने करियर को सुरक्षित बनाना चाहते हैं तो सेफ्टी मैनेजमेंट से जुड़ा डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट का मकसद-जोखिम, दुर्घटना और उससे लगने वाली चोटें व नुकसान को कम करना और इसके लिए सुरक्षा प्रबंधन के तमाम सिद्धांतों व तकनीकों पर अमल किया जाना है। इसके साथ ही ये कर्मचारी की तंदुरुस्ती से लेकर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी और मजबूती के मकसद को हासिल करने में मदद करते हैं। यदि औद्योगिक सुरक्षा के नियमों, सिद्धांतों और मानकों का सही सही पालन किया जाए, तो कोई वजह नहीं कि हादसा हो जाए। इसी सिद्धांत पर यह काम करते हैं।

बढ़ रही है डिमांड

आज न तो उद्योगों की कमी है और न ही जोखिमों की। लिहाजा औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन ने एक अनिवार्य विधा के रूप में अपनी जगह बना ली है। इससे जुड़े तमाम किस्म के पाठ्यक्रम भी अब कई संस्थानों में उपलब्ध हैं जिसके जरिए न सिर्फ करियर को सुरक्षित बनाया जा सकता है बल्कि देश की आर्थिक समृद्धि में भी योगदान दिया जा सकता है।

एलिजिबिलिटीज एंड कोर्स

जो यंगस्टर्स इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट से जुड़ना चाहते हैं, उन्हें संबंधित कोर्स करना होगा। इसके लिए कैंडिडेट का ग्रेजुएट होना जरूरी है। औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा और डिग्री जैसे कोर्स उपलब्ध हैं। वैसे तो इंजीनियरिंग के छात्रों को प्राथमिकता मिलती है लेकिन कुछ संस्थानों में 12वीं पास विद्यार्थी भी सर्टिफिकेट और डिप्लोमा जैसे कोर्स कर सकते हैं।

वर्क प्रोफाइल

औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन कोर्स में इंजीनियरिंग कंट्रोल और एप्लिकेशन, परमाणु ऊर्जा संयंत्र, पेट्रोलियम इंडस्ट्री जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में आपात स्थिति पर नियंत्रण करना, औद्योगिक उपकरणों की निगरानी करना, मेडिकल विजिलेंस, चोट नुकसान और जानलेवा स्थितियों को रोकना, खराब उपकरणों की सूची बनाना इत्यादि को जानना-समझना पड़ता है।

जॉब पॉसिबिलिटीज

इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट का कोर्स करने के बाद फायर प्रोटेक्शन इंजीनियर, सिस्टम सेफ्टी इंजीनियर, कंस्ट्रक्शन सेफ्टी इंजीनियर, रिस्क मैनेजमेंट, कंसल्टेंट, ट्रांस्पोर्टेशन, सेफ्टी सुपरवाइजर, इंडस्ट्रियल हाइजीन मैनेजर, एन्वॉयरमेंट सेफ्टी मैनेजर, सिक्यूरिटी एडमिनिस्ट्रेशन मैनेजर जैसे पदों पर नियुक्ति मिल सकती है। इसके अलावा रिलीफ एजेंसीज, एनजीओ, यूनाइटेड नेशंस में रिहैबिलिटेशन वर्कर्स के तौर पर काम कर सकते हैं।

पर्सनल क्वालिटीज

इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट में डिग्री व डिप्लोमाधारी को सुरक्षा के बुनियादी सिद्धांतों की जानकारी का होना बेहद जरूरी है। जरूरत के मुताबिक तुरंत और सही निर्णय लेने की क्षमता का होना, पैनी निगाह और सुरक्षा व्यवस्था में होने वाली चूक को भांपने और रोकने की क्षमता भी उसमें होनी चाहिए। सबसे जरूरी बात यह है कि वह मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ हो।

सैलरी

इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद पोस्ट के अकॉर्डिंग सैलरी तय होती है। साथ ही आपने डिग्री किया है या डिप्लोमा, इसपर भी सैलरी डिपेंड करती है। 10 हजार रुपए से लेकर 1 लाख रुपए तक की तनख्वाह मिल सकती है। जैसे-जैसे एक्सपीरियंस बढ़ता जाता है, कंपनी के प्रोफाइल के हिसाब से वेतन में भी बढ़ोतरी होती रहती है।

नई राहे

जॉब नहीं तो बिज़नेस भी है विकल्प लेकिन?

अक्सर युवा पढ़ाई के बाद अच्छे जॉब की तलाश में रहते हैं। अगर वे किसी कॉर्पोरेट सेक्टर में जॉब करते भी हैं तो वहां की सेलरी और सुविधाओं से वे संतुष्ट नहीं रहते। ऐसे में युवाओं को नौकरी का मोह छोड़कर बिजनेस को भी करियर के रूप में चुनना चाहिए। कुछ ऐसे क्षेत्र भी हैं जिनमें बिजनेस किया जा सकता है।

पर्यटन

भारत में पर्यटन का क्षेत्र काफी तेजी से बढ़ रहा है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन में तेजी से प्रगति हुई है। भारत को दुनिया में एक अच्छा पर्यटक स्थल माना जाता है। यहां ऐतिहासिक स्थल विदेशी सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इस क्षेत्र में योग्य प्रोफेशनल्स की भारी कमी है। पर्यटन के साथ ही होटल इंडस्ट्री भी जुड़ी हुई है इस क्षेत्र में भी काफी मांग है और वर्तमान की बात की जाए तब बजट होटल्स को विदेशी काफी पसंद करते हैं।

ऑटोमोबाइल

देश का ऑटोमोबाइल क्षेत्र काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। विश्व के ऑटोमोबाइल मार्केट को भारत से ही जरूरी कल पुर्जे भेजे जाते हैं। भारत में इंजीनियरिंग बेस काफी अच्छा होने के कारण विश्व की कई अग्रणी कार निर्माताओं ने भारत में निर्माण आरंभ किए हैं। इस क्षेत्र में कार निर्माताओं को कई छोटे कलपुर्जों की जरूरत पड़ती रहती है अगर किसी एक क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित कर बिजनेस आरंभ किया जाएं तब यह नौकरी से काफी अच्छा रिटर्न देगा।

टेक्सटाइल

दुनियाभर में भारतीय टेक्सटाइल उद्योग की अलग पहचान है। हमारे देश में टेक्सटाइल के क्षेत्र में इतनी विविधता है कि प्रत्येक राज्य में अलग स्टाइल के कपड़े पहने जाते हैं। देश में लुधियाना से लेकर कई ऐसे शहर हैं जहां से कपड़ों का निर्यात होता है। आप इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं तब छोटे स्तर से बिजनेस आरंभ कर सकते हैं। देश के भीतर भी इस क्षेत्र में विकास की दर काफी अच्छी है।

सामाजिक क्षेत्र

सामाजिक क्षेत्र काफी तेजी से विकसित हो रहा है। इसमें आप ग्रामीण क्षेत्रों में बिजनेस लगा सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़े लिखे युवाओं की संख्या भी कम नहीं है। उन्हें थोड़ा बहुत प्रशिक्षण देकर आप अपना बिजनेस आरंभ कर सकते हैं। सरकार के द्वारा भी ऐसे क्षेत्रों में बिजनेस करने वालों को प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अलावा रिसाइक्लिंग, एनर्जी सोल्यूशन्स, एवं बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी बिजनेस आरंभ किया जा सकता है।

युवाओं की पसंद सरकारी

नौकरी या प्रायवेट?

हाल ही के एक सर्वे में यह पाया गया है कि दुनियाभर में सीईओ के पदों पर पहुंचे लोगों की औसत आयु काफी कम हो गई है। पहले फाइनेंशियल क्षेत्र में जहां कोई भी व्यक्ति लगभग 54-55 साल की उम्र में सीईओ बन पाता था, अब यह घटकर 42 से 45 साल हो गई है। आईटी के क्षेत्र में तो कमाल ही हो गया है। वहां 37 से 40 वर्ष के बीच के युवा आईटी की बड़ी-बड़ी कंपनियों के सीईओ के रूप में काम कर रहे हैं। ऐसे में इन नए लीडरों के आगे भविष्य की कितनी बड़ी संभावना है, उसके बारे में एक मोटी-मोटी कल्पना तो की ही जा सकती है।

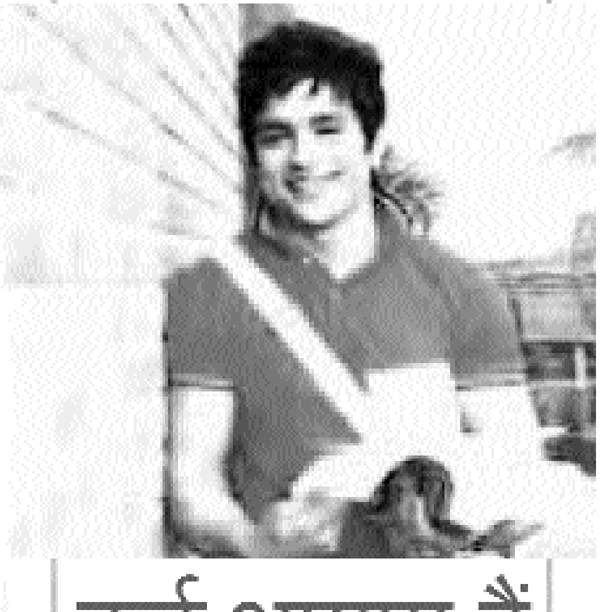

टूरिज्म सेक्टर

गुड इनकम-ब्राइट फ्यूचर

{ टूरिज्म सेक्टर

पर्यटन उद्योग इन दिनों सबसे तेजी से बढ़ रहे उद्योगों में से एक है। अपनी तेज रफ्तार की वजह से यह जीडीपी में 6.23 फीसदी की दर से वार्षिक योगदान कर रहा है, वहीं राष्ट्रीय रोजगार में 8.78 फीसदी की हिस्सेदारी अकेले पर्यटन उद्योग की ही है। }

भारतीय पर्यटन उद्योग इन दिनों सबसे तेजी से बढ़ रहे उद्योगों में से एक है। अपनी तेज रफ्तार की वजह से यह जीडीपी में 6.23 फीसदी की दर से वार्षिक योगदान कर रहा है, वहीं राष्ट्रीय रोजगार में 8.78 फीसदी की हिस्सेदारी अकेले पर्यटन उद्योग की ही है। हर साल भारत में 50 लाख से भी ज्यादा विदेशी पर्यटक आते हैं, जबकि घरेलू पर्यटकों की संख्या इससे भी बहुत ज्यादा है। 9.4 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर के साथ वर्ष 2018 तक इसके जरिए होने वाली इनकम 275.5 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल के मुताबिक, अगले 8 वर्षों में भारत विश्व पटल पर टूरिज्म के हॉट स्पॉट के रूप में उभरेगा।

संभावनाएं हैं भरपूर

स्किल्ड युवाओं के लिए पर्यटन के क्षेत्र में करियर बनाने की अपार संभावनाएं हैं। स्थानीय पर्यटन उद्योग, राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग, पर्यटन संबंधी वेबसाइट्स, होटल इंडस्ट्री, ट्रैवल एजेंसी, एविएशन, कार्गो ऑपरेशन, हॉस्पिटैलिटी आदि में स्किल्ड प्रोफेशनल्स की खूब डिमांड रहती है। विदेशी पर्यटकों को लुभाने के लिए भारत में एक से एक ऐतिहासिक धरोहर और पर्यटन स्थल हैं। इस बढ़ते कारोबार को मैनेज करने के लिए बड़ी संख्या में पेशेवर लोगों की जरूरत भी बढ़ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस क्षेत्र में ट्रेंड प्रोफेशनलों की काफी कमी है, इसलिए यदि युवा इससे संबंधित कोर्स करते हैं, तो उन्हें नौकरी आसानी से मिल जाती है।

कोर्सेस हैं कई

टूरिज्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए फुल टाइम कोर्सेज के अलावा शॉर्ट-टर्म कोर्स के ऑप्शन भी उपलब्ध हैं। आप बैचलर कोर्स के साथ-साथ मास्टर यानी पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स भी कर सकते हैं। बैचलर कोर्स तीन साल और पीजी कोर्स दो साल के होते हैं। कई संस्थानों में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी ऑफर किए जा रहे हैं। देश के अनेक विश्वविद्यालयों में यूजी, पीजी और पीजी डिप्लोमा कोर्स के साथ-साथ एमफिल या पीएचडी कोर्स भी उपलब्ध हैं। टूरिज्म में उपलब्ध प्रमुख कोर्स हैं-

एडमिशन प्रोसेस

इससे रिलेटेड बैचलर, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्सेस में एडमिशन के लिए कैंडिडेट को कम से कम 10+2 होना जरूरी है। किसी भी स्ट्रीम के ग्रेजुएट पीजी डिप्लोमा, मास्टर्स या एमए इन टूरिज्म कोर्सेस में एडमिशन ले सकते हैं। टूरिज्म के क्षेत्र में अग्रणी विश्वविद्यालयों-संस्थानों ने अपने यहां एडमिशन के लिए इन दिनों कैट और मैट परीक्षा को तरजीह देना शुरू कर दिया है। इन परीक्षाओं में न्यूनतम 50 फीसदी अंक अर्जित करने के बाद आप इनमें प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। कुछ यूनिवर्सिटीज अपने यहां एडमिशन के लिए एंट्रेंस टेस्ट भी लेती हैं।

जॉब्स ऑप्शन

टूरिज्म की फील्ड में करियर की कई राहें मौजूद हैं। इनमें आप अपनी योग्यता व रुचि के मुताबिक कोई भी राह चुन सकते हैं।

टूरिज्म डिपार्टमेंट

रिजर्वेशन एंड काउंटर स्टाफ, सेल्स एंड मार्केटिंग स्टाफ, टूर प्लानर्स, टूर गाइडेंस।

कई आयाम हैं

फोटोग्राफी पेशे के

मैं बीसीए कर रहा हूं। अगले वर्ष मेरा कोर्स पूरा हो जाएगा। कृपया आईटी के फील्ड में कुछ अच्छे करियर ऑप्शंस के बारे में बताएं। बीसीए आपको खुद ही वेब डिजाइनिंग, डेटा एंट्री या पेज-मेकिंग जैसे क्षेत्रों की ओर ले जाएगी। इसके अलावा बीपीओ में टेक्निकल सपोर्ट का काम भी मिल सकता है। अगर आप विशुद्ध प्रोग्रामिंग में जाना चाहते हैं तो किसी अच्छी यूनिवर्सिटी से एमसीए करना बेहतर रहेगा या फिर डेटाबेस मैनेजमेंट, एडवांस्ड कंप्यूटिंग, जावा या डॉट नेट जैसी किसी लैंग्वेज में स्पेशलाइजेशन करना अच्छा रहेगा। वैसे आजकल इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल जैसी बड़ी कंपनियां प्रोग्रामिंग की स्टार्टिंग लेवल जॉब्स के लिए अच्छे कॉलेजों से बीएससी (आईटी) ग्रेजुएट्स को सीधे ही काम दे रही हैं। (ऐसा इसलिए क्योंकि वे इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स के मुकाबले कम पैसे पर काम करते हैं और पैसे भी इंजीनियरों को भी कंपनी को ट्रेनिंग तो देनी ही पड़ती है।) अगर आप नेटवर्किंग की फील्ड में जाना चाहते हैं तो आपको हार्डवेयर टेक्नोलॉजी में बेसिक कोर्स करना होगा और एमसीएसई, एमसीएसडी, सीसीएनए आदि सर्टिफिकेट पाने होंगे। गेमिंग डिजाइन और टेक्नोलॉजी भी आपके ऑप्शंस हो सकते हैं। आप इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी और टेस्टिंग में भी जा सकते हैं।

नवनिर्वाचित सरपंच ही कर पाएंगे इस साल के बचे हुए फंड का उपयोग

■ जलतेदीप निसं, झुंझुनू

जिले के सरपंचों के कार्यकाल के अंतिम वर्ष में राज्य व केंद्र सरकार द्वारा आवंटित राशि का पूरा उपयोग कर ग्राम पंचायत कोष का बकाया शून्य करने की हसरत इस बार पूरी नहीं हो पाई है।केंद्र व राज्य वित्त आयोग की अनुशंसा पर जनसंख्या के आधार पर औसतन प्रति ग्राम पंचायत पर 30 से 40 लाख रुपए प्रति वर्ष दो से तीन किस्तों में सीधे ही ग्राम पंचायतों पंचायत समितियों व जिला परिषद के खातों में भेजे जाते हैं।इस साल के प्रथम 6 माह में केवल एक िस्त मिली थी दूसरी किस्त केंद्र व राज्य सरकार द्वारा विलंब से जारी करने तथा पूर्व में जारी राशि का समय पर ग्राम पंचायतों द्वारा समायोजन नहीं करवाने के कारण पंचायत चुनाव की आचार संहिता से पूर्व कार्यों की स्वीकृति जारी नहीं की जा सकी,ऐसी स्थिति में वित्त आयोग की अनुशंसा पर प्राप्त कुल 58 करोड का फंड प्रति पंचायत औसत 20-20 लाख रुपये ग्राम पंचायतों के खातों में वर्तमान में बकाया पड़ा है।सामान्य तौर पर निवर्तमान सरपंच अपने कार्यकाल में प्राप्त होने वाली राशि के काम पहले ही पूर्ण करवा देते हैं,जिसके कारण वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में नवनिर्वाचित सरपंचों के पास अगले 6 माह तक कोई फंड नहीं रहता है इस बार जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामनिवास जाट के द्वारा नियमों की पालना में की जा रही सख्ती के चलते निवर्तमान सरपंच अपनी इच्छा पूरी नहीं कर सके।

भंवरी देवी तंवर का निधन

■ जलतेदीप निसं, सादुलपुर

राजगढ़ शहर के जाने-माने प्रेस फोटोग्राफर किशन लाल व जयप्रकाश तंवर की माताश्री भंवरी देवी धर्मपत्नी स्मृति शेष सुप्रसिद्ध फोटोग्राफर रामेश्वर लाल तंवर का निधन हो गया है। सदैव भक्ति भाव में लीन गौ माता की सेवा में समर्पित भंवरी देवी तंवर अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ कर गई है। स्वर्गीय भंवरी देवी का अंतिम संस्कार यहां राजगढ़ में किया गया। आपको बता दें कि चूरू सेवन स्टार समाचार पत्र के संरक्षक स्मृति शेष श्रीनिवास आचार्य पूर्व आयुक्त नगर निगम बीकानेर के साथ राजगढ़ के सुप्रसिद्ध फोटोग्राफर स्मृति शेष रामेश्वर लाल तंवर के पारिवारिक संबंध थे। ध्यान रहे कि रामेश्वर तंवर चाचा के नाम से आदर के साथ पुकारे जाते थे और वे सदैव हंसमुख रहते थे।

सावित्री बाई फुले भारत की ऐसी पहली महिला शिक्षिका थी जिन्होंने शिक्षा भी बदली और समाज भी

■ जलतेदीप निसं, अलवर

मन्नाका रोड स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले विद्या आश्रम सैनी छात्रावास में समिति के अध्यक्ष रिटायर्ड लेखाधिकारी रामप्रसाद सैनी के नेतृत्व में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले की 189 वीं जयन्ती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

नगर परिषद की पूर्व सभापति एवं महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्रीमती कमलेश सैनी ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि माता सावित्री बाई फुले भारत की ऐसी पहली महिला शिक्षिका थी जिन्होंने शिक्षा भी बदली और समाज भी। वे 19वीं सदी में स्त्रियों के अधिकारों, अशिक्षा, छुआछूत, सतीप्रथा, बाल विवाह, विधवा-विवाह जैसी कुरीतियों पर आवाज उठाने वाली देश की पहली महिला शिक्षिका थी। उन्होंने कहा कि सावित्री बाई फुले जिन्होंने अपने पति दलित चिंतक समाज सुधारक ज्योति राव फुले से पढ़कर सामाजिक चेतना फैलाई।उन्होंने अंधविश्वास और रूढ़ियों की बेड़ियां तोड़ने के लिए लंबा संघर्ष किया।

सैनी छात्रावास समिति के अध्यक्ष रिटायर्ड लेखाधिकारी रामप्रसाद सैनी ने कहा कि माता सावित्री बाई फुले ने खुद पढ़करअपने पति ज्योतिबा राव फुले के साथ मिलकर लड़कियों के लिए 18 स्कूल खोले सन 1848 में महाराष्ट्र के पुणे में देश का सबसे पहले बालिका स्कूल की स्थापना की थी। वहीं, अठारहवां स्कूल भी पुणे में ही खोला गया था। उन्होंने 28 जनवरी, 1853 को गर्भवती बलात्कार पीड़ितों के लिए बाल हत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना की। उन्होंने भारत ही नहीं पूरे विश्व की हर जाति-धर्म की नारी को शोषण से मुक्ति दिलाने का मार्ग प्रशस्त कर उनको उन्नति की रास्ते पर चलने शुरुआत की थी।

गोविंदगढ़ महाविद्यालय में सात दिवसीय शिविर का हुआ उद्घाटन

■ जलतेदीप निसं, अलवर

राजकीय महाविद्यालय गोविंदगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के सातदिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन हुआ। प्राचार्य विमलेश गुप्ता द्वारा उद्घाटन कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को प्रेरणादायी उद्बोधन के साथ किया गया। कार्यक्रम अधिकारी दीपक चंदवानी ने विशेष शिविर की विस्तृत रूपरेखा से अवगत कराया। कार्यक्रम अधिकारी हिमांशु अवस्थी ने छात्रों को जीवन के प्रति सजगता, अनुशासन एवं सेवा भाव जाग्रत करने हेतु प्रेरित किया।प्रेरित किया । राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयो से कुल 100 स्वयंसेवक इस कार्यक्रम में भाग लिया ।

स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व के विकास, सेवा भाव की जागृति, जीवन के प्रति सकारात्मकता, आयामो की बहुलता, विचारों का वैविध्य, चेतना की उदात्तता, आचरण की शुचिता आदि महनीय गुणों की अवाप्ति शिविर के मूल उद्देश्यों में सम्मिलित हैं।

इसके अतिरिक्त महाविद्यालय कार्मिक सूरवीर, मोहित, बलविंद उपस्थित रहे। छात्रों में फैसल खान, रविकांत, चेतराम, सत्यवती पांडे, रोहितास मीणा, सारूप खान, देवेंद्र मीणा ने शिविर का नेतृत्व सम्भाला।

राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष पुष्पराज शर्मा ने बताया कि आग लगने के मामले में जो जांच की गई है उससे कर्मचारी बिल्कुल संतुष्ट नहीं है। इसकी मजिस्ट्रेट जांच होनी चाहिए। बहिष्कार जिला मुख्यालय पर ही किया गया है। इसके बाद भी सरकार ने मांगे नहीं मानी तो पूरे जिले में कार्य बहिष्कार किया जाएगा।

विद्युत विभाग के सतर्कता दल को बंधक बनाया

■ जलतेदीप निसं, अलवर

किशनगढ़बास क्षेत्र के गांव थानाघोड़ा में विद्युत विभाग के सतर्कता दल पर ग्रामीणों ने बंधक बनाकर हमला कर दिया जहां पर पुलिस के पहुंचने के बाद ही टीम को छोड़ा गया। कोटकासिम के सहायक अभियंता हेमंत मीणा किशनगढ़बास के गांव थानाघोड़ा में विद्युत चोरी रोकने की कार्रवाई करने के लिए किशनगढ़बास अधिशाषी अभियंता (पवस) के आदेश पर सतर्कता जांच के दौरान गांव थाना घोड़ा में उपभोक्ता सुमेर व मम्मन खान के मकान पर ग्राम थाना घोड़ा पहुंचे तथा जांच के दौरान उनके यहां विद्युत चोरी करना पाया गया वहां उनकी वीसीआर की कार्रवाई की जा रही थी कि तभी तारीफ, अफसर खान, सरफु, सम्मा, उमरदीन, आरिफ, हासम, आलम, मम्मन सहित 10-15 महिला व पुरुष ने एक राय होकर हाथों में लाठी-डंडे, हथियार के साथ सतर्कता जांच की टीम कोटकासिम के सहायक अभियंता हेमंत मीणा, कर्मचारी करण सिंह, वीर सिंह, रामचंद्र, राजकुमार व गाड़ी चालक अभय सिंह के साथ लाठी-डंडों से मारपीट करते हुए राजकार्य में बाधा उत्पन्न करते हुए हमला कर दिया।झगड़े में हेमन्त मीणा व करण सिंह के चोटे आई है तथा हेमंत मीणा व गाड़ी चालक अभय सिंह का मोबाइल भी जबरदस्ती छीन लिया तथा कर्मचारी करण सिंह के साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर उनके साथ मारपीट की तथा सरकारी कागजात भी छीन लिए। उन्होंने बताया कि बंधक बनाकर जान से मारने का प्रयास भी किया गया जहां पर पुलिस के पहुंचने के बाद उन्हें छोड़ा गया। कोटकासिम के सहायक अभियंता हेमंत मीणा द्वारा घटना की रिपोर्ट किशनगढ़ बास थाने में दी गई है।

नेत्र जॉच शिविर में 78 रोगियों का नि:शुल्क ऑपरेशन के लिये किया चयन

● 287 रोगियों की जॉच
● 2 महिलाओं को सिलाई मशीन व एक छात्रा को साईकिल मुहैया कराई

■ जलतेदीप निसं, भरतपुर

प्रेमशान्ति चैरिटेबिल ट्रस्ट द्वारा लुपिन के सहयोग से शुक्रवार को कृष्णानगर स्थित मल्टीस्किल ट्रेनिंग सेन्टर में एकदिवसीय नेत्र जॉच शिविर का आयोजन हुआ जिसमें 287 नेत्ररोगियों की जॉच कर 78 को ऑपरेशन के लिये चयनित किया गया। सभी चयनित रोगियों के नेत्र ऑपरेशन वृन्दावन स्थित डॉ. श्रॉफ आईकेयर इंस्टीट्यूट में नि:शुल्क किये जायेंगे। इस अवसर पर संजयनगर भरतपुर की विधवा विमला देवी एवं नि:शक्त हेमा कश्यप को सिलाई मशीन और छात्रा अनन्या को साईकिल भी मुहैया करायी गयी।

शिविर में डॉ. श्रॉफ आईकेयर इंस्टीट्यूट के नेत्रोग विशेषज्ञ डॉ. अश्विनी कुमार की टीम ने प्रत्येक रोगी की नेत्र जॉच की और ऑपरेशन योग्य पाये जाने वाले 78 रोगियों को ऑपरेशन के लिये चयनित किया। इन सभी रोगियों का इंस्टीट्यूट के चिकित्सालय में नि:शुल्क ऑपरेशन किया जायेगा जहां आवास, भोजन, दवाईयां, आदि की व्यवस्था मुफ्त में उपलब्ध करायी जायेगी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में लुपिन के अधिशाषी निदेशक सीताराम गुप्ता ने कहा कि गरीब लोगों के उपचार एवं आवास की व्यवस्था में प्रेमशान्ति चैरिटेबिल ट्रस्ट की तरह अन्य संस्थाओं को भी आगे आना होगा। कार्यक्रम में प्रेमशान्ति चेरिटेबिल ट्रस्ट के ट्रस्टी पुनीत मित्तल ने बताया कि ट्रस्ट के सहयोग से अब तक 367 मोतियाबिन्द रोगियों के ऑपरेशन नि:शुल्क कराये जा चुके हैं। ऑपरेशन के अलावा नेत्ररोगियों को समय-समय पर दवाईयॉ व चश्मे भी मुहैया कराये गये हैं।

राजस्थान वानिकी व वन्यजीव प्रशिक्षण संस्थान में इको फ्रेंडली चैम्बर का उद्घाटन

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

राजस्थान वानिकी एवं वन्यजीव प्रशिक्षण संस्थान की ओर से शुक्रवार को निदेशक के इको फ्रेंडली चैम्बर का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस सादगीपूर्ण समारोह में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं हैड ऑफ फॉरेस्ट डॉ. जी.वी. रेड्डी ने भी शिरकत की।

इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा आमजन को आमंत्रित किया गया था, जिन्हें संस्थान निदेशक डॉ. एन.सी. जैन ने अपने नए चैम्बर में वीडियो प्रजेंटेशन के जरिये बताया कि किस तरह इस चैम्बर को इको फ्रेंडली बनाया गया। चैम्बर गर्मी में ठंडा तथा सर्दी में गरम रहे, इसके लिए विभिन्न उपाय किए गए। गर्मी में बिना एयर कंडीशनर भी चैम्बर ठंडा रहेगा। बाहर के तापमान से 10-12 डिग्री कम रहेगा। निदेशक डॉ. जैन ने यह भी बताया कि संस्थान परिसर को किस तरह जीरो वेस्ट कैंपस बनाया गया। वीडियो प्रजेंटेशन के बाद परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हैड ऑफ फॉरेस्ट डॉ. जी.वी. रेड्डी ने संस्थान के प्रकृति संरक्षण के कार्यों की सराहना करते हुए आमजन से आह्वान किया कि वे भी इस ओर कदम बढ़ाएं। उन्होंने कुछ उदाहरण देते हुए जल संरक्षण के तरीके भी बताए। निदेशक डॉ. एन.सी. जैन ने बीते वर्ष में संस्थान की ओर से चलाए गए प्रकृति संरक्षण के अभियानों की जानकारी देते हुए नए साल में भी ग्रीन मिशन का संकल्प लिया।

सड़क दुर्घटना के मामले में मृतक के परिजनों के पक्ष में आठ लाख रुपये का अवार्ड पारित

■ जलतेदीप निसं, सादुलपुर

न्यायालय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, प्रथम के पीठासीन अधिकारी आशीष दाधीच ने सड़क दुर्घटना के मामले में अनिल कुमार की मृत्यु के प्रतिकर बाबत आठ लाख रुपये का अवार्ड मृतक अनिल स्वामी के परिजनों के पक्ष में पारित किया है। मामले के अनुसार मृतक अनिल के विरुद्ध पुलिस थाना हमीरवास में प्रथम सूचना प्रतिवेदन संख्या 53/2019 अन्तर्गत धारा 363, 366(ए) भारतीय दंड संहिता दर्ज रहा है। जिसमें दिनांक 28 मार्च 2019 को प्रकरण के घटना स्थल की तस्दीक हेतु जाने पर घटना स्थल की तस्दीक के बाद दोपहर करीब सवा बजे वापिस अपने वाहनों की ओर आते समय पैदल चलते अनिल के सड़क के किनारे पर फतेहपुर की तरफसे वाहन पीक अप के चालक ने तेज गति व लापरवाही से अपना वाहन चलाकर परिवादी के भाई मृतक अनिल के टक्कर मार दी, जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया व उक्त दुर्घटना में आई गंभीर चोटों के चलते अनिल की दौराने ईलाज मौत हो गई।

यह दुर्घटना का मुकदमा प्रभुदयाल द्वारा थाना रामगढ़ जिला सीकर में न्यायालय के जरिए दर्ज करवाया गया जिसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 41 सन् 2019 थाना रामगढ़ में अन्तर्गत धारा 279, 304(ए) भा. द. सं. में दर्ज हुई। उक्त प्रकरण में न्यायालय ने 6 माह की समयावधि में ही प्रकरण का निस्तारण कर अनिल के परिजनों के पक्ष में बीमा कम्पनी के विरुद्ध आठ लाख रुपये का क्लेम राशि अवार्ड पारित किया है। मृतक अनिल के परिजनों की ओर से पैरवी अधिवक्ता अजीत पचार व प्रेम बीका ने की।

सावित्री बाई फुले से प्रेरणा ले महिलाएं : धूपिया

■ जलतेदीप निसं, झुंझुनू

जिला मुख्यालय स्थित गुरुकृपा स्कूल में देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले की 190 वीं जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छगनलाल धूपिया थे।उन्होंने कहा कि आज की महिलाओं को दादी मां सावित्री बाई फुले से प्रेरणा लेकर समाज को दिशा बदलने का काम करना चाहिए। 18वीं सदी में महिला शिक्षा का दीपक सावित्री बाई ने देश में जलाया था,जो आज देश को पूरी दुनिया में प्रकाशित कर रहा है। समारोह की अध्यक्षता पूर्व पार्षद सुधा पंवार ने की।अध्यक्षीय उद्बोधन में पंवार ने कहा किआज की महिला शिक्षा के क्षेत्र में काफी आगे बढ़ी है। शिक्षा के साथ अब राजनीति में भी आगे बढ़ना शुरू हो गया है। विशिष्ट अतिथि प्रदेश माली महासभा के युवा उपाध्यक्ष प्रदीप सैनी, पार्षद मनोज सैनी,विजय सैनी, मंजू चौहान,बुधराम सैनी, सीताराम सैनी थे।

मधुमक्खियों पर ठंड का कहर, छत्तों पर जमी बर्फ

■ जलतेदीप निसं, सादुलपुर

राजगढ़ उपखंड क्षेत्र में ठंड केवल आम आदमी को ही नहीं ठिठुरा रही है बल्कि अनबोल जीवों पर भी कहर ढा रही है। क्षेत्र में पिछले कई दिनों से सुबह सुबह तापमान हिमांक से भी नीचे जा रहा है, जहाँ आम आदमी सर्दी के इस सितम से घरों में दुबक कर बैठने को मजबूर है।

वहीं छोटे-मोटे बगीचों में अपने छत्ते लगाए बैठी मधुमक्खियों के लिए इस बार की सर्दी असहनीय साबित हो रही है। सर्दी की तीव्रता इतनी भयंकर है कि नित सुबह मधुमक्खियों के छत्तों पर बर्फ जम रही है और क्षेत्र में असंख्य मधुमक्खियां रोजाना मौत का शिकार हो रही हैं। क्षेत्र के गांव धानोठी छोटी निवासी महिपाल सुन्दरिया ने बताया कि उनके घर के आगे स्थित बगीचे में अनार के पौधों पर मधुमक्खियों ने पांच छत्ते लगा रखे थे, लेकिन पिछले तीन दिन से अल सुबह पड़ रही भयंकर ठंड ने इनके छत्तों को जमा दिया है और इन पर लगी हुई मधुमक्खियों में से कुछ नीचे गिर गयी है,शेष मृत अवस्था में छत्तों पर चिपक कर ही रह गयी हैं।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

■ जलतेदीप निसं, झुंझुनू

शेखावाटी के साई के रूप में मान्यता प्राप्त पंडित गणेश नारायण बावलिया बाबा की 107 वं पुण्यतिथि पर बावलिया बाबा बुगाल में आयोजित चिकित्सा शिविर में बावलिया बाबा सेवा समिति के व आरआर हॉस्पिटल झुंझुनू के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। चिकित्सा शिविर में फिजिशियन डॉक्टर जेपी बुगालिया,हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉक्टर रियाज खान, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर राधेश्याम,स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर निहारिका शर्मा,दंत रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हिमांशु मुंड,दमा एवं श्वांस रोग विशेषज्ञ डॉक्टर के के पाठक द्वारा शिविर में नि:शुल्क परामर्श दिया गया साथ ही चिकित्सा शिविर में आए 335 रोगियों को दवाइयां व चश्में निशुल्क प्रदान किए गए। ज्ञात रहे वह बुगाला गांव पंडित गणेश नारायण बावलिया बाबा की जन्म स्थली है।

कक्षा 9 से 12 तक विद्यालयों का संचालन 6 जनवरी से

■ जलतेदीप निसं, दौसा

जिला कलक्टर अविचल चतुर्वेदी ने बताया कि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा अभियान दौसा के द्वारा जिले में कड़ाके की ठंड व कोहरे के कारण विद्यालयों में अध्ययनरत बालक बालिकाओं के स्वास्थ्य पर असर पड़ना व अत्यधिक ठंड व कोहरे के कारण राजकीय एवं निजी विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों का अवकाश आगामी आदेश तक यथावत रहेगा तथा कक्षा 9 से 12 तक विद्यार्थियों के विद्यालय 6 जनवरी से नियमानुसार संचालित होंगें। उन्होंने बताया कि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी की अभिशंषा पर जिले में समस्त राजकीय एवं निजी विद्यालयों में कक्षा 9 से 12 तक विद्यार्थियों का विद्यालय 6 जनवरी से नियमानुसार संचालित किये जाने निर्देश दिए है।

डॉ.शर्मा के जन्मदिन पर हुआ 74 यूनिट रक्तदान

■ जलतेदीप निसं, सादुलपुर

चूरु जिले के सरदारशहर के प्रमुख समाज सेवी डॉ.रमेश शर्मा के 57 में जन्म दिवस के अवसर पर ग्राम ढाणी पांचेरा के नवयुवक मंडल के सदस्यों और समस्त ग्राम वासियों ने मिलकर एक रक्तदान शिविर का आयोजन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में किया। इस अवसर पर चूरू के डॉक्टर सुनील जांदू आर सी एच ओ के निर्देशन में जयपुर से डॉक्टर रामपाल ब्लड बैंक चित्रकूट जयपुर से आई हुई टीम ने रक्त संग्रहण किया और कुल 74 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। इस अवसर पर सादुलपुर तहसील के गांव सिलायचों का बास से सोनू सिलायच, तारानगर तहसील के गांव में महलाणा से कृष्ण पूनिया के नेतृत्व में टीम और तारानगर से मुकेश फोगेड़िया के नेतृत्व में टीम आयी। साथ में सरदारशहर से परिष्कार क्लासेज के छात्र, गांव भोजासर के छात्र, सरदार शहर के जितेंद्र सैनी संगीतकार के निर्देशन में टीम भी रक्तदान करने के लिए आई। साथ में ग्राम वासियों नवयुवक मंडल के सदस्यों ने मिलकर उत्साह से रक्तदान किया।

इस अवसर पर डाक्टर चन्दन मोठसरा भी रक्तदान के लिए पधारे और रक्तदान करने के बाद कैंप का निरीक्षण भी किया और व्यवस्था में पूरा सहयोग किया।

नवजात बच्ची की मौत के बाद 5 कर्मचारियों के निलंबन का विरोध

चिकित्सकों ने 2 घंटे किया कार्य बहिष्कार

■ जलतेदीप निसं, अलवर

राजकीय गीतानंद शिशु चिकित्सालय के एफबीएनसी वार्ड में मशीन में लगी आग से नवजात बच्ची की मौत के बाद सरकार द्वारा 5 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया। साथ ही संविदा पर लगे एक वार्ड बॉय और इलेक्ट्रिशियन को बर्खास्त कर दिया गया। जिसके विरोध में चिकित्सकों व नर्सिंग कर्मचारियों ने शुक्रवार को 2 घंटे कार्य बहिष्कार किया। इस दौरान अस्पताल में मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि इमरजेंसी में चिकित्सकों को बैठाया गया। इस दौरान चिकित्सक व नर्सिंग कर्मचारियों ने अस्पताल के आईएमए हॉल में बैठक की। बैठक में निलम्बन कार्रवाई का विरोध किया गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि कर्मचारियों पर की गई कार्रवाई से वह संतुष्ट नही है।

चुनाव के लिए गठित प्रकोष्ठों को सौपी जिम्मेदारी

■ जलतेदीप निसं, दौसा

पंचायत आम चुनाव 2020 के तहत दौसा जिले की बसवा पंचायत समिति की समस्त पंचायतों में चुनाव करवाये जाने हैं। इसके लिए प्रथम चरण का तिथिवार कार्य विवरण एवं कार्य सम्पादन प्रकोष्ठ के लिये जारी किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी अविचल चतुर्वेदी ने बताया कि कार्यक्रम अनुसार नियंत्रण कक्ष की स्थापना करना, मतदान कार्मिकों का डाटा बेस तैयार करना व प्रथम रेण्डमाईजेशन, बसवा के लिए रूट चार्ट तैयार करना व जोन निर्धारण, रिटर्निंग अधिकारी, प्रथम मतदान अधिकारियों व मतदान दलों को नियुक्ति पत्र जारी करना, राजकीय वाहनों की रिपोर्टिंग, निर्वाचन सामग्री बैग तैयार करना, रिटर्निंग अधिकारी, मतदान अधिकारी को नाम निर्देशन की प्राप्ति, संविक्षा, नाम वापसी एवं चुनाव चिन्ह आवंटन की कार्यवाही हेतु प्रशिक्षण, सामग्री आवंटन एवं पंचायत मुख्यालय पर वाहन के माध्यम से पहुंचाने की व्यवस्था करना, प्रशिक्षण के लिए ईवीएम मशीन व मतपेटी उपलब्ध करवाना, मतदान सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करवाना, निर्वाचन पंच, सरपंच, उप सरपंचों की सूचना प्राप्त कर नियंत्रण कक्ष को उपलब्ध करवाना एवं उप सरपंच निर्वाचन के बाद मतदान दलों की वापिस पर अन्य रिकार्ड व मत पेटियां प्राप्ति, भुगतान हेतु विभिन्न काउन्टर्स तथा अन्य समस्त आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संबंधित प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारियों को सौपी गई है।

उन्होंने बताया कि उक्त सभी कार्य 18 जनवरी तक सम्पन्न कराये जाने हैं। इस संबंध में विस्तृत आदेश सम्बन्धित प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारियों और संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों तक भिजवा दिये गये हैं। उन्होंने समस्त अधिकारीगण को अपने-अपने कार्य को आदेशानुसार समयबद्धता, कुशलता, गुणवत्ता, त्रुटिरहित किये जाने के निर्देश दिये हैं। उल्लेखनीय है कि दौसा जिले में प्रथम चरण में बसवा पंचायत समिति की कुल 18 ग्राम पंचायतों में चुनाव होंगे जिनमें 188 वार्ड पंच भी चुने जाने हैं।

मतदान केन्द्रों पर नहीं ले जा सकेंगे मोबाइल फोन

■ जलतेदीप निसं, झालावाड़

राजस्थान पंचायती राज अधिनियम के प्रावधान पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों में भी लागू होते है।जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) सिद्धार्थ सिहाग ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान दिवस को मतदान की सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोई भी व्यक्ति मतदान बूथ और उसके 100 मीटर परिधि क्षेत्र में मोबाइल फोन न तो लेकर जाएगा और न ही उसका उपयोग कर सकेगा। मतगणना केन्द्रों पर भी मोबाइल फोन के उपयोग को निषिद्ध किया गया है।

भारतीय किसान संघ का जन जागरण व जनसंपर्क अभियान का शुभारंभ

■ जलतेदीप निसं, सुनेल

भारतीय किसान संघ के संस्थापक दंतोपन्त पंत ठेंगड़ी के जन्म शताब्दी वर्ष को लेकर जन जागरण अभियान एवं जनसंपर्क अभियान का शुभारंभ तहसील अध्यक्ष बजरंग पटेल की उपस्थिति में ग्राम सेमला के बालाजी मंदिर पर पूजा अर्चना कर विधि विधान से शुभारंभ किया जो पूरे गांव में रथयात्रा घुमाकर किया गया। गांव के माताजी मंदिर प्रांगण में एक विशाल किसान बैठक की गई जिसमें जिला मंत्री राधेश्याम गुर्जर ने बैठक में किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को जहर मुक्त खेती को छोड़कर परंपरागत आधारित खेती की ओर जाना पड़ेगा जिसमें मनुष्य में होने वाली कैंसर जैसी भयानक बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे युवा कई प्रकार के नशे की लत के शिकार हो रहे हैं हमें हमारे युवाओं को बचाना होगा। जन जागृति यात्रा में सुनेल तहसील के अध्यक्ष बजरंग पटेल रामलाल गुर्जर राधेश्याम गुर्जर भेरू लाल चौधरी कैलाश सेन फूल चंद श्यामलाल रामविलास पाटीदार आदि सदस्य उपस्थित रहे।

दौसा संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक आज

■ जलतेदीप निसं, दौसा

जिला कलक्टर अविचल चतुर्वेदी ने बताया कि संभागीय आयुक्त जयपुर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक 4 जनवरी को प्रातः 11 बजे कलेक्टेट सभा भवन में रखी गई है।

उन्होने बताया कि 5 दिसम्बर,2019 को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा प्रदत्त निर्देशों की अनुपालना के संबंध में संभागीय आयुक्त जयपुर द्वारा जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन 4 जनवरी 2020 को प्रातः 11 बजे कलेक्टेट सभा भवन दौसा में किया जायेगा। उन्होंने बताया कि समीक्षात्मक बैठक में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों पूर्ण तैयारी के साथ समय पर उपस्थित होने के लिये पाबन्द किया गया है।

जनगणना कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण करवाने के लिये सभी अधिकारी सक्रिय रह कर कार्य करे : अविचल चतुर्वेदी

■ जलतेदीप निसं, दौसा

जिला कलक्टर अविचल चतुर्वेदी ने कि जनगणना 2021 एक महत्वपूर्ण कार्य है, इस बार जनगणना मोबाईल ऐप के माध्यम से की जायेगी। जनगणना 2021 के प्रथम चरण में जिले में मकान सूचीकरण, मकान गणना एवं राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर को अद्यतन करने का कार्य 16 मई से 30 जून 2020 तक किया जाना प्रस्तावित है । उन्होने सभी अधिकारियों को जनगणना कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण करवाने के निर्देश दिये।

जनगणना 2021 के लिए तहसीलवार ग्राम सूचियों को अन्तिम रूप प्रदान करने के लिए शुक्रवार को कलेक्टेट सभागार में जिला कलक्टर अविचल चतुर्वेदी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी उपखण्डो के उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, आयुक्त, अधिशासी अधिकारी एवं जनगणना निदेशालय जयपुर से आए जनगणना अधिकारियों ने भाग लिया। जनगणना निदेशक आर्थिक एवं साख्यिकी विभाग रामप्रकाश ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार 31 दिसम्बर 2019 तक जिले की तहसीलों/कस्बों एवं ग्रामों के प्रशासनिक क्षेत्राधिकार सीमाओं में जो परिवर्तन हुए है, उनको तहसीलवार राजस्व ग्रामों की सूची, नक्शा संबधित तहसीलदारों व उपखण्ड अधिकारियों द्वारा अद्यतन कर प्रमाण पत्र जारी कियें।

बैठक मे साख्यिकी अन्वेक्षक, जनगणना विभाग जयपुर 'अरूण कुमार जैन व मणिकांत शर्मा ने जनगणना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर लोकेश कुमार मीणा, उप जिला कलक्टर दौसा पुष्कर मित्तल, महवा पी आर मीणा, बांदीकुई पिंकी मीणा, सिकराय हरिताभ कुमार आदित्य, लालसोट जे पी गुर्जर, रामगढ पचवारा सरिता मल्होत्र, नांगल राजावतान वृजेन्द्र मीणा, साख्यिकी अधिकारी बनवारी लाल मीना, सुखलाल मीना सहित अन्य ब्लॉक साख्यिकी अधिकारी उपस्थित थे।

ईवीएम का हुआ प्रथम रेण्डमाईजेशन

■ जलतेदीप निसं, झालावाड़

पंचायत राज आम चुनाव 2020 को पूर्ण निष्पक्षता से सम्पन्न करवाने के लिए आयोग के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) सिद्धार्थ सिहाग के मार्गदर्शन में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में शुक्रवार को मिनी सचिवालय के सभागार में ईवीएम का प्रथम रेण्डमाईजेशन कम्प्यूटर के माध्यम से किया गया। आठ पंचायत समितियों अकलेरा, बकानी, भवानीमंडी, पिड़ावा, डग, झालरापाटन, खानपुर एवं मनोहरथाना के 979 बूथों के लिए 1665 ईवीएम का प्रथम रेण्डमाईजेशन किया गया। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर दाताराम, उपखण्ड अधिकारी झालावा? मनीषा तिवारी, उपखण्ड अधिकारी भवानीमंडी राजेश डागा, उपखण्ड अधिकारी खानपुर प्रमोद सिंघल, आरएएस प्रशिक्षु राहुल कुमार मल्होत्रा, कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता मोहम्मद शफीक खान, ओम पाठक अब्दुल नफीस शेख, भाजपा के नन्दलाल वर्मा, ओम जांगिड़ उपस्थित रहे।

इंसेक्टेसाइड इंडिया को गुजरात परियोजना के लिए पर्यावरण विभाग की मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

कृषि रसायन विनिर्माता इंसेक्टेसाईड इंडिया लिमिटेड (आईआईएल) को भरूच में कीटनाशक कारखाना लगाने के लिए पर्यावरण विभाग से एक मंजूरी मिल गयी है।एक आधिकारिक दस्तावेज में यह जानकारी दी गई है। इस परियोजना पर 40 करोड़ रुपये निवेश किए जाएंगे। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने एक समिति की सिफारिशों के आधार पर यह मंजूरी दी है। दस्तावेज़ में कहा गया है कि हालाँकि, यह मंजूरी कुछ शर्तों के साथ दी गई है। प्रस्ताव के अनुसार, आईआईएल दाहेज में 52,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में 2,500 टन प्रति माह की उत्पादन क्षमता का कारखाना लगाएगी। इसमें कीटनाशक दवाएं और उनमें इस्तेमाल होने वाले मध्यवर्ती उत्पाद तैयार किए जाएंगे। इसकी अनुमानित लागत 40 करोड़ रुपये है। इसमें 150 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

बगदाद हमले से पश्चिमी एशिया में तनाव, क्रूड ऑयल में उछाल, बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

एजेंसी, नई दिल्ली

इराक की राजधानी बगदाद में शुक्रवार को हुए रॉकेट हमले का प्रभाव दुनिया भर के बाजारों पर पड़ना शुरू हो गया है। क्रूड ऑयल की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। क्रूड ऑयल की कीमतों में शुक्रवार को तीन फीसद से अधिक का उछाल देखा गया है। इससे आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल के भाव में और अधिक तेजी आने के आसार हैं। बगदाद एयरपोर्ट पर शुक्रवार को एक बड़ा रॉकेट हमला हुआ जिसमें ईरान समर्थित कुर्द बल के प्रमुख मेजर जनरल कासिम सुलेमानी सहित कुल आठ लोगों की मौत हुई है।

अमेरिकी हमले से सोने-चांदी की कीमत में जोरदार तेजी

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिकी सेना द्वारा ईरान के बाहुबली जनरल कासिम सुलेमानी को मार गिराए जाने के बाद ईरान और अमेरिका के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। इसका असर सिर्फ अमेरिका और ईरान ही नहीं, बल्कि भारत पर भी पड़ रहा है। हमले की वजह से सोने की कीमत में तेजी आई। इसके साथ ही डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट की वजह से भी कीमत में इजाफा हुआ।

एचडीएफसी सेक्योरिटीज के अनुसार, दिल्ली में सोने की कीमत 752 रुपये बढ़कर 40,652 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। वहीं चांदी की कीमत 960 रुपये बढ़कर 48,870 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। 24 कैरेट सोने का दाम 40,652 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना 1,547 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। वहीं चांदी 18.20 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेंड कर रही थी। इससे पहले गुरुवार को सोने-चांदी की कीमत में तेजी आई थी। गुरुवार को सोना 38 रुपये महंगा होकर 39,892 रुपये प्रति दस ग्राम रह गया। वहीं चांदी 21 रुपये महंगी होकर 47,781 रुपये प्रति किलो रह गई। वहीं एक जनवरी 2020 को सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई थी। तब सोना 39,854 रुपये प्रति दस ग्राम रह गया था। वहीं चांदी सस्ती 47,760 रुपये प्रति किलो रह गई थी।

सोने-चांदी के वायदा भाव में भी तेजी

एमसीएक्स एक्सचेंज पर फरवरी 2020 के सोने के वायदा भाव में तेजी आई है। यह दो फीसदी यानी 781 रुपये बढ़कर 40,058 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले दो हफ्तों में 10 ग्राम सोने की कीमत 2,000 रुपये बढ़ी है। वैश्विक बाजार में सोने की कीमत में तेजी और डॉलर के मुकाबले रुपये में आई गिरावट की वजह से यह इजाफा हुआ। इसके साथ ही चांदी वायदा का दाम भी बढ़ा है। एमसीएक्स पर यह 1.6 फीसदी यानी 750 रुपये बढ़कर 47,765 रुपये प्रति किलो हो गया।

सरकार ने 62 शहरों में 2,636 चार्जिंग स्टेशन लगाने की मंजूरी दी : जावड़ेकर

एजेंसी, नई दिल्ली

सरकार ने 24 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 62 शहरों में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिये फेम इंडिया योजना के तहत 2,636 चार्जिंग स्टेशन लगाने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। भारी उद्योग विभाग ने फेम इंडिया योजना के दूसरे चरण के तहत चार्जिंग स्टेशन लगाने में प्रोत्साहन का लाभ उठाने के लिये निकायों से निविदाएं मंगायी थी। भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्रालय ने कहा कि इन सभी चार्जिंग स्टेशनों के लग जाने से चयनित शहरों में से अधिकांश में चार×चार किलोमीटर के प्रत्येक ग्रिड में कम से कम एक स्टेशन उपलब्ध हो जाने की उम्मीद है। इससे उपभोक्ताओं के बीच इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने की धारणा मजबूत होगी तथा बुनियादी संरचना के अभाव के कारण हिचक रही कंपनियां नये मॉडल उतारने को प्रोत्साहित होंगी।'' इसके तहत महाराष्ट्र में 317, आंध्र प्रदेश में 266, तमिलनाडु में 256, गुजरात में 228, राजस्थान में 205, उत्तर प्रदेश में 207, कर्नाटक में 172, मध्यप्रदेश में 159, पश्चिम बंगाल में 141, तेलंगाना में 138, केरल में 131, दिल्ली में 72, चंडीगढ़ में 70, हरियाणा में 50, मेघालय में 40, बिहार में 37, सिक्किम में 29, जम्मू, श्रीनगर और छत्तीसगढ़ में 25-25, असम में 20, ओडिशा में 18 तथा उत्तराखंड, पुदुचेरी और हिमाचल प्रदेश में 10-10 स्टेशन लगाये जाने वाले हैं। चयनित निकायों को चार्जिंग स्टेशन लगाने के लिये जमीन की उपलब्धता, संबंधित नगर निगमों, बिजली वितरण कंपनियों, पेट्रोलियम कंपनियों के साथ आवश्यक समझौते होने के बाद आवंटन पत्र चरणों में जारी किये जायेंगे।

दीपम के अधिकारी ने कहा...

मार्च तक नहीं बिक सकेंगी एयर इंडिया, बीपीसीएल

एजेंसी, नई दिल्ली

घाटे में चल रही सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों का विनिवेश चालू वित्त वर्ष में पूरा नहीं हो सकेगा। निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि एयर इंडिया, बीपीसीएल और कॉनकॉर जैसी कंपनियों का रणनीतिक विनिवेश मार्च 2020 तक पूरा होने की संभावना नहीं है।

अधिकारी के अनुसार, सभी कंपनियों पर काम चल रहा है लेकिन प्रक्रिया शुरू होने के बाद कुछ आश्चर्यजनक बातें सामने आने से देरी हो रही है। लिहाजा भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) का रणनीतिक विनिवेश इस वित्त वर्ष में पूरा होने की संभावना नहीं है। इसके अलावा भारतीय कंटेनर निगम (कॉनकॉर) और एयर इंडिया की बिक्री भी मार्च तक पूरा होने के आसार नहीं दिख रहे हैं। सरकार बिक्री के लिए आंकड़े और वित्तीय विवरण जुटा रही है और इन प्रक्रियाओं में समय लगता है। भारतीय शिपिंग कॉरपोरेशन (एससीआई) की बिक्री प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

अभी तक सिर्फ 15 लक्ष्य पूरे

सरकार ने चालू वित्त वर्ष में विनिवेश के जरिये 1.05 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है, जबकि सितंबर में समाप्त पहली छमाही तक उसे महज 12,359 करोड़ रुपये ही मिल सके। यह लक्ष्य का करीब 15 फीसदी है। हालांकि, अकेले बीपीसीएल से सरकार को 60 हजार करोड़ मिलने का अनुमान है। इसी तरह, एससीआई से 2,000 करोड़ और कॉनकॉर से 13 हजार करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है।

एमटीएनएल ने शुरू की 23,000 करोड़ की विनिवेश प्रक्रिया

महानगरों में दूरसंचार सेवा उपलब्ध कराने वाली सरकारी कंपनी एमटीएनएल ने दीपम के जरिये 23 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति बिक्री प्रक्रिया शुरू कर दी है। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि अगले वित्त वित्त वर्ष तक इसे लाभ में लाने की पूरी कोशिश रहेगी। कंपनी ने मुंबई, दिल्ली और नोएडा स्थित करीब 6,200 करोड़ की जमीन और कार्यालयों की सूची पहले ही दीपम को सौंप चुका है। कंपनी के चेयरमैन और एमडी सुनील कुमार ने कहा कि ये हमारी सबसे कीमती संपत्तियां हैं। वीआरएस और विनिवेश पूरा होने के बाद हमारे मुनाफे में आने की पूरी उम्मीद है। एमटीएनएल पिछले 10 में से 9 साल घाटे में रही है।

निजीकरण के लिए एयर इंडिया कर्मचारियों का सहयोग जरूरी :पुरी

एयर इंडिया के 13 कर्मचारी संगठनों के साथ बैठक में नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि निजीकरण के बाद भी कंपनी के कर्मचारियों की नौकरी सुरक्षित रखने के मुद्दे पर सरकार गंभीर है। बैठक में शामिल एक कर्मचारी संगठन के प्रतिनिधि ने कहा कि सरकार ने सभी संगठनों से विनिवेश प्रक्रिया को पूरा करने में सहयोग मांगा है। उसका कहना है कि मौजूदा हालात में निजीकरण के अलावा कोई विकल्प नहीं है। पिछले दिनों एयर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा था कि अगर जून तक कंपनी को निवेशक नहीं मिला तो इसका हाल भी जेट एयरवेज की तरह होगा।

दीपक एडवरटाइज़िंग पश्चिम मध्य रेल द्वारा पुनः सूचीबद्ध

एजेंसी, इंदौर

मध्य एवं पश्चिम भारत की नंबर 1 क्रिएटिव व मीडिया एजेंसी दीपक एडवरटाइज़िंग पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर द्वारा पुनः सूचीबद्ध की गयी है। एजेंसी द्वारा बनाये गए विज्ञापन नवीनता एवं रचनात्मकता के लिए सुर्ख़ियों में रहे हैं उल्लेखनीय है कि पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर ज़ोन के अलावा दीपक एडवरटाइज़िंग पश्चिम रेलवे, मुंबई व उत्तर पश्चिम रेलवे 'जयपुर' में भी सूचीबद्ध है। इस उपलब्धि पर एजेंसी के मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक जेठा ने कहा कि यह वर्ष 2020 की शानदार शुरुआत है और हमारी कार्यप्रणाली की पारदर्शिताए रचनात्मकता और सर्वश्रेष्ठ क्वॉलिटी प्रदान करने की प्रतिबद्धता ही इस सफलता की वजह है।

इंदौर, गुड़गांव (दिल्ली) भोपाल, जयपुर, जबलपुर, कोटा, नागपुर में कार्यरत दीपक एडवरटाइज़िंग ने अब तक 172 से अधिक राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय अवॉर्ड्स अर्जित किये हैं। दीपक एडवरटाइज़िंग को 15 बार एजेंसी ऑफ़ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। दीपक एडवरटाइजिंग मध्य भारत की एकमात्र एक्रिडिएटेड एजेंसी है तथा अनेकों महत्वपूर्ण शासकीय, अर्द्ध शासकीय व कॉर्पोरेट क्लाइन्टस को 3600 कम्युनिकेशन सेवाएं प्रदान कर रही है।

बीमा कंपनियां पेश करेंगी एक से पांच लाख रुपये तक की हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी

एजेंसी, नई दिल्ली

बेहतर जिंदगी के लिए हमें स्वास्थ्य बीमा अवश्य खरीदनी चाहिए। ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न बीमा कंपनियां अलग-अलग प्रकार की व्यक्तिगत हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी उपलब्ध कराती है। इन सभी पॉलिसी में ग्राहकों को खास सुविधाएं मिलती हैं। अब भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण ने बीमा कंपनियों को एक लाख से पांच लाख रुपये तक की व्यक्तिगत हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी उपलब्ध कराने को कहा है। इस उत्पाद को एक अप्रैल 2020 से पेश किया जाएगा।

इरडा ने दिए दिशानिर्देश : इस संदर्भ में इरडा ने गुरुवार को दिशानिर्देश जारी किए हैं। इरडा ने कहा है कि ग्राहकों के लिए कई तरह के इंश्योरेंस पॉलिसी के उत्पाद उपलब्ध हैं। प्रत्येक उत्पाद में ग्राहकों को कई सविधाएं मिलती हैं। लेकिन सही उत्पाद का चयन करना लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इसलिए इरडा ने बीमा कंपनियों के लिए व्यक्तिगत चिकित्सा बीमा उत्पाद की पेशकश करने के लिए अनिवार्य कर दिया है।

आरोग्य संजीवनी पॉलिसी होगा उत्पाद का नाम : इरडा के अनुसार, इस उत्पाद का नाम आरोग्य संजीवनी पॉलिसी होगा। इसके बाद कंपनियां इसमें अपना नाम जोड़ सकती हैं। इरडा ने कहा है कि दस्तावेजों में इसे छोड़कर किसी अन्य नाम का जिक्र नहीं होना चाहिए। इतना ही नहीं, नियामक ने यह भी कहा है कि यह बीमा उत्पाद पोर्टेबल होगा और इसका प्रीमियम राज्यों या क्षेत्रों के आधार पर अलग-अलग नहीं होकर पूरे देश में एकसमान होगा।

ग्राहकों को होगा फायदा : आरोग्य संजीवनी पॉलिसी उपभोक्ताओं की आधारभूत चिकित्सा जरूरतों की कवरेज देगा। बता दें कि इसके तहत अधिकतम पांच लाख रुपये और न्यूनतम एक लाख रुपये का कवरेज होगा। साथ ही इसमें एड-ऑन या वैकल्पिक कवरेज की पेशकश नहीं होगी।

सार-समाचार

अब बुमराह के साथ अपनी गेंदबाजी के बारे में बात करने का मौका मिलेगा : नवदीप सैनी

एजेंसी, गुवाहाटी। नवदीप सैनी को अपने छह अंतरराष्ट्रीय मैचों में जसप्रीत बुमराह के साथ नई गेंद साझा करने का मौका नहीं मिला इसलिए वह श्रीलंका के खिलाफ आगामी सीरीज के दौरान भारत के मुख्य तेज गेंदबाज से कुछ बारिकियां सीखने का मौका मिलने को लेकर काफी उत्साहित हैं। सैनी ने अभी तक एक वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं लेकिन इन मैचों में बुमराह को या तो आराम दिया गया है या फिर वह पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण बाहर रहे।

सैनी ने शुक्रवार को कहा, 'मैं अब उनसे अपनी कमजोरियां और खामियां साझा कर सकता हूं। मैं उन्हें गेंदबाजी करते हुए देखकर काफी कुछ सीख सकता हूं। यह मेरे लिए अच्छा मौका होगा। मैं इसके लिए बेताब हूं।' पिछले साल 27 वर्षीय क्रिकेटर के लिए यादगार रहा जिसमें उन्होंने सफेद गेंद से पदार्पण किया और वह अक्टूबर में होने वाले ट्वेंटी20 विश्व कप से पहले प्रतिस्पर्धी गेंदबाजी आक्रमण में अपना स्थान पक्का करने की उम्मीद लगाए हैं।

रिंग में अब तक अजेय विजेंदर सिंह की निगाह विश्व खिताब पर

एजेंसी नई दिल्ली। राजनीति के रिंग में करियर की नई पारी का पदार्पण कर चुके विजेंदर सिंह पिछले पांच साल में पेशेवर मुक्केबाजी का कोई भी मुकाबला नहीं हारे और अब विश्व खिताब के साथ इस लय को कायम रखना चाहते हैं। भारत को मुक्केबाजी और विश्व चैंपियनशिप में ओलंपिक का पहला पदक दिलाने वाले विजेंदर का पेशेवर सर्किट पर 12-0 का रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा, अब मेरी सारी तैयारी विश्व खिताब की है। मैं इस साल तीन चार मुकाबले लड़ूंगा जिनमें विश्व खिताब बड़ा है। हम कोशिश कर रहे हैं कि यह मुकाबला भारत में हो। उन्होंने नवंबर 2019 में घाना के पूर्व राष्ट्रमंडल चैंपियन चार्ल्स अदामू को एकतरफा मुकाबले में हराया था। पिछले पांच साल में विजेंदर को एकमात्र पराजय लोकसभा चुनाव 2019 में झेलनी पड़ी जिसमें वह कांग्रेस के टिकट पर दक्षिण दिल्ली से लड़े थे। क्या उन्हें इसका मलाल है, यह पूछने पर उन्होंने कहा, बिल्कुल भी नहीं। उन्होंने कहा, कई बार आप जीतते हैं और कई बार आप सीखते हैं। मैं राजनीति से जुड़ने के अपने फैसले को ऐसे ही देखता हूं। सिर्फ एक चुनाव हारने से मुझे इस पर मलाल क्यों होगा।'

मीराबाई चानू ओलंपिक क्वालीफिकेशन रैंकिंग में आठवें स्थान पर

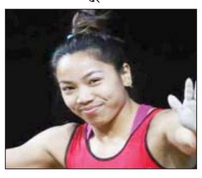

एजेंसी, टोक्यो। ओलंपिक के लिए स्थान पक्का करने की कोशिश में जुटी पूर्व विश्व चैम्पियन मीराबाई चानू ने अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) द्वारा जारी ओलंपिक क्वालीफायर रैंकिंग सूची में आठवां स्थान बरकरार रखा। ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिए दौड़ में 25 साल की भारोत्तोलक ने अब तक 2966.6406 रैंकिंग अंक जुटा लिए हैं। टोक्यो के लिए क्वालीफाई करने के लिए 49 किग्रा वर्ग में भाग लेने वाली भारोत्तोलक को छह महीनों (नवंबर 2018 से अप्रैल 2020 तक) के तीन पीरियड में प्रत्येक में एक टूर्नामेंट में भाग लेना होगा, जिसमें कम से एक स्वर्ण और एक रजत स्तर की प्रतियोगिता शामिल हो।

वर्ल्ड कप की टीम के लिए आईपीएल तक इंतजार करें : रवि शास्त्री

एजेंसी, नई दिल्ली

टीम इंडिया के हेड कोच रवि शास्त्री नए सीजन की शुरुआत इस आस के साथ करने जा रहे हैं कि इस साल भारतीय टीम के खाते में एक और वर्ल्ड कप जरूर आएगा। शास्त्री मानते हैं कि इस टीम में माद्दा है और उसे सिर्फ अपनी पिछली गलतियों से सीख लेनी है।

मानसिक तौर पर थोड़ा और मजबूत होने की जरूरत है। श्रीलंका के खिलाफ साल की पहली सीरीज में उतरने से पहले शास्त्री ने कहा कि वर्ल्ड कप के लिए अंतिम तौर पर टीम चुनने में आईपीएल का अहम रोल होगा। लोगों को आईपीएल तक इंतजार करना चाहिए। मैं किसी को भी खारिज नहीं करता। अगर कुछ इंजरी होती हैं तो आप आईपीएल को ही देखेंगे कि वहां कौन अच्छा कर रहा है। मुझे पूरा यकीन है कि आईपीएल से एक या दो प्लेयर ऐसे मिल सकते हैं, जिनके बारे में आपने सोचा भी न हो और उन्हें खिलाना पड़ सकता है। उस वक्त की फॉर्म बहुत जरूरी हो जाएगी। क्योंकि आईपीएल के बाद वर्ल्ड कप में तीन-चार महीने ही रह जाएंगे। आईपीएल से हमें अंतिम तौर पर 16-17 खिलाड़ी तय करने में मदद मिलेगी।

2019 का आकलन जिस तरह से टीम ने तीनों फॉर्मेट में कॉन्सिस्टेंसी दिखाई, मेरे हिसाब से भारतीय क्रिकेट के लिए यह सबसे बेहतरीन सालों में से एक रहा। ओल्ड ट्रैफर्ड में 'उन 15 मिनटों' में अच्छा करते तो यह और भी बढ़िया साल होता।

2020 की चुनौतियां मैं यही चाहूंगा कि हमारे खिलाड़ी अपनी इंटेंन्सिटी और कॉन्सिसटेंसी जारी रखें जैसा कि 2019 में रहा। मेरी कामना है कि हमारे खिलाड़ियों की ज्यादा इंजरी न हो क्योंकि पिछले साल के आखिरी महीनों में हमें इसका सामना करना पड़ा। सौभाग्य से इसका हमें बहुत ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

प्रभावित करने वाले नए खिलाड़ी

पृथ्वी साह ने पिछले साल की अच्छी शुरुआत की थी लेकिन वह फिर चोटिल हो गए। शुभमान गिल भी शानदार खिलाड़ी हैं। बोलर्स में दीपक चाहर ने बहुत अच्छा किया है। हालांकि, उन्हें अपनी फिटनेस पर काम करना होगा। इंजरी से बचकर रहना होगा।

युवाओं के लिए मौका : इंडिया ए में शामिल किए गए कई युवाओं के लिए अच्छा मौका होगा। उनके पास न्यूजीलैंड में हमारे पहुंचने से पहले सिलेक्टर्स को प्रभावित करने का मौका है। दीपक चाहर और भुवनेश्वर कुमार चोटिल हैं तो बोलर्स के लिए भी अवसर होगा। ये दोनों कुछ समय के लिए बाहर रहेंगे।

स्पिन में कॉम्बिनेशन जरूरी : हमारे पिछले मैच को ही देखें जहां कुलदीप यादव खेले जबकि युजवेंद्र चहल इलेवन में नहीं थे। हमने सुंतलन बनाने के लिए रविंद्र जाडेजा को शामिल किया क्योंकि उनकी बैटिंग की भी अहमियत थी। हार्दिक की वापसी पर हम शायद एक साथ दो स्पिनर भी खिला सकें। सब कुछ निर्भर करता है कि बैलेंस, कॉम्बिनेशन और ऑपजिशन पर। यह सबको समझना होगा।

कोच गोपीचंद को उम्मीद, टोक्यो ओलंपिक में दम दिखाएंगे भारतीय शटलर

एजेंसी, नई दिल्ली। पीवी सिंधु समेत शीर्ष भारतीय सितारे भले ही फार्म में नहीं हो, लेकिन देश के बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद को उम्मीद है कि टोक्यो में उनकी टीम ओलंपिक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। गोपीचंद ने कहा कि पिछले कुछ ओलंपिक में हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा है। इस बार हमारी टीम में एक विश्व चैंपियन (सिंधु) है। उम्मीद है कि अच्छी तैयारी के साथ हम अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकेंगे। महिला एकल विश्व चैंपियन सिंधु ने जापान की नोजोमी ओकुहारा को हराकर खिताब जीता था। भारत के लिए ओलंपिक में साइना नेहवाल ने लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य और सिंधु ने 2016 रियो खेलों में रजत पदक जीता था। गोपीचंद ने खेलो इंडिया युवा खेलों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के खेलों से युवाओं को अच्छा मंच मिलता है। मैं इससे बहुत खुश हूं। इससे खेलों के लिए सकारात्मक तस्वीर बनती है। इसका अनुभव खिलाड़ियों के काफी काम आएगा। खेलो इंडिया युवा खेलों का तीसरा सत्र 10 से 22 जनवरी तक गुवाहाटी में खेला जएगा।

मेसी और रोनाल्डो हुए मालामाल, पिछले एक दशक में कमाए 8000 करोड़

एजेंसी, नई दिल्ली। दुनिया के दो धुरंधर फुटबॉलर लियोनल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो मैदान पर तो कड़े प्रतिद्वंद्वी हैं ही उसके बाहर भी इन दोनों में एक-दूसरे से आगे निकलने की रेस लगी रहती है। फिर चाहे वह फीफा के सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार की रेस हो या सर्वाधिक कमाई की।

पिछले एक दशक (2010 से 2019) में सर्वाधिक कमाई के मामले में भी इन दोनों में शह और मात का खेल चलता रहा जिसमें रोनाल्डो आगे रहे। हालांकि दोनों ने मिलकर दुनिया भर के श्रेष्ठ खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। इन दोनों ने अपनी सैलरी के अलावा प्रचार और विज्ञापनों से मिलाकर करीब 7987 करोड़ रुपये (1 बिलियन यूरो से अधिक) कमाए।

पिछले दस वर्षों में सर्वाधिक कमाई में मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर 5329 करोड़ रुपये (667 मिलियन यूरो) सबसे आगे रहे। रोनाल्डो दूसरे 4376 करोड़ रुपये (547.8 मिलियन यूरो) तो एनबीए स्टार लेब्रोन जेम्स तीसरे 4137 करोड़ रुपये (517.8 मिलियन यूरो) और मेसी 4130 करोड़ रुपये(517 मिलियन यूरो) चौथे स्थान पर रहे। इनके बाद टेनिस स्टार रोजर फेडरर, चोट के बाद शानदार वापसी करने वाले गोल्फर टाइगर वुड्स, गोल्फर फिल मिकेल्सन, फुटबॉलर नेमार, मुक्केबाज मैनी पैक्वायो और फॉर्मूला वन रेसर लुईस हैमिल्टन का नंबर आता है।

एटीपी कप ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के लिए नहीं : नडाल

एजेंसी, मेलबर्न। वर्ल्ड नंबर 1 राफेल नडाल ने कहा है कि स्पेन की टीम एटीपी कप को ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के तौर पर नहीं देख रही है। एटीपी कप इस साल से ही शुरू हो रहा है, जो ऑस्ट्रेलिया में ही खेला जाएगा। नडाल के हवाले से लिखा है, ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारियां ग्रैंड स्लैम से एक सप्ताह पहले शुरू होंगी जब हम एडिलेड में टूर्नमेंट खेलेंगे।साल का पहला ग्रैंड स्लैम 20 जनवरी से शुरू हो रहा है। नडाल ने कहा, पर्थ और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में एटीपी कप होना वाकई अच्छी बात है। हमारे पास विश्व के बेहतरीन खिलाड़ी हैं तो लोग उन्हें देखने के लिए आ सकते हैं। स्पेन को ग्रुप-बी में जापान, जॉर्जिया, उरुग्वे के साथ रखा गया है। टीम अपना पहला मैच 4 जनवरी को जॉर्जिया के खिलाफ खेलेंगी। कुल 24 देश इसमें हिस्सा ले रहे हैं।

मास्को से लौटीं भारत की नई चैंपियन हंपी, बोलीं- विश्व खिताब जीतना सपना सच होने जैसा

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत की नई विश्व चैंपियन कोनेरू हंपी ने कहा कि विश्व खिताब जीतना सपना सच होने जैसा है लेकिन रैपिड प्रारूप में यह उपलब्धि हासिल करने से वह भी हैरान थी क्योंकि वह हमेशा क्लासिकल प्रारूप में दावेदार रही हैं। हंपी ने मास्को में विश्व रैपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट में रैपिड वर्ग का खिताब जीतकर वर्ष 2019 का शानदार अंत किया।

उन्होंने मास्को से स्वदेश लौटने पर पीटीआई से कहा, यह मेरा पहला विश्व खिताब है। लोग लंबे समय से उम्मीद लगाए हुए थे कि मैं विश्व चैंपियन बनूं और यह वास्तव में अप्रत्याशित है। मैं रैपिड टूर्नामेंट में खिताब की दावेदार नहीं थी। मैंने अच्छा प्रदर्शन किया और यह टाईब्रेकर तक खिंच गया।

हंपी रैपिड की सफलता के बाद ब्लिट्ज में 12वें स्थान पर रही। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य क्लासिकल प्रारूप में विश्व खिताब जीतना है और वह इसे हासिल करने की कोशिश करेंगी। वह 2011 में क्लासिकल प्रारूप की विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में होउ यिफान से हार गई थी। हंपी ने कहा, मैं हमेशा दावेदार रही लेकिन कभी चैंपियन नहीं बन पाई। मैं इसके करीब तक पहुंची। मैं इसके लिये प्रयास जारी रखूंगी। जब इसे मुझे जीतना होगा तो मैं इसे जीतने में सफल रहूंगी। क्लासिकल विश्व खिताब के लिये पूरी तरह से भिन्न चुनौती होती है। आपको भिन्न प्रारूप के लिये अलग तरह के कौशल की जरूरत होती है। मैं इस बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास जारी रखूंगी।

सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए समाज जागरूक रहे : ममता भूपेश

राज्य सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत

■ जलतेदीप निसं, अजमेर

महिला एवं बाल विकास, राज्य मंत्री ममता भूपेश ने कहा है कि समाज को मुख्य धारा में लाने के लिए व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए सभी को जागरूक करना होगा। राज्य सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। इन्दिरा महिला शक्ति निधि से महिलाएं सशक्त एवं स्वावलम्बी होगी। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री शुक्रवार को अजमेर में मॉ सावित्री बाई फूले महिला सैनी संस्थान द्वारा आयोजित चतुर्थ बेटी सम्मान समारोह एवं संयुक्त परिवार मुखिया सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि पद से संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए सरकार ने इन्दिरा महिला शक्ति निधि एक हजार करोड़ रुपये से बनाया है। जिससे महिलाओं को आगे बढ़ाने, आत्मनिर्भर बनाने तथा स्वावलम्बन के लिए आर्थिक मदद मिल सकेगी। महिलाएं पुरूषों के बराबर तभी चल पायेगी जब वह स्वावलम्बी हो। उन्होंने कहा कि समाज में अनेक कुरीतियां प्रचलित है, उसे दूर करने के लिए सभी को जागरूक होना होगा। कई जगह घरेलू हिंसा का वातावरण देखा जाता है, जो आज के समय में उचित नहीं है। उसकी निन्दा की जानी चाहिए। समाज में महिलाओं को सुरक्षित जीवन जीने के लिए सुरक्षित क्षेत्र बनाने के लिए भी लोगों को आगे आना होगा। ताकि उन क्षेत्रों में महिलाये अपने आप को सुरक्षित समझ सकें तथा उनके साथ कोई अप्रिय घटना नहीं हो। उन्होंने कहा कि सभी समाज सामाजिक कुरीतियों को दूर करने तथा प्रदेश को प्रगतिशील प्रदेश बनाने का संकल्प लें।

मॉ सावित्री फूले ने समाज के उत्थान के लिए अनेक प्रयास किये

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री ममता भूपेश ने कहा कि मॉ सावित्री बाई फूले ने समाज के उत्थान के लिए अनेक प्रयास किये। उनके विचारों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। समाज में भ्रूण हत्या रोकने, घूंघट प्रथा हटाने जैसी कुरीतियों को दूर करने तथा शिक्षा के प्रसार के लिए उन्होंने काफी प्रयास किये थे। उसी दिशा में सभी संकल्प लेकर कार्य करें। उन्होने बताया कि सरकार ने गत एक वर्ष के दौरान अनेक कल्याणकारी कार्यक्रम एवं योजनायें चलायी है। पेंशन योजना हो या निःशुल्क दवा वितरण सभी से लोगों को राहत मिली है। पंचायत के जनप्रतिनिधियों की शैक्षणिक योग्यता की पाबंदी भी हटायी गयी है। समारोह में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री ने समाज की बालिकाओं को जिन्होंने परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये।

तिब्बती व्यापारी संघ ने दुकान आवंटन के लिये जताया सरकार का आभार

आयुक्त को प्रथम किस्त के रूप में सौंपा 2 करोड़ 42 लाख रूपये का बैंक ड्राफ्ट

मानसरोवर के झूलेलाल मार्केट में कराई गई 266 दुकान उपलब्ध

■ जलतेदीप निसं, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल के आयुक्त पवन अरोड़ा से शुक्रवार को आवास भवन में तिब्बती व्यापार संघ के अध्यक्ष ल्हामो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मण्डल ने मुलाकात कर दुकान आवंटन के लिये दुपट्टा पहनाकर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने दुकानों की प्रथम किस्त के रूप में 2 करोड़ 42 लाख रुपये की राशि का बैंक ड्राफ्ट और आवंटियों के भरे हुए फॉर्म भी आयुक्त पवन अरोड़ा और मुख्य अभियन्ता के.सी. मीणा को सौंपे।

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि मानसरोवर आवासीय योजना में झूलेलाल मार्केट में उपलब्ध 325 दुकानों में से 266 दुकानों को तिब्बती रिफ्यूजी होजरी रेडीमेड सेलर यूनियन के सदस्यों को उपलब्ध कराया जाएगा। अरोड़ा ने बताया कि ये दुकानें वर्ष 2014-15 की आरक्षित स्थिर दर पर 5 वर्ष की मासिक किश्तों पर लॉटरी के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएंगी।

वर्षो की समस्या का हुआ समाधान

तिब्बती शरणार्थी एसोसिएशन के अध्यक्ष ल्हामो ने बताया कि तिब्बती शरणार्थी ऊनी एवं गर्म कपड़ों के व्यापार के लिए गत 40 वर्षो से जयपुर आ रहे है, लेकिन यहां व्यापार के लिए कोई स्थान विशेष आवंटित नहीं होने से बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

इन दुकानों के आवंटन से उन्हें राहत मिलेगी और व्यापार के लिए एक जगह निर्धारित हो जाएगी। इस कार्य के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल का भी आभार जताया है।

विगत - मुकेश मांडण

पहचान का परिधान! हमारे पहनावे से बहुत कुछ पता चलता था, यथा निवास-क्षेत्र, जाति, वर्ग आदि। आधुनिकता ने ज्यों-ज्यों पैर जमाए, त्यों-त्यों 'स्वाभिमान' और 'स्वदेशी' की महक फीकी होती चली गई।

मरुधर केसरी भवन का बेंगलुरु में उद्घाटन कल

■ जलतेदीप प्रेवि., बेंगलुरु

श्रमण सूर्य मरुधर केसरी मिश्रीमलजी म.सा. एवं वरिष्ठ प्रवर्तक रूपमुनिजी म.सा. की प्रेरणा एवं शुभ आशीर्वाद से राजाजीनगर में नवनिर्मित बहुमंजिला श्री मरुधर केसरी जैन भवन का शुभारंभ 5 जनवरी को होगा। साथ ही इसी दिन पहली बार गुरु भगवंतो (संतों) का प्रवेश-आगमन भी होगा। समाजसेवी छगनमल लुणावत ने बताया कि रोचक व्याख्यानी, पंडित रत्न संतश्री ज्ञानमुनिजी महाराज साहेब आदि ठाणा, उपप्रवर्तनी साध्वीश्री मणिप्रभाजी आदि ठाणा के सानिध्य में रविवार को यह कार्यक्रम होगा।

वार्षिकोत्सव में छात्रों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां

■ जलतेदीप नसं, जयपुर

हमारे हिन्दुस्तान का विज्ञान तो बहुत सुंदर था। इसलिए तो शास्त्रकारों ने प्रबंध किया था कि मां-बाप की सेवा करना। जिससे कि आपको ज़िन्दगी में कभी भी दुःख नहीं होगा क्योंकि यदि आप सेवा नहीं करोगे, तो आप किस की सेवा पाओगे? आपकी आनेवाली पीढ़ी कैसे सीखेगी कि आप सेवा करने लायक हो? सिरसी रोड स्थित विरेंद्र टाइनी टाट्स पैराडाइज़ स्कूल के बच्चों ने नाटक प्रस्तुत कर ये संदेश दिया। मौका था विरेंद्र टाइनी टाट्स पैराडाइज़ स्कूल की ओर से भारतम ऑडिटॉरीयम पर 17 वे एनुअल फंक्शन का। इंटरनल सनशाईन थीम पर आयोजित उत्सव की शुरुआत पर स्कूल के स्टूडेंट्स ने भंगड़ा, गिद्दा और मार्शल आर्ट परफॉर्म किया। स्कूल के निदेशक राहुल यादव व प्रिन्सिपल पूजा यादव ने स्टूडेंट्स को मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य मेहमान के तौर पर हनुमान सहाय मीना सिरसी, कैलाश शर्मा आरएसएस मुख्य प्रचारक, सारिका भाजपा महिला मोर्चा उपाध्यक्ष, चीफ़ ब्लॉक ऑफिसर सुदर्शन कुलाड आदि मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे आकर्षण का केन्द्र

■ जलतेदीप नसं, जयपुर

गणतंत्र दिवस के अवसर पर आगामी 26 जनवरी को सवाई मानसिंह स्टेडियम में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ मोटरसाइकिल और घुड़सवारों के रोमांचकारी करतब विशेष आकर्षण का केन्द्र होंगे। मुख्य सचिव डीबी गुप्ता ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में कार्यक्रमों की रूपरेखा तय कर सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव गुप्ता ने बताया कि राज्य स्तरीय समारोह सुबह साढ़े नौ बजे शुरू होगा, जिसमें परेड का निरीक्षण एवं मार्च पास्ट होगा। आर्मी एवं पुलिस बैंड का प्रदर्शन होगा। साथ ही जयपुर की एमजीडी गर्ल्स स्कूल एवं सेन्ट जेवियर स्कूल तथा सीकर की प्रिंस स्कूल का बैंड मार्चिंग करेंगे। परेड में राज्य पुलिस की विभिन्न टुकड़ियां, होम गार्ड, एनसीसी, स्काउट-गाइड, एमजीडी गर्ल्स स्कूल के साथ गुजरात पुलिस की प्लाटून भाग लेगी।

विधानसभा अध्यक्ष जोशी से हरियाणा विधानसभा की समिति ने की भेंट

■ जलतेदीप नसं, जयपुर

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी से शुक्रवार को विधानसभा में हरियाणा विधानसभा की राजकीय उपक्रम समिति के सदस्यों ने शिष्टाचार भेंट की। विधानसभा के वरिष्ठ उप सचिव दिनेश कुमार जैन ने समिति के विधानसभा पहुंचने पर पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। असीम गोयल के सभापतित्व में आई मेहमान समिति के सदस्यों ने राज्य विधानसभा की राजकीय उपक्रम समिति की आंतरिक कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की। विधानसभा के वरिष्ठ उप सचिव ने समिति के सभापति को विधानसभा की प्रक्रिया एवं नियमावली एवं समिति की आंतरिक कार्य प्रणाली की पुस्तिका एवं साहित्य भेंट किया। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा की राजकीय उपक्रम समिति के सभापति असीम गोयल, सदस्य विनोद भायाना, लीलाराम, राम कुमार गौतम, भारत भूषण बत्र, कुलदीप वत्स सहित दोनों विधानसभाओं की संबंधित समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव-2020
कानून व्यवस्था के लिए गृह और पुलिस अधिकारियों के साथ चुनाव आयुक्त ने की बैठक

■ जलतेदीप नसं, जयपुर

राज्य में होने वाले पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव स्वतंत्र-निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न करवाने के लिए शुक्रवार को राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त पीएस मेहरा ने गृह और पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। सचिवालय स्थित आयुक्त के कक्ष में हुई बैठक में पंचायत आम चुनाव-2020 के दौरान पुलिस बल की उपलब्धता उनके नियोजन की कार्ययोजना और कानून व्यवस्था से जुड़े अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। चुनावी क्षेत्रों में पर्याप्त होमगार्ड्स की उपलब्धता, अन्य राज्यों से पुलिस फोर्स लेने और बजट सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा हुई। गृह और पुलिस विभाग के अधिकारियों ने सुरक्षा बलों की उपलब्धता को देखते हुए पंचायत और जिला परिषद के चुनाव तीन चरणों में रखने का प्रस्ताव रखा। आयुक्त ने पुलिस विभाग को उम्मीदवारों द्वारा नाम-निर्देशन पत्र भरने और रिटर्निंग ऑफिसर सहित मतदान दलों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस फोर्स की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मेहरा ने कहा कि आयोग स्वतंत्र-निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन प्रदेश में होने वाले पंचायत आम चुनाव के लिए ऐसा सकारात्मक और निर्भीक माहौल बनाए कि प्रत्येक नागरिक निर्भय होकर मतदान कर सके।

नागरिकता कानून के खिलाफ नहीं थम रहा विरोध प्रदर्शन

■ एजेंसी, नई दिल्ली

नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ विपक्षी पार्टियों का विरोध थमता नहीं लग रहा है। शुक्रवार को सिलीगुड़ी में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी फिर सड़क पर उतरी और उन्होंने नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिक पंजी के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। वहीं देश की राजधानी दिल्ली के शाहीन बाग में पिछले 20 दिनों से प्रदर्शनकारी धरने पर हैं। वहीं दिल्ली में मंडी हाउस से जंतर मंतर तक फिर सीएए के खिलाफ मार्च निकाला गया। इस मार्च में शुक्रवार को ट्रांसजेंडर्स भी शामिल हुए और लगातार इस कानून को वापस लेने की मांग करते रहे। प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों का कहना था कि कि ये कानून देश के मूल्यों के खिलाफ है।

अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ पर साधा निशाना

गोरखपुर में बच्चों की मौत पर चुप क्यों सरकार

गलत दवा देने से 1000 से ज्यादा बच्चों की हो चुकी है मौत

राजस्थान में बच्चों की हो रही मौतों पर तो बोल रहे हैं मुख्यमंत्री योगी

■ एजेंसी, लखनऊ

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कोटा में बच्चों की मौत पर कांग्रेस सरकार पर हमला बोलने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में बच्चों की मौत पर चुप क्यों हैं। अखिलेश ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री कोटा के बच्चों की मौत पर तो बोल रहे हैं, पर गोरखपुर में जो गलत दवा देने से 1000 से ज्यादा बच्चों की मौत हो चुकी है, उसका जिम्मेदार कौन है?

इस तरह का अमानवीय कार्य पूरी दुनिया में कहीं नहीं हुआ। इस पर वे चुप क्यों हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों की मौत गंभीर मामला है। मृतक बच्चों की संख्या अधिक भी हो सकती है। सपा की सरकार आएगी तो पूरा आंकड़ा जारी करेंगे।

एनआरसी और एनपीआर के लिए कोई कागजात नहीं दिखाएंग

अखिलेश ने नागरिकता कानून और एनआरसी पर कहा कि हम एनआरसी और एनपीआर के लिए कोई कागजात नहीं दिखाएंगे। ये सभी मुद्दे इसीलिए उठाए जा रहे हैं, ताकि नौजवानों के रोजगार, अर्थव्यवस्था और बैंकों की खस्ता हालत से लोगों का ध्यान हटाया जा सके।

भाजपा सामाज व देश को बांटना चाहती है

सीएए लागू करने के बाद भाजपा समाज और देश को बांटना चाहती है। उसकी मंशा भी है कि समाज बंट जाए। सीएए के विरोध में हिंसक प्रदर्शन के दौरान जिसकी भी जान गई है, उन सबकी जान पुलिस की गोली से गई है। सरकार तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी बदल सकती है। उन्होंने कहा कि सपा के नौजवान साइकिल मार्च निकालकर युवाओं के लिए रोजगार की मांग करेंगे। उन्होंने नारा दिया नहीं भरेंगे एनपीआर, नौजवान मांगे रोजगार। अखिलेश ने कहा, आज हम एक्सपोर्ट में पीछे जा रहे हैं। आज सरकार बताए कि बैंक क्यों डूब रहे हैं। उद्योगपति क्यों डरे हुए हैं। अर्थव्यवस्था और बैंकिंग सिस्टम तो बेहद गंभीर हालत में है।

संक्षिप्त खबरे

कासिम सुलेमानी की मौत के बदले को तैयार ईरान

बगदाद/एजेंसी। इराक की राजधानी बगदाद के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर अमेरिकी हमले में ईरान के शीर्ष कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत हो गयी है। ईरान और अमेरिका ने इस सूचना की पुष्टि की है। ऐसे में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनी ने उसे शहीद बताते हुए बदला लेने की बात कही है। अयातुल्ला खामेनी ने ट्विटर पर लिखा कि- हम इमाम महदी और सोलेमानी की आत्मा को बधाई देते हैं और इस महान शहादत पर ईरानी राष्ट्र को बधाई देते हैं। वह इस्लाम में प्रशिक्षित एक व्यक्ति का एक प्रमुख उदाहरण थे। उन्होंने अपना सारा जीवन खुदा के लिए संघर्ष करने में लगा दिया। उनकी शहादत वर्षो से उनके अथक प्रयासों का प्रतिफल थी। अपने अन्य ट्वीट में उन्होंने लिखा कि उनके प्रयासों और पथ को उनकी शहादत से, गॉड्स पॉवर द्वारा रोका नहीं जाएगा, बल्कि उन अपराधियों की प्रतीक्षा की जाएगी जिन्होंने बीती रात शहीदों के खून से अपने हाथों को दाग दिया है। खामेनी ने आगे कहा कि उनका जिहाद अधिक प्रेरणा के साथ जारी रहेगा। निरंतर लड़ाई और अंतिम जीत हत्यारों और अपराधियों के लिए अधिक कड़वी होगी

ईरान की धमकी के बाद अमेरिका ने कहा, तुरंत इराक छोड़ दें अमेरिकी नागरिक

वाशिंगटन/एजेंसी। ईरान की धमकी के बाद अमेरिका ने बगदाद से यूएस नागरिकों को वापस लौटने की बात कही है। बगदाद में मौजूद अमेरिकी दूतावास ने बिगड़ते हालात को देखते हुए शुक्रवार को एक प्रेस रिलीज़ जारी करते हुए कहा है कि यहां आसपास मौजूद सभी अमेरिकी नागरिकों से वापस अमेरिका लौटने की सलाह दी है। सभी नागरिक तुरंत यहां से निकलें, फिर चाहे वो अमेरिका लौटना हो या किसी और देश जाना हो। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने गुरुवार देर रात बगदाद में हवाई हमला कर दिया। इस हमले में ईरान के कद्स फोर्स के प्रमुख मेजर जनरल कासिम सुलेमानी सहित 8 अधिकारियों की मौत हो गई थी। इसके बाद ईरान में सुलेमानी की मौत पर तीन दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित कर दिया गया है।

पाकिस्तान में अमेरिकी विमानों पर आतंकी हमले का मंडराया खतरा, चेतावनी परामर्श जारी

वाशिंगटन/एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान के संबंध में एक चेतावनी परामर्श जारी किया है। परामर्श में सभी अमेरिकी निजी, व्यावसायिक और सरकारी एयरलाइन कंपनियों और विमानों के पायलटों को चेताया है कि वे पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल करने बचे। आशंका जताई गई है कि पाकिस्तान में सक्रिय चरमपंथी और आतंकी समूह अमेरिकी विमानों को निशाना बना सकते हैं। अमेरिका के विमानन नियामक (एफएए) ने विमानन कंपनियों और उनके चालकों के लिए परामर्श जारी की है। यह परामर्श एक जनवरी, 2021 तक के लिए वैध रहेगा। आधिकारिक परामर्श में कहा गया है कि पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादियों के कारण पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में उड़ानों को खतरा है।

इंडोनेशिया में बाढ़ में 43 की मौत, लापता लोगों की तलाश कर रहे बचावकर्ता

जकार्ता/एजेंसी। इंडोनेशिया में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण जकार्ता और आसपास के इलाकों में 43 लोगों की मौत हो गई। बचावकर्मी शुक्रवार को लापता लोगों की तलाशी का अभियान जारी रहा और स्वास्थ्य अधिकारी बीमारियां फैलने से रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। नए साल से एक दिन पहले हुई भारी बारिश के बाद से अब भी दस से अधिक लोग लापता हैं। भारी बारिश और बाढ़ के कारण राजधानी में कई इलाके जलमग्न हो गए और हजारों लोग बेघर हो गए। अधिकारियों ने बताया कि करीब 1,92,000 लोगों को अस्थायी शिविरों में पहुंचाया गया है। राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण एजेंसी के प्रवक्ता अगुस विबोवो ने बताया कि जिन लोगों के घर अब भी पानी में डूबे हुए हैं उसने सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा जा रहा है। एजेंसी ने बताया कि ग्रेटर जर्काता और नजदीक लेबक रीजेंसी में 43 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। कई इलाकों में पानी का स्तर घट रहा है और बिजली आपूर्ति बहाल की जा रही है।

नक्सलवाद से निपटने को छत्तीसगढ़ की तर्ज पर कानून बनाएगी महाराष्ट्र सरकार

■ एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में नक्सलवाद के खतरे से निपटने के लिए छत्तीसगढ़ की तर्ज पर सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम लागू करने का फैसला किया। महाराष्ट्र के गृह मंत्री एकनाथ शिंदे ने यह जानकारी दी। गृहमंत्रालय के अधिकारियों ने मंत्री शिंदे के हवाले से बताया कि राज्य में नक्सलवाद के खतरे से निपटने के लिए हम छत्तीसगढ़ की तरह सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम लागू करने पर विचार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से चर्चा के बाद सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम को महाराष्ट्र में भी लागू किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि पिछले महीने गढ़चिरौली जिले का दौरा करने के बाद शिंदे ने इस सप्ताह के शुरू में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ एक बैठक की, जिसमें अधिकारियों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चर्चा की। एक अधिकारी ने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने तीन साल पहले इस तरह के कानून को लाने की मांग उठाई थी। गृह, कानून और न्यायपालिका विभागों को छत्तीसगढ़ सरकार के कानून का अध्ययन करने के लिए कहा गया है।

एसएसपी वैभव का कृत्य सर्विस रूल के खिलाफ, स्पष्टीकरण मांगा : ओपी सिंह

■ एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओपी सिंह ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के पुलिस अधिकारियों पर सवाल उठाने वाले गौतमबुद्धनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) वैभव कृष्ण पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि एसएसपी वैभव कृष्ण का कृत्य सर्विस नियमों के खिलाफ है। डीजीपी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि एसएसपी वैभव कृष्ण से स्पष्टीकरण मांगा गया है और मामले की एडीजी मेरठ से जांच कराने को कहा गया है। डीजीपी ने कहा कि मामले में एसएसपी से सफाई मांगी गई है। सचिवायल ने गृह विभाग को शिकायत भेजी है। 26 दिसंबर को एडीजी ने जांच के लिए 15 दिन और मांगे। हमने और 15 दिन का समय दिया है। गोपनीय दस्तावेज वायरल करना गैरकानूनी है। गोपनीय दस्तावेज के साथ ऑडियो भी वायरल किया गया था। एसएसपी ने सर्विस नियम का उल्लंघन किया गया। एसएसपी ने गोपनीय दस्तावेज भेजे थे।

नौशेरा सेक्टर में माइन ब्लास्ट, लेफ्टिनेंट समेत चार जवान घायल

■ एजेंसी, जम्मू

जम्मू कश्मीर में नौशेरा सेक्टर के कलाल इलाके में शुक्रवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे माइन ब्लास्ट हुआ। इस धमाके में सेना के लेफ्टिनेंट समेत चार जवान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं गंभीर रूप से घायल दो जवानों को एयरलिफ्ट कर उधमपुर बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके साथ ही इलाके की घेराबंदी कर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। सैन्य सूत्रों ने बताया कि सेना की पेट्रोलिंग पार्टी सीमा से सटे इलाकों में दौरे पर थी। इस दौरान यह धमाका हुआ। इससे पहले 31 दिसंबर को पुंछ में एलओसी से सटे गांव बगयालदरा में माइन ब्लास्ट में एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ था।

कच्ची कॉलोनियों में संपत्ति का मालिकाना हक मिलना शुरू, 20 को मिली रजिस्ट्री

■ एजेंसी, नई दिल्ली

आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने शुक्रवार को दिल्ली की अनाधिकृत कॉलोनियों में संपत्ति के मालिकाना हक देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आवास एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को संपत्ति के मालिकाना हक का प्रमाणपत्र और पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करने वाले 20 लोगों को रजिस्ट्री के दस्तावेज सौंप कर इसकी शुरुआत की। पुरी ने दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल और डीडीए के उपाध्यक्ष तरुण कपूर की मौजूदगी में पहले 20 लाभार्थियों को संपत्ति के दस्तावेज सौंपे। संपत्ति का पहला पंजीकरण प्रमाणपत्र समयपुर बादली स्थित सूरज पार्क कॉलोनी की पिंकी शर्मा को दिया गया। हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि पहले 20 लाभार्थी सूरज पार्क और राजा विहार कॉलोनी के हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने 18 दिसंबर को संपत्ति के मालिकाना हक़ के लिए आवेदन किया था। इसके लिए 16 दिसंबर को ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई थी। पुरी ने बताया कि अब तक 57 हजार आवेदन आ चुके हैं। जैसे-जैसे आवेदकों के दस्तावेजों की जांच और शुल्क भुगतान की प्रक्रिया पूरी होती जाएगी, वैसे-वैसे मालिकाना हक और पंजीकरण प्रमाणपत्र लाभार्थियों को मिलते जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि डीडीए ने अनाधिकृत कॉलोनियों के भू-उपयोग में परिवर्तन किया है, इसलिए मालिकाना हक का प्रमाणपत्र डीडीए द्वारा दिया जा रहा है और पंजीकरण शुल्क दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग को अदा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शुल्क के एवज में मिलने वाली राशि से विशेष विकास कोष बनाया गया है। इससे इन कॉलोनियों में विकास कार्य होंगे।

केजरीवाल ने इस कदम को बताया जनता के साथ छल

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार के इस कदम को दिल्ली की जनता के साथ छल बताया है। केजरीवाल ने एक ट्वीट कर कहा, पहले आपने कहा कॉलोनिया पक्की करेंगे। अब कह रहे हो कॉलोनियों को पक्का नहीं करेंगे। तो फिर कच्ची कॉलोनियों में पक्की रजिस्ट्री कैसे हो सकती है? खेती की जमीन पर घर की रजिस्ट्री कैसे हो सकती है? फर्जी रजिस्ट्री मत कीजिए। वोट के लिए लोगों को मत फंसाइए। कल आप ही इनकी सीलिंग करने लगोगे।

स्वतत्वाधिकारी मैसर्स जलतेदीप (जयपुर) की ओर से मुद्रक, प्रकाशक पदम मेहता द्वारा दीपक ऑफसेट प्रिंटर्स, एफ-77, करतारपुरा, सुदर्शनपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित तथा जलतेदीप (जयपुर) कार्यालय ई-287, लालकोठी, जयपुर से प्रकाशित फोनः 2742116, फैक्सः5102727 संपादकः पदम मेहता